मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	23.7	10.2
जमशेदपुर	25.6	10.7
डालटनगंज	24.8	07.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शुक्रवार, 22 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 10, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 244 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

* * * * *

पेज 8-9

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- अमेरिका-वेनेजुएला के बीच कैदियों की अदला-बदली
- पाक में आत्मघाती हमले में शामिल नौ आतंकी गिरफ्तार
- तुर्किए में ब्याज दर 42.5 प्रतिशत के उच्चस्तर पर पहुंची
- सूडान : तीन लाख लोग घर छोड़कर भागे

नेशनल
- पाकिस्तान से आए तीन लोगों को मिली भारतीय नागरिकता
- कर्नाटक में कोविड के 24 नए मामले सामने आए
- नयी दिल्ली में आज बारिश की संभावना
- छात्रों के खिलाफ जांच पर पुनर्विचार करेगा जेएनयू

स्टेट
- सरयू राय ने राज्यपाल से मुलाकात की
- चीफ जस्टिस को दिया गया फेयरवेल
- इंडिया का आज राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन
- आज से शीतलहर से मिल सकती है राहत

स्पोर्ट्स
- बृजभूषण के विश्वासपात्र संजय सिंह बने डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष
- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में भारतीय टीम का दबदबा
- एमबाप्पे के छोटे भाई एथन एमबाप्पे ने किया पदार्पण
- द. अफ्रीका टी-20 लीग में शास्त्री करेंगे कमेंट्री

किसने क्या कहा

- गर्व है कि भारतीय संसद ने आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए कानून बनाए -गृह मंत्री
- राजभवन के हिसाब से सरकार अपनी नीति तय नहीं करेगी -सुदिव्य कुमार सोनू
- बाबूलाल ने की सदन की अवमानना, कार्रवाई हो -प्रदीप यादव

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,900
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

झारखंड के सभी स्कूल 26 से 31 तक बंद रहेंगे

रांची। झारखंड में चल रही शीतलहरी को लेकर स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग ने सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त और निजी स्कूल 26 दिसंबर से 31 दिसंबर तक बंद रखने का आदेश दिया है. यह छुट्टी क्लास नर्सरी से 9वीं तक के लिए है. 10वीं और 12वीं की परीक्षा को देखते हुए 10वीं और 12वीं का क्लास संचालित होंगे. यह निर्णय ठंड की वजह से लिया गया है.

भाजपा राज में कुछ भी सुरक्षित नहीं : प्रियंका

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को आरोप

लगाया कि भाजपा के शासन में संसद, सरहद, सड़क और समाज कुछ भी सुरक्षित नहीं है. मणिपुर से जुड़ा एक वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, जरा सोचिए कि मणिपुर में मारे गए लोगों को 8 महीने बाद संस्कार नसीब हुआ.

जैकलीन की याचिका पर ईडी से जवाब तलब

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने ईडी से अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज

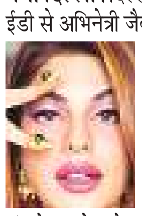

की उस याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें उन्होंने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के धन शोधन मामले में अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का आग्रह किया है.

संसद ने दूरसंचार बिल 2023 को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। संसद ने गुरुवार को उस विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी, जिसमें सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर दूरसंचार सेवाओं को अस्थायी रूप से नियंत्रित करने की अनुमति देने और उपग्रह स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए गैर-नीलामी मार्ग प्रदान करने जैसे प्रावधान हैं. दूरसंचार विधेयक, 2023 को राज्यसभा ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी.

सेना के वाहनों पर हमला तीन जवान हुए शहीद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकियों ने सेना के दो वाहनों पर गुरुवार को को घात लगा कर हमला कर दिया, जिसमें तीन जवान शहीद हो गए. अधिकारियों ने बताया कि थानामंडी-सूरनकोट रोड पर सावनी इलाके में अपराह्न सेना के वाहनों पर हमला हुआ. वाहन बुफलियाज के पास के एक इलाके से जवानों को ले जा रहे थे.

रोते हुए साक्षी मलिक बोलीं- कुश्ती से संन्यास लेती हूं

नयी दिल्ली। भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह के करीबी संजय सिंह के कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष चुने जाने पर भारी विवाद खड़ा हो गया है. दिग्गज पहलवान साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने कहा कि हमें न्याय नहीं मिला. साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान किया. -खेल पेज भी देखें

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार व विपक्ष पर किया जमकर प्रहार, कहा-

फिर बनाएंगे सरकार

विस का शीतकालीन सत्र स्थगित

कौशल आनंद।रांची

झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र विधानाध्यक्ष अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो और सदन नेता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भाषणों के साथ गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया. मुख्यमंत्री ने समापन के मौके पर अपना वक्तव्य दिया. उन्होंने अपना संबोधन एक पंक्ति "हमारे कदम चलते रहेंगे जब तक सांस है, हम वो मुसाफिर नहीं की बाधा देख कर चलना छोड़ दें" के साथ शुरू किया. उन्होंने अपने वक्तव्य में एक साथ केंद्र सरकार और राज्य के विपक्ष पर चौतरफा हमला किया. उन्होंने कहा कि इनकी आदत न तो सच बोलने की है और न सच सुनने की है. हमे पूर्ण बहुमत देकर राज्य की जनता ने हमारी सरकार बनायी. मगर सरकार गठन के कुछ ही घंटे बाद से हमारी सरकार को गिराने का षडयंत्र शुरू हो गया. कभी राजभवन के जरिए तो कभी खरीद-फरोख्त के जरिए. जब इसमें ये सफल नहीं हुए तो ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स को हमारे पीछे लगा दिया. राज्यपाल कहीं न कहीं केंद्र का प्रतिनिधि होने के नाते वह केंद्र से प्रभावित रहते होते हैं. राज्यपाल के जरिए भी हमारी सरकार को हिलाने-डुलाने का प्रयास हुआ. मगर मैं सदन को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हमारी सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी और आने वाले 2024 में फिर हम ही सरकार बनाएंगे.

-शेष पेज 13 पर

सरकार कार्यकाल पूरा करेगी और 2024 की चिंता नहीं

- **सीएम ने कहा:** सरकार बनने के कुछ घंटे बाद से ही हमारी सरकार गिराने का शुरू हो गया प्रयास, राज्यपाल भी सरकार हिलाने-डुलाने में ही जुटे रहे
- **अहम घोषणाएं** हमारी सरकार कराएगी जातिगत गणना, ओबीसी आरक्षण बिल की मंजूरी के लिए मिलेंगे राज्यपाल से

हर गरीब को पक्का मकान देगी सरकार

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सदन में घोषणा किया कि हमारी सरकार जातिगत गणना कराएगी. रही बात ओबीसी आरक्षण की तो हमारी सरकार ने इसी सदन से बिल पास करके राज्यपाल के पास भेजा है. मगर राज्यपाल इसको लेकर अब तक कुछ नहीं कर रहे हैं. शीतकालीन सत्र के बाद हम सभी राज्यपाल से मिलने जाएंगे और इसे जल्द से जल्द स्वीकृति देने की गुहार लागाएंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के लोग सदन में 1932 स्थानीयता बिल को सहमति देते हैं और बाहर राज्यपाल का कान फूंक देते हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार आबुआ आवास योजना के तहत हर गरीब को पक्का मकान देगी.

क्या हम 25 साल के युवा झारखंड को सशक्त कह पाएंगे

सीएम ने कहा कि ऐसे वक्त में राज्य का मुझे बागडोर मिला जब चंद सालों में ही यह युवा राज्यों की गिनती में आ गया. सबसे अधिक विपक्ष को ही सरकार चलाने का मौका मिला. झारखंड देश का सबसे पिछड़ा राज्य है. मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ समय बाद झारखंड युवा हो जाएगा, लेकिन क्या हम कह पाएंगे कि हमारा प्रदेश सशक्त है. सीएम ने कहा कि विपक्ष अधिकांश समय माता-पिता की भूमिका में था.

लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में हो रही घटना देश देख रहा

हेमंत सोरेन ने सरकार को कोसने का आरोप लगाते हुए कहा कि हमें डराने-गिराने का निरंतर प्रयास किया गया. सदन सबसे बड़ा मंदिर है. यहां मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारा को मानने वाले सभी लोग बैठते हैं. जब सोचता हूं कि सबसे बड़ा कौन तो सब धर्मों के लिए सम्मान जागता है, लेकिन यह सदन तो लोकतंत्र का मंदिर है. हमसे से ऊपर लोकसभा है. राज्यसभा है. हम उनसे सीखते हैं. आज लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में क्या हो रहा है, देख रहे हैं.

विपक्ष से सच्चाई सुनी नहीं जाती है : मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष को बताना चाहिए कि सामाजिक सुरक्षा के मोर्चे पर इन्होंने क्या किया. मुख्यमंत्री के संबोधन के दौरान विपक्षी विधायकों ने वॉकआउट किया. सीएम हेमंत ने कहा कि यही दिक्कत है. उनसे सच्चाई सुनी नहीं जाती.

लोकतंत्र बचाने के लिए निकाला मार्च

संसद के शीतकालीन सत्र में लगातार विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी का दौर जारी है. निलंबन के खिलाफ विपक्षी दलों ने एकजुटता दिखाते हुए गुरुवार को एक विरोध मार्च निकाला. मार्च में सांसदों ने संसद भवन से विजय चौक तक मार्च किया. सभी लोकतंत्र बचाओ और संसद बंद, लोकतंत्र निष्कासित !, जैसे बैनर लेकर विरोध जता रहे थे. -फोटो : पीटीआई

राहुल गांधी निकलेंगे भारत जोड़ो यात्रा-2 पर

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में गुरुवार को अगले लोकसभा चुनाव के लिए ठोस रणनीति बनाने पर जोर दिया और यह प्रस्ताव रखा कि राहुल गांधी पूर्व से पश्चिम की ओर दूसरे चरण की 'भारत जोड़ो यात्रा' निकालें, क्योंकि पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता लंबे समय से यह मांग कर रहे हैं. खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कार्य समिति के विभिन्न सदस्यों ने शिरकत की. खरगे ने कहा, पिछले कई महीनों से पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता एक स्वर में लगातार एक मांग मेरे सामने रखते रहे हैं कि राहुल गांधी जी पूर्व से पश्चिम की ओर भारत जोड़ो यात्रा निकालें. मैं कार्यसमिति में राहुल जी के समक्ष यह बात रखता हूं और निर्णय आप सभी पर छोड़ता हूं.

- खरगे ने कार्य समिति के समक्ष दूसरे चरण का प्रस्ताव रखा

एक दिन पहले ही हुआ संसद का सत्रावसान

नयी दिल्ली। संसद के मौजूदा सत्र का एक दिन पहले ही गुरुवार को सत्रावसान कर दिया गया. सत्र शुक्रवार को समाप्त होना था. उधर लोकसभा में तख्तियां दिखाने और सदन की अवमानना करने को लेकर गुरुवार को भी कांग्रेस के तीन सदस्यों- दीपक बैज, डीके सुरेश और नकुल नाथ को संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया. इस तरह सदन की अवमानना के मामले में अंतिम दिन तक लोकसभा के कुल 100 सदस्यों को निलंबित किया जा चुका था. इसके विरोध में निलंबित सांसदों ने संसद भवन से विजय चौक तक विरोध मार्च निकाला. इस बीच, लोकसभा स्पीकर ने सूचना दी कि संसद की सुरक्षा में अब सीआईएसएफ के जवानों को तैनात किया गया है. सुरक्षा चूक के बाद यह कदम उठाया गया है. उधर, संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया. कोर्ट ने सबको 15 दिन तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया.

- अंतिम दिन भी कांग्रेस के तीन सांसद किये गये निलंबित

झारखंड में स्कॉलरशिप में हुआ फर्जीवाड़ा

करोड़ों का फर्जी वितरण

प्रमुख संवाददाता।रांची

झारखंड में छात्रवृति में बड़ा फर्जीवाड़ा हुआ है. गुरुवार को महालेखाकार अनूप फ्रांसिस डुंगडुंग ने प्रेस कांफ्रेस में बताया कि झारखंड में छात्रवृत्ति के नाम पर छह जिलों में एक करोड़ रुपए का फर्जी वितरण किया गया है.

यह फर्जी वितरण उन संस्थानों से भी किया गया, जिन्होंने न तो खुद को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर पंजीकृत किया था और न ही पोर्टल पर लॉग इन करने के लिए उपयोगकर्ता प्रमाण-पत्र या क्रेडेंशियल प्राप्त किए थे. इस प्रकार, आवेदन सत्यापित करने वाले अधिकारियों की प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष भागीदारी के साथ फर्जी व्यक्तियों द्वारा छात्रवृत्ति की मंजूरी के लिए उपयोगकर्ता प्रमाण-पत्र और क्रेडेंशियल का दुरुपयोग किया गया. -शेष पेज 13 पर

पास आउट छात्रों को भी दे दिया गया स्कॉलरशिप

डीबीटी के माध्यम से हुई भारी गड़बड़ी

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और छात्रवृत्ति में लक्षित उद्देश्यों और डीबीटी के सापेक्ष प्रभाव को प्राप्त करने की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, चतरा, हजारीबाग, पूर्वी सिंहभूम, गोड्डा, पलामू और रांची में ऑडिट के लिए डाटा एकत्र किया गया. इसमें 81 फर्जी लाभार्थियों को छात्रवृत्ति के रूप में फर्जी तरीके से 5.20 लाख दिए गए. ये लाभार्थी 5 जिलों से हैं. 365 अयोग्य छात्रों को छात्रवृत्ति की प्रतिपूर्ति के रूप में 22.79 लाख रुपए वितरित कर दिए गए.

राज्य के महालेखाकार अनूप फ्रांसिस डुंगडुंग ने प्रेस कांफ्रेस.

अल्पसंख्यक छात्रवृति में धोखाधड़ी

एजी ने बताया कि अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति धोखाधड़ी की जांच करने के लिए धनबाद जिले में बनाई गई एक जिला स्तरीय सरकारी समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट में आवेदनों के फर्जी अनुमोदन में 9.99 करोड़ राशि का फर्जी वितरण किया गया. इसमें आवेदन सत्यापन करने वाले अधिकारियों की भूमिका रही.

पासआउट छात्रों को भी दे दी गई छात्रवृत्ति

झारखंड में पास आउट छात्रों को भी छात्रवृत्ति दे दी गई. इसकी एवज में 5.74 लाख रुपए का भुगतान किया गया. छात्रवृत्ति का भुगतान में ई-कल्याण योजना प्रबंधन सॉफ्टवेयर में कमी पाई गई. बिना दस्तावेजों की जांच किए बिना 663 लाभार्थियों को 43.77 लाख रुपए फर्जी तरीके से वितरित कर दिया गया.

आयकर विभाग ने किया खुलासा

धीरज के ठिकानों से 351 करोड़ मिले

एजेंसी।नई दिल्ली

आयकर विभाग ने हाल में ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड की एक शराब कंपनी में तलाशी अभियान के बाद 351 करोड़ रुपए से अधिक की बेहिसाबी नकदी और 2.80 करोड़ रुपए मूल्य के आभूषण जब्त किये हैं. केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी. बोर्ड के मुताबिक मिली अकूत राशि का अब तक कोई हिसाब नहीं मिल पाया है. मामले की गहन जांच की जा रही है.

रांची के एक परिवार का नियंत्रण : सीबीडीटी ने किसी का नाम लिए बिना एक बयान में कहा कि समूह का व्यवसाय झारखंड के रांची स्थित एक परिवार द्वारा नियंत्रित किया जाता है और परिवार का एक सदस्य ''राजनीति से जुड़ा एक व्यक्ति'' है. उसके कई ठिकानों पर करीब एक सप्ताह तक आईटी की रेड डाली गयी. बरामद की गयी धनराशि स्टेट बैंक की की शाखाओं में जमा करवा दिया गया है. संबंधित लोगों द्वारा हिसाब देने के बाद पता लगाया जाएगा कि इसमें कितने टैक्स की चोरी की गयी है. हालांकि अभी तक की जांच से तो यही यही लग रहा है कि पूरी राशि ही अवैध है.

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद का नाम लिये बगैर कहा

- ओडिशा-झारखंड की शराब कंपनी में हालिया तलाशी अभियान में 351 करोड़ रुपये से अधिक नकदी और 2.8 करोड़ के जेवर जब्त किये गये

देसी शराब की बिक्री का कोई रिकार्ड नहीं : यह कार्रवाई कांग्रेस सांसद धीरज साहू के परिवार से जुड़े बौध डिस्टिलरी समूह के खिलाफ ओडिशा, झारखंड में 30 ठिकानों में की गई तलाशी से जुड़ी थी. सीबीडीटी ने कहा, सबूतों के विश्लेषण से देसी शराब की बिना हिसाब बिक्री के रिकॉर्ड, अघोषित नकदी के विवरण और नकदी का पता चलता है. तलाशी में मिले तथ्यों से लगता है कि समूह शराब से अर्जित आय को छिपाने में लगा हुआ है.

ये भी धंधा है झारखंड में 10 से 15 रुपये प्रति सैकड़ा की दर से मिलता है उधार पैसा

2.75 लाख सूदखोर, सूद से सालाना कमाई 19 करोड़

रवि भारती।रांची

झारखंड में सूदखोरी का धंधा जोरों पर है. प्रदेश में लगातार सूदखोरों की संख्या में वृद्धि हो रही है. पांच साल पहले झारखंड में सूदखोरों की संख्या 1.50 लाख थी, जो अब बढ़ कर 2.75 लाख हो गई है. यानी पांच साल में सवा लाख सूदखोरों की संख्या बढ़ गई है. सूद से सालाना कमाई 18.70 करोड़ रुपए से अधिक होती है. इसका खुलासा झारखंड सरकार के लिए आर्थिक और सामाजिक स्थिति का सर्वे कर रही एक टीम ने किया है. जल्द ही यह रिर्पोट राज्य सरकार जारी करेगी. झारखंड में सूदखोर से 15 से 20 फीसदी की दर से सूद पर पैसा लगाते हैं. कहीं कहीं यह दर 10 फीसदी भी है. यह पैसा सूदखोर लोग व्यवसाय से जुड़े लोगों को देते हैं. इसके अलावा इनके मकड़जाल में नौकरी पेशा वाले भी फंस जाते हैं. सूदखोर पैसे देने की एवज में साइन किया हुआ चेकबुक और एटीएम कार्ड रख लेते हैं. सूद नहीं चुकानेवाले लोगों का ये वेतन तक निकाल लेते हैं.

जमशेदपुर, हजारीबाग और धनबाद में सबसे ज्यादा सूदखोर

झारखंड में सबसे ज्यादा सूदखोरों की संख्या जमशेदपुर, हजारीबाग और धनबाद में है. जमशेदपुर में सबसे ज्यादा 35 हजार लोग सूद पर पैसे लगाते हैं. हजारीबाग में 26 हजार और धनबाद में लगभग 23 हजार लोग सूद पर पैसा लगाते हैं. इसके अलावा पलामू, चतरा, साहिबगंज, देवघर में 15 हजार से अधिक लोग सूद में पैसा लगाते हैं.

20 लाख लोगों के पास इनकम का कोई साधन नहीं

पता चला है कि सूदखोरी की सबसे बड़ी वजह यह है कि झारखंड में 20 लाख से अधिक लोगों के पास इनकम का कोई साधन नहीं है. अपने व्यवसाय के लिए इन्हें सूदखोरों की शरण में जाना पड़ता है. वहीं 70 से 80 हजार लोग किराए के पैसे से अपनी आजीविका चला रहे हैं.

क्या कहता है कानून

सूद पर पैसा देनेवालों को मनी लेंडर्स एक्ट के तहत लाइसेंस लेना अनिवार्य है. लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, ब्याज का धंधा करने के लिए मनी लेंडिंग एक्ट के तहत सरकारी संस्था से लाइसेंस लेना पड़ता है. इसके तहत प्राधिकृत संस्था ब्याज पर पैसे देने का काम करने वाले लोगों को लाइसेंस देती है. अगर ब्याज पर पैसे बांटने का काम कर रहे हैं या करना चाहते हैं, तो लाइसेंस की अनिवार्यता होती है. इसके बिना ब्याज पर रकम बांटने का धंधा गैरकानूनी होता है.

हजारीबाग में 4 युवकों की दम घुटने से मौत, 3 गंभीर

संवाददाता।हजारीबाग

दुखद घटना

- अंगीठी जला कर एक कमरे में सो रहे थे सभी युवक
- बिहार के बक्सर जिले के रहनेवाले थे सभी युवक

कटकमदाग थाना क्षेत्र के सिरसी स्थित कुसुमटोला में बीती रात काल बन कर आई. चार युवकों की दम घुटने से मौत हो गई. वहीं, तीन की गंभीर है. इनका अस्पताल में इलाज चल रहा है. सभी मृतक बिहार के बक्सर के थे. वहीं, घायलों में दो बक्सर व एक बेगूसराय जिले का रहने वाला है.

मृतकों की पहचान गोलपुर सिंघरौल के राकेश (20), बाराडीह के अखिलेश सिंह (21), बसवां कला जिगना के प्रिंस (20) व बसवां कला के अरमान अली (20) के रूप में हुई है. वहीं घायलों में बेगूसराय के रोहित (24) और बक्सर के सलमान (19) व राकेश (22) शामिल हैं. सभी युवक रॉयल हेल्थ इंडिया नेटवर्किंग कंपनी में काम करते थे. इन मौतों के बाद मुहल्ले में सनसनी है. काम करने वाले सभी नौ युवक कुसुमटोला स्थित राहुल राम के मकान में किराए पर एक साथ रह रहते थे. रात में ठंड अधिक होने से कोयले की अंगीठी जलाकर जमीन पर सोए थे. इसी बीच धुंआ फैलता गया और घर में भर गया. इससे चार लड़कों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. इधर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने उस कमरे को सील कर दिया है.

ब्रीफ खबरें

राज्यपाल से मिले आईएचएम के प्राचार्य

रांची। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने राज्यपाल सीपी. राधाकृष्णन के साथ शिष्टाचार मुलाकात की और क्रिसमस और नव वर्ष की शुभकामनाएं दी. प्राचार्य ने राज्यपाल को संस्थान की उपलब्धियां साझा की. मुलाकात के दौरान मडुआ आधारित विभिन्न प्रकार की रेसिपी पुस्तक मडुआ कुकीज फ्रॉम हिड्डन ट्रेजर ऑफ झारखंड, हेलो लाइफ मैगजीन और विद्यार्थियों द्वारा तैयार केक व अन्य बेकरी उत्पाद भी सप्रेम भेंट दी.

भाजपा महिला मोर्चा की सोशल मीडिया कार्यशाला

रांची। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में महिला मोर्चा के सोशल मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में मोदी सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाई जा रही योजनाओं को सोशल मीडिया के जरिये महिलाओं तक पहुंचाने को लेकर चर्चा हुई. मोर्चा की पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया. कार्यक्रम में आशा लकड़ा मौजूद थीं. उन्होंने कहा कि समय के साथ काम करने और लोगों से जुड़ने का तरीका बदलता जा रहा है.

आरयू के विद्यार्थी को 7 लाख का पैकेज

रांची। रांची विश्वविद्यालय के आईएएएस के छात्र रणदीप सिंह संधू का 7 लाख के पैकेज पर प्लेसमेंट हुआ है. रणदीप का चयन अलाइट सॉल्यूशंस में हुआ है. एमिटी यूनिवर्सिटी में पिछले दिनों प्लेसमेंट ड्राइव लगा था. रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने छात्रों को बधाई दी और कहा कि हम रणदीप की सफलता से खुश हैं, और यह उपलब्धि हमारे छात्रों की क्षमता को दर्शाती है. यह कठोर शैक्षणिक मानकों और जोर देने का प्रमाण है. हम रांची विश्वविद्यालय में समग्र विकास पर ध्यान दे रहे हैं.

आदिवासी शोध और लेखन पर हुई चर्चा

रांची। राजकमल प्रकाशन समूह और डॉ. रामदयाल मुंडा, जनजातीय कल्याण शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किताब उत्सव का गुरूवार को चौथे दिन था. उत्सव के पहले सेशन सत्र में झारखंड के गौरव विचारक-कथाकार डॉ. रामदयाल मुंडा पर केंद्रित था. इस सत्र में आदिवासी विमर्श की चिंतक गुंजल इकर मुंडा, मोनिका रानी टूटी, डॉ. संजय बसु मल्लिक ने उनके जीवन और व्यक्तित्व पर वक्तव्य दिया. सत्र की पहली वक्ता मोनिका रानी टूटी रही.

भू-बंदोबस्त ताईद व रैयत संघ ने शोकसभा की

रांची। भू बंदोबस्त ताईद व रैयत संघ के अनुसेवक पर कार्यरत बहादुर सिंह देवगम का आकस्मिक निधन 18 दिसंबर को हुआ था. संघ के सचिव जाकिर अंसारी ने कहा कि इस पर भू-बंदोबस्त ताईद व रैयत संघ रांची, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी के पदधारियों व सदस्यों ने शोकसभा कर उनकी आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की.

जमशेदपुर के निर्दलीय विधायक सरयू राय ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की, वार्ता में कहा-

'आपाधापी में लिया गया जमशेदपुर को औद्योगिक नगरी घोषित करने का निर्णय'

प्रमुख संवाददाता। रांची

जमशेदपुर से निर्दलीय विधायक सरयू राय ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की. राज्यपाल से वार्ता के दौरान सरयू राय ने कहा कि राज्य सरकार ने जमशेदपुर को औद्योगिक नगरी घोषित करने का निर्णय आपाधापी में लिया है. उस मसले पर उन्होंने राज्यपाल को स्मार पत्र भी सौंपा. सरयू राय ने बताया कि राज्यपाल ने इस मसले पर कहा है कि सरकार स्पष्टीकरण मांगेंगे. यदि कुछ भी नियम के विरुद्ध और जनहित के खिलाफ हुआ है, तो उस पर कार्रवाई करने का निर्देश भी देंगे.

विधानसभा को निर्णय से अवगत कराना बाध्यकारी

राय ने बताया कि जब विधानसभा का सत्र आहूत हो जाता है अथवा सत्र आरंभ हो जाता है, तो उस अवधि में यदि सरकार कोई नीतिगत निर्णय लेती है, तो उस निर्णय से विधानसभा को अवगत कराना सरकार के लिए बाध्यकारी है. जमशेदपुर को औद्योगिक नगरी घोषित करने का सरकार के मंत्रिपरिषद का निर्णय विधानसभा का वर्तमान शीतकालीन सत्र आरंभ होने के बीच में किया गया, परंतु सरकार ने इसे सदन पटल पर नहीं रखा. मेरे द्वारा सदन को सूचित किये जाने के बाद भी सरकार ने कैबिनेट का यह निर्णय सदन में नहीं रखा, जो सरकार के असंवैधानिक आचरण को द्योतक है. मंत्रिपरिषद के निर्णय और उसकी अधिसूचना में सरकार ने कहा है कि जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के 16 वार्डों को औद्योगिक नगरी में शामिल किया जाएगा, जो बस्तियां टाटा लीज क्षेत्र से बाहर है, उनमें सुविधाएं देने के लिए 'राईट ऑफ वे' का शुल्क लिया जाएगा. यह सरकार द्वारा 2005 में टाटा-लीज नवीकरण समझौता के प्रावधान के विपरीत है.

औद्योगिक नगरी घोषित करने के लिए राज्यपाल अधिकृत

सरयू राय ने राज्यपाल को बताया कि किसी भी शहर को पूर्णत: या आंशिक रूप से औद्योगिक नगरी घोषित करने के लिए संविधान ने राज्यपाल को अधिकृत किया है. यदि कोई निजी या सरकारी संस्थान किसी शहर में पूर्णत: या अंशत: नागरिक सुविधाएं देना चाहती है, तो उस इलाके के क्षेत्रफल को देखते हुए राज्यपाल उसे औद्योगिक नगरी घोषित कर सकते हैं, लेकिन झारखंड की सरकार ने राज्यपाल को विश्वास को लेना तो दूर उन्हें सूचित किये बिना मंत्रिपरिषद से जमशेदपुर में औद्योगिक नगर समिति गठित करने का निर्णय ले लिया है और उसका अधिसूचना भी प्रकाशित कर दिया, जो कि संविधान के अनुच्छेद-243 क्यू के विरुद्ध है.

चीफ जस्टिस को दिया फेयरवेल, हाईकोर्ट में हुआ भव्य कार्यक्रम

समय की पाबंदी इंसान को बेहतर बनाती है : जस्टिस संजय मिश्र

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र को महाधिवक्ता कार्यालय की ओर से फेयरवेल दिया गया. गुरुवार को हाईकोर्ट के परिसर में चीफ जस्टिस को सम्मान विदाई दी गई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई. कार्यक्रम में हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश, महाधिवक्ता राजीव रंजन, हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता, स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष, काउंसिल के सदस्य एडवोकेट एसो. के अध्यक्ष, महासचिव, सदस्य समेत अपर महाधिवक्ता व महाधिवक्ता कार्यालय के सभी अधिवक्ता समेत हाईकोर्ट के सभी अधिवक्ता मौजूद रहे. मौके पर चीफ जस्टिस ने कहा कि उन्हें अपने कार्यकाल में सभी साथी जजों और महाधिवक्ता कार्यालय समेत पूरे बार का सहयोग मिला. मैंने झारखंड के मुख्य न्यायिक सेवक के रूप में झारखंड की सेवा की. उन्होंने युवा वकीलों को यह सलाह दी कि समय की पाबंदी इंसान को बेहतर बनाती है.

महाधिवक्ता कार्यालय में फेयरवेल के दौरान चीफ जस्टिस व अन्य.

महाधिवक्ता ने चीफ जस्टिस के फेयरवेल के मौके पर कहा कि झारखंड के सभी लोग जस्टिस संजय मिश्रा के कार्यकाल को याद रखेंगे. वहीं हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय, सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एस चंद्रशेखर ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि नए हाईकोर्ट के भवन के लिये चीफ जस्टिस संजय कुमार द्वारा किया गया, कार्य हमेशा याद रखा जाएगा और यह पहली बार हो रहा है कि चीफ जस्टिस की विदाई के मौके पर महाधिवक्ता कार्यकाल की ओर से फेयरवेल दिया जा रहा है और इस तरह की परंपरा शुरू किया जाना काफी सराहनीय है.

हाईकोर्ट ने डीजीपी को दिया एसआईटीगठित करने का निर्देश

रांची। जमशेदपुर बार घोटाला की जांच के लिए दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने डीजीपी को यह निर्देश दिया है कि मामले की जांच के लिए वह एक एसआईटी का गठन करें. इस एसआईटी में एक आईजी रैंक के पुलिस पदाधिकारी, एक डीएसपी रैंक के पुलिस पदाधिकारी और एक इंस्पेक्टर रैंक के पुलिस पदाधिकारी शामिल रहेंगे. इसके साथ ही अदालत ने जमशेदपुर बार की वित्तीय शक्तियां इस्तेमाल करने के लिए एक प्रशासक नियुक्त करने का निर्देश दिया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की बेंच में हुई.

एनोस एक्का की बेल रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका

रांची। पूर्व मंत्री और पारा टीचर मनोज कुमार हत्याकांड के दोषी एनोस एक्का की जमानत को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है. मृतक के भाई और केस के सूचक संजय कुमार ने हाईकोर्ट में अपने अधिवक्ता अभय मिश्रा के माध्यम से क्रिमिनल मिसलिनियस पिटीशन (सीआरएमपी) दाखिल कर कोर्ट से यह गुहार लगायी है कि एनोस एक्का की जमानत रद्द की जाए. अपनी याचिका में संजय कुमार ने कहा है कि एनोस एक्का को हाईकोर्ट ने इस शर्त पर जमानत दी थी कि वह अपना पासपोर्ट कोर्ट में जमा करेंगे और गवाहों को परेशान नहीं करेंगे.

आपकी बात

"स्वस्थ रहने के लिए योग प्रतिदिन करें. इससे आप निरोग रहने के साथ-साथ तरोताजा महसूस करेंगे."

नाम : चंद्रलता वर्णवाल
पद : योग प्रशिक्षक
जन्मस्थल : डोमचांच, कोडरमा
कार्यक्षेत्र : कोडरमा

चंद्रलता वर्णवाल का जन्म 1971 में कोडरमा जिले के डोमचांच प्रखंड में हुआ था. उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा डोमचांच के चंद्रवाती स्मारक हाई स्कूल से की. इसके बाद जेजे कॉलेज से इंटरमीडिएट साइंस और बॉटनी प्रतिष्ठा से स्नातक की डिग्री हासिल की. चंद्रलता वर्णवाल को योग और समाजसेवा में काफी रूचि थी. वह वर्ष 2002 से ही पतंजलि से जुड़ी हैं. उनके अच्छे कार्य को देखते हुए वर्ष 2014 में उन्हें पतंजलि के विंग भारत स्वाभिमान ट्रस्ट का कोडरमा जिला मंत्री बना दिया गया. वह अभी प्रतिदिन लोगों को निःशुल्क योग सिखाती हैं. वह कहती हैं कि अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो योग प्रतिदिन जरूर करें. इससे आप निरोग रहने के साथ-साथ अंदरूनी ताजगी भी महसूस करेंगे. चंद्रलता वर्णवाल समाज में बढ़-चढ़ कर लोगों को योग के प्रति जागरूक करती रहती थी. इतना ही नहीं विभिन्न शिक्षण संस्थानों के अलावा अन्य सामुदायिक जगहों पर योग प्रशिक्षण भी देती हैं.

इंडिया के बैनर तले आज राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन

पत्रकारों को जानकारी देते इंडिया घटक दलों के नेतागण.

प्रमुख संवाददाता। रांची

खास बातें

- भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के ऑफिस में हुई बैठक
- बैठक की अध्यक्षता झामुमो के मुश्ताक अंसारी ने की

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कार्यालय में इंडिया घटक दलों की बैठक का आयोजन किया गया. बैठक की अध्यक्षता झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुश्ताक अंसारी ने की. बैठक में नेताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लगातार लोकतंत्र की गला घोट रही है. मोदी सरकार के हाथों लोकतंत्र संविधान अब तो देश की संसद भी सुरक्षित नहीं है. भाजपा ने संसद से 151 सांसदों को निलंबित कर दिया. यह लोकतंत्र की हत्या है. देश में आपातकाल की स्थिति है. सदन में जबरदस्ती गैर कानूनी सभी फैसले लिए जा रहे हैं. गैर संवैधानिक तरीके से देश के विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई की जा रही है.

लोकतंत्र की रक्षा के लिए सड़क पर उतरेगा इंडिया : बैठक में तय किया गया कि गठबंधन इंडिया की तरफ से मजबूत तरीके से लोकतंत्र देश की हिफाजत के लिए संविधान को बचाने के लिए सड़कों पर उतरेंगे. 22 दिसंबर को रांची जिला स्कूल के मैदान से आक्रोश मार्च जो राजभवन तक जाएगा और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा. बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, कांग्रेस के महासचिव सुरेंद्र सिंह, भाकपा के प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक, अजय कुमार सिंह, राकेश किरण महतो, झामुमो के जिलाध्यक्ष मुश्ताक अंसारी, जिला सचिव हेमलाल महतो, माले के भुवनेश्वर केवट, राजेश यादव, आम आदमी पार्टी के अविनाश नारायण, संतोष कुमार रजक, जेडीयू के सागर कुमार, टीएमसी के संजय कुमार पांडे, तेतर महतो, विनोद लहरी, सुरेंद्र सिंह, जोगेंद्र सिंह बेनी ,समीर दास, नागेंद्र चौधरी ,उदयभान सिंह, धर्मेंद्र महतो आदि कई लोग उपस्थित थे.

पलामू के उपायुक्त 2 हफ्ते में लें अपना निर्णय : हाईकोर्ट

रांची। पलामू जिला प्रशासन द्वारा धीरेंद्र शास्त्री उर्फ बागेश्वर बाबा का कार्यक्रम स्थगित करने के आदेश के खिलाफ दाखिल याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई में अदालत ने पलामू डीसी को निर्देश दिया है कि वे कथा आयोजन समिति के आवेदन को दो सप्ताह में निष्पादित करें, अन्यथा अदालत उनपर 25 हजार का जुर्माना लगाएगा. साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने की छूट प्रदान की है. अब हाईकोर्ट इस मामले में 5 जनवरी को सुनवाई करेगा. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में हुई. इस संबंध में दीना राम की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है.

याचिका के कहा गया है कि बागेश्वर बाबा के कार्यक्रम के आयोजन के लिए शुरुआत में अनुमति दी गई थी. लेकिन बाद में यह कहकर अनुमति रद्द कर दी गई कि कार्यक्रम से अमानत नदी प्रदूषित होगी. पलामू में बाबा बागेश्वर धाम का कार्यक्रम 10 से 15 फरवरी के बीच निर्धारित किया गया है. अदालत से यह मांग की गई है कि कार्यक्रम के आयोजन की मंजूरी दी जाए. इस कार्यक्रम की संयोजक मेदिनीनगर की पहली मेयर अरुणा शंकर हैं.

CLASSIFIED

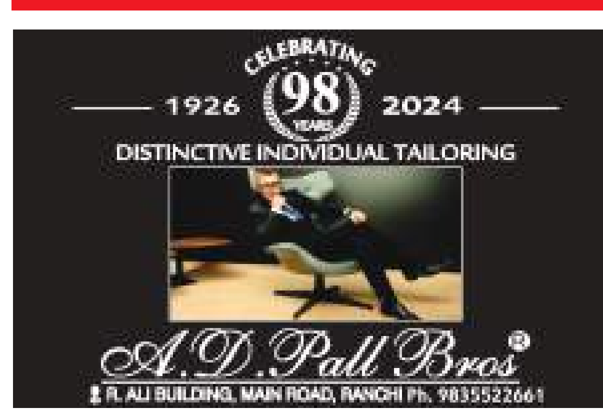

सुबह में कोहरा के बाद आंशिक बादल छाए रह सकते हैं

सूबे के लोगों को शीतलहर से मिल सकती है राहत, चतरा का न्यूनतम पारा 5.2 डिग्री से.

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में आने वाले दिनों में शीतलहर से राहत मिलने का अनुमान है. शुक्रवार से न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री से. की वृद्धि हो सकती है. इससे कनकनी से थोड़ी राहत मिलेगी. आने वाले पांच दिनों में तापमान में ज्यादा अंतर नहीं देखने को मिलेगा. सुबह में कोहरा के बाद में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं और मौसम शुष्क रहने का अनुमान है. पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा. सबसे अधिक उच्चतम तापमान 26.2 डिग्री से. चाईबासा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री से. चतरा में दर्ज किया गया. गुमला में न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री से. दर्ज किया गया. रांची के कांके इलाके में 4.2 डिग्री से. तापमान दर्ज किया गया. पिछले 24 घंटे में रांची के न्यूनतम तापमान में 1.3 डिग्री से. की वृद्धि दर्ज की गई. राज्य में 10 जिलों का न्यूनतम पारा 10 डिग्री से. के नीचे पहुंच चुका है.

जानें प्रमुख शहरों का तापमान (डिग्री सेल्सियस में)

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	21.6	10.4
जमशेदपुर	26.0	10.7
मेदिनीनगर	24.0	7.9
बोकारो थर्मल	21.1	8.5
चाईबासा	26.2	8.6
देवघर	23.9	11.2
गिरिडीह	24.0	11.1
गढ़वा	22.4	9.3
रामगढ़	22.9	8.5
गोड्डा	25.6	9.3

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शुक्रवार, 22 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 10, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 245 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

ब्रीफ खबरें

हाईकोर्ट ने खारिज की प्रेम प्रकाश की याचिका

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी प्रेम प्रकाश की डिस्चार्ज याचिका पर हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है. ईडी द्वारा लगे आरोपों के खिलाफ प्रेम प्रकाश ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है. जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया. इससे पहले निचली अदालत भी प्रेम प्रकाश की डिस्चार्ज पिटीशन खारिज कर चुका था, जिसे उसने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी. बता दें कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंकज मिश्रा पर 4 जून को केस दर्ज किया था. उसपर साहिबगंज जिला के बरहरवा थाना में वर्ष 2020 में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी. इसके तहत उन्हें अभियुक्त बनाया गया है. इस मामले में ईडी ने शंभु नंद कुमार का बयान भी दर्ज किया था. शंभु ने ईडी को दिये अपने बयान में राज्य के कैबिनेट मंत्री आलमगीर आलम का नाम लिया था.

क्रिसमस से पहले दिया जाएगा कर्मियों को वेतन

रांची। क्रिसमस को देखते हुए हेमंत सरकार ने दिसंबर माह का वेतन 21 दिसंबर से देने का निर्देश दिया है. इस के बाद वित्त विभाग ने सभी कोषागारों को पत्र जारी किया है. इसमें निर्देश है कि सभी सरकारी अफसरों व कर्मियों को 21 से वेतन जारी हो. पत्र में कहा गया है कि सचिवालय, राजभवन, विधानसभा सचिवालय, हाईकोर्ट के कर्मचारी, विभिन्न जिलों में कार्यरत सभी अफसरों एवं कर्मचारियों को वेतन जारी किया जाये.

बोकारो-कोडरमा जेल की सुरक्षा होगी कड़ी

रांची। बोकारो और कोडरमा जेल की सुरक्षा मजबूत होगी. गृह कारा विभाग ने 2.03 करोड़ की राशि मंजूर की है. इससे दोनों जिलों के जेल में वॉच टॉवर, दीवार, कक्षपाल बैरक समेत अन्य कार्य होगा. 1.36 करोड़ से बोकारो के तेनुघाट उप कारा और 66.82 लाख से कोडरमा जेल में निर्माण कार्य होगा. तेनुघाट उपकारा में वॉच टॉवर की मरम्मत, कक्षपाल बैरक एक, कक्षपाल बैरक नंबर दो, बैरक तीन, दीवानी वार्ड की मरम्मत कार्य किया जाएगा.

अमन सिंह हत्याकांड : जेल से बरामद मोबाइल उगलने लगे राज

एटीएस के हत्थे चढ़ा गुड्डू

जेल के वार्ड नंबर तीन में बजरंगी, गांधी के साथ बंद दानिश के मोबाइल से गुड्डू की लगातार हुई थी बातचीत

जमीन कारोबारी लाला हत्याकांड का नामजद आरोपी है गुड्डू उर्फ इम्तियाज

संवाददाता। धनबाद

धनबाद जेल में बंद यूपी के शूटर अमन सिंह हत्याकांड के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने जेल में जब्त मोबाइलों पर पड़ताल शुरू कर दी है. मोबाइलों की पड़ताल के बाद वासेपुर रहमतगंज के रहने वाले इम्तियाजुद्दीन उर्फ गुड्डू को एटीएस ने दबोचा लिया है. गुड्डू जमीन कारोबारी लाला हत्याकांड में नामजद आरोपी है और कई सालों से पुलिस की पकड़ से फरार चल रहा था.

जेल के अंदर से बात करने में ट्रेस हुआ गुड्डू : खबर ये है कि अमन सिंह हत्याकांड में पूरे वारदात को अंजाम देने की रणनीति जेल के वार्ड नंबर तीन से बनी थी. इस वार्ड में विकास बजरंगी, सतीश गांधी समेत कई अन्य लोग कैद थे. इनमें से ही एक है दानिश खान, जो जमीन कारोबारी लाला हत्याकांड के मुकदमे जेल में बंद है. जेल के अंदर मोबाइल पर खुलकर बातचीत होती थी. वाट्सअप, फेसबुक समेत कई अन्य सोशल मीडिया के एप से बात होती थी जबकि कई लोग सिम के द्वारा भी जेल के बाहरी दुनिया से जुड़े थे. इनमें दानिश भी शामिल था. अमन सिंह की हत्या से पहले दानिश और गुड्डू के बीच बातचीत मोबाइल पर लगातार बातचीत हुई थी. इसी मोबाइल के आधार पर एटीएस की टीम ने इम्तियाज को ट्रेस किया और गुरुवार को सर्वमंगला अस्पताल परिसर से दबोच लिया. इम्तियाज उर्फ गुड्डू भी जमीन कारोबारी लाल हत्याकांड का नामजद अभियुक्त है. गुड्डू कई सालों से पुलिस की गिरफ्त से बचा हुआ था और पुलिस को लगातार चकमा देने में कामयाब था. लेकिन जब जेल से बरामद मोबाइलों को एटीएस ने खंगालना शुरू किया तो दानिश के मोबाइल के काल डिटेल में गुड्डू की जानकारी हाथ लगी. पुलिम मोबाइल लोकेशन के आधार पर उसे ट्रेस करने लगी. इसके बाद गुरुवार को दिन करीब डेढ़ बजे गुड्डू अपनी पत्नी को लेकर सर्वमंगला नर्सिंग होम आया था. जहां से पुलिस ने उसे दबोच लिया. फिर पुलिस उसे तत्काल वहां से लेकर राजगंज थाना ले गई.

देर शाम वासेपुर में शुरू हुई छापेमारी

राजगंज में गुड्डू से पूछताछ के बाद देर शाम पुलिस की टीम वासेपुर आ धमकी. वासेपुर के नूरी मस्जिद इलाके में सिटी एसपी अजीत कुमार दलबल के साथ पुलिस टीम छापेमारी कर रही है. यहां पुलिस को लाला हत्याकांड और अमन सिंह हत्याकांड के मामलों में कई संदेहियों की तलाश है. एटीएस रांची और धनबाद पुलिस टीम दोनों मिलकर छापेमारी कर रही है. हालांकि गुड्डू को पकड़े जाने के खबर वासेपुर में खबर फैल चुकी थी. इस कारण पुलिस को देर शाम कोई कामयाबी नहीं मिल पाई थी.

पप्पू पाचक का भाई है इम्तियाज उर्फ गुड्डू

इम्तियाज उर्फ गुड्डू के बारे में बताया जा रहा है कि वह पप्पू पाचक का छोटा भाई है. पप्पू पाचक को भी गैंगवार में गोलियां मारी गई थी. पप्पू पाचक पर जून 2017 में पुराना बाजार में ईद की चांद रात को खरीदारी करते समय गोलियां बरसाई गई थीं. हालांकि तब वह बच गया था, लेकिन बाद में इस गोलीबारी के जख्मों से कभी ठीक नहीं हो सका और उसकी मौत हो गई.

लाला हत्याकांड में आरोपी है गुड्डू

जमीन कारोबारी लाला खान की हत्या मई 2021 को वासेपुर में हुई थी. जब्बार मस्जिद के समीप लाला उर्फ सरफुल हसन को बाइक सवार अपराधियों ने गोली मार दी थी. जिससे उसकी मौत हो गई थी. इस वारदात में मिस्टर खान, उसके भाई गुड्डू समेत कई अन्य आरोपी अभियुक्त बनाए गए थे. इनमें से गुड्डू फरार चल रहा था. जिसे गुरुवार को एटीएस रांची ने दबोच लिया.

हत्याकांड में कनेक्शन खंगालेगी पुलिस

धनबाद जेल के वार्ड नंबर तीन में कैद रहने वाले दानिश और गुड्डू के बीच होने वाली बातचीत का क्या मकसद था, ये जानना पुलिस के लिए काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पुलिस अमन सिंह हत्याकांड में इन दोनों के बीच का कनेक्शन खंगालने का काम कर रही है. क्योंकि जेल में पिस्टल पहुंचने की सच्चाई अभी तक पुलिस से दूर है. इस कारण पुलिस को पूछताछ करनी है.

प्रिंस खान ने फिर मांगी एक करोड़ की रंगदारी

धनबाद पुलिस के लिए सिरदर्द बने प्रिंस खान ने फिर रंगदारी मांगी है. इस बार सर्वमंगला नर्सिंग होम के डायरेक्टर हरदेव प्रसाद को मोबाइल पर मैसेज कर एक करोड़ रुपये की मांग की है. नहीं देने पर बुरे परिणाम की धमकी दी है. इस मामले की शिकायत हरदेव प्रसाद ने बरवाअड्डा थाने में की है. साथ ही एसएसपी धनबाद को शिकायत देक जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है. शिकायत के बाद पुलिस की एक टीम सादे लिबास में सर्वमंगला नर्सिंग होम में लगाई गई है.

सरकार आपके द्वार का जिला स्तरीय कार्यक्रम आज

सीएम आज धनबाद में

- **नए समाहरणालय, पार्क, जलापूर्ति सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं का करेंगे उद्घाटन**

संवाददाता। धनबाद

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार का जिला स्तरीय कार्यक्रम में शुक्रवार को दोपहर एक बजे के करीब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शिरकत करेंगे. कार्यक्रम का आयोजन बलियापुर हवाई पट्टी में आयोजित किया जाएगा. इसे लेकर जिला स्तर पर सभी तरह की तैयारी पूरी कर ली गई है. मुख्यमंत्री, जिले में पूरी हो चुकी योजनाओं के उद्घाटन के साथ कई नई योजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे. लाभुकों के बीच परिसंपति का वितरण करेंगे. आधिकारिक सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री, सिंदरी में 1 करोड़ की लागत से बने खेल मैदान सह पार्क, 74 करोड़ की लागत से पूरा हो चुके बलियापुर मेगा ग्रामीण जलापूर्ति योजना फेज2, बरवाअड्डा में 30 करोड़ की लागत से बने नए समाहरणालय भवन, 24 करोड़ की लागत से बने शंकरडीह - कमारडीह 2 लेन सड़क, 8 करोड़ की लागत से बने मुगमा - चिरकुंडा सड़क सहित कई अन्य योजनाओं का उद्घाटन करेंगे. इसके अलावा 45 करोड़ की लागत से बनने वाले झरिया - बलियापुर 4 लेन सड़क, 12 करोड़ की लागत से बाबूडीह विवाह भवन से 8 लेन तक बनने वाली सड़क सहित कई पुल पुलिया एवं अन्य योजनाओं का शिलान्यास कर सकते हैं.

आईपीएल स्टार मिंज ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

रांची। उभरते हुए क्रिकेट खिलाड़ी रॉबिन मिंज ने गुरुवार को विधानसभा परिसर में सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की. सीएम ने रॉबिन को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. साथ ही मिठाई खिला कर उनका हौसला बढ़ाया. गुमला के रहने वाले रॉबिन मिंज आदिवासी समुदाय के उभरते हुए क्रिकेट खिलाड़ी हैं. आईपीएल ऑक्शन 2024 में गुजरात टाइटंस फ्रेंचाइजी ने रॉबिन मिंज को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपनी टीम में शामिल किया है.

सारंडा में नक्सलियों का जमावड़ा

खास बातें

- संगठन का विस्तार करने के लिए सक्रिय हैं नक्सली

बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी में

नक्सलियों की फाइल फोटो

संवाददाता। किरीबुरु

सारंडा जंगल में नक्सलियों की भारी सक्रियता ने ग्रामीणों व पुलिस-प्रशासन की परेशानी बढ़ा दी है. ये नक्सली छोटानागरा थाना व दीघा क्षेत्र के घने जंगलों में सक्रिय हैं. ज्यादा सक्रियता कुमडीह और रांगरिंग के बीच जंगल एवं बालिबा, मारंगपोंगा, उसरुईया, होलोंगउली व बाबूडेरा के जंगलों में है.

नक्सलियों के दस्ते में कई बड़े नक्सली नेताओं के होने की बात बताई जा रही है. बाइक व अन्य माध्यमों से भी दूसरे क्षेत्र के जंगलों से नक्सली सादे ड्रेस में पहुंच रहे हैं. नक्सली सारंडा में धीरे-धीरे संगठन को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं. इससे एक बार पुनः सारंडा में पुलिस व नक्सलियों के बीच खूनी संघर्ष होने की संभावना बढ़ती जा रही है. पोड़ाहाट के टेबो थाना अन्तर्गत शंकरा के जंगलों में शरण लेने के दौरान हमारे संवाददाता से साक्षात्कार के दौरान 25 लाख के ईनामी नक्सली नेता संदीप दा (अब जेल में) ने कहा था कि हम सारंडा को छोडे. नहीं हैं, बल्कि सारंडा से फिलहाल पीछे हटे हैं. सारंडा को हम कभी छोड़ नहीं सकते हैं. संदीप की कही बात सत्य होती दिख रही है. ग्रामीणों का कहना है कि सारंडा से नक्सलियों को जब भगाया गया था, तब सरकार को सारंडा के अन्य क्षेत्रों में पुलिस-सीआरपीएफ कैंप की तरह मारंगपोंगा एवं तिरिलपोसी क्षेत्र के जंगलों में दो स्थायी पुलिस कैंप स्थापित करना था. लेकिन ऐसा न करना पुलिस की भूल साबित हो रहा है. इसी क्षेत्र का बड़ा जंगल पुलिस सुरक्षा से दूर है, जिसका लाभ नक्सलियों को मिल रहा है. छोटानागरा व गुवा सीमा के रास्ते ही नक्सली सारंडा व कोल्हान के जंगल में खुलेआम आना-जाना कर रहे हैं.

विजय हांसदा के घर पहुंची सीबीआई टीम ने की जांच

संवाददाता। साहिबगंज

जिले में अवैध खनन मामले में सीबीआई की जांच तीसरे दिन भी जारी रही. गुरुवार को सीबीआई की टीम 1000 करोड़ के अवैध खनन व मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में लगी ईडी के गवाह विजय हांसदा के केस की जांच करने के लिए साहेबगंज में कैंप कर रही है. सुबह ही सीबीआई की चार सदस्यीय टीम ने भवानी चौकी स्थित विजय हांसदा के घर पहुंच कर जानकारी हासिल की. इसके अलावा करीब एक घंटे तक गांव के लोगों से जानकारी ली. करीब आधा दर्जन ग्रामीणों को भी साथ लाया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है.

नींबू पहाड़ की दो खदानों की करायी गयी मापी : सीबीआइ की टीम बुधवार सुबह करीब 9:45 बजे सीबीआई की टीम में शामिल डीएमओ विभूति कुमार व अमीन के साथ नींबू पहाड़ पहुंची थी.यहां मौजूद दो अवैध खदानों की जांच की थी. पहली खदान की गहराई करीब 50 फीट थी. खदान के आसपास कोई बोर्ड भी नहीं लगा था. यहां पहुंचते ही सीबीआई के अधिकारियों ने मौजूद लोगों से सवाल किया कि ये खदान किसके नाम से है? टीम यहां करीब 30 मिनट तक रही और अमीन की मदद से इस खदान की मापी करायी. सीबीआईकी टीम ने खनन पदाधिकारी से इस बारे में पूरी जानकारी ली और दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा.

हुजूर मेन लाइन का थाना चाहिए...

- डीजी के निर्देश पर एसआरपी ने धनबाद रेल थानेदार का किया तबादला
- धनबाद रेल थाना प्रभारी बने रवि कुमार, संजय प्रसाद को धनबाद में नहीं लगता था मन

संवाददाता। धनबाद

हुजूर मेन लाइन का थाना चाहिए. साढ़े आठ महीने हो गए. यहां मन नहीं लग रहा है. मेन लाइन में चितरंजन, जामताड़ा, जसीडीह, साहिबगंज रेल थाना है. कहीं भी भेज दें. यह गुहार धनबाद रेल थाना में पदस्थापित संजय प्रसाद प्रभारी रेल डीजी सह-एडीजी टी कंडास्वामी से लगा रहे थे.

रेल डीजी ने धनबाद रेल थानेदार को कहा कि धनबाद रेल जिला पुलिस क्षेत्र का हेडक्वार्टर है और यहां मन नहीं लग रहा है. मेन लाइन में पहले रह चुके हो, वहां से गुजरने वाली ट्रेनों में नशीले पदार्थों की काफी तस्करी होती है. वहां दोबारा तुम्हें नहीं भेज सकते. ऐसा करो नक्सल प्रभावित क्षेत्र चले जाओ, उस क्षेत्र का भी तुम्हें अनुभव होना चाहिए.

कोडरमा रेल थाना प्रभारी का टर्म पूरा हो चुका है. कोडरमा रेल थानेदार रवि कुमार को धनबाद भेज देते हैं और तुम्हें धनबाद से कोडरमा तबादला कर देते हैं. फिर डीजी के निर्देश पर एसआरपी मनोज स्वर्गियारी ने धनबाद रेल थाना प्रभारी संजय प्रसाद का कोडरमा रेल थाना तबादला कर दिया. इसके अलावा एक दर्जन जमादार का भी एक थाना से दूसरे रेल थाना में तबादला किया गया है.

कभी-कभी जाते थे थाना और फोन भी नहीं करते थे रिसीव

रेल पुलिस के अनुसार 28 मार्च 2023 में पूर्व रेल थाना प्रभारी अमरजीत प्रसाद का हर्ट अटैक से मौत के बाद अप्रैल के प्रथम सप्ताह में ही जसीडीह से धनबाद रेल थाना प्रभारी के पद पर संजय प्रसाद का तबादला कर दिया. अप्रैल से दिसंबर तक साढ़े आठ माह में कभी कभार ही रेल थाना आते-जाते थे. कभी सुबह तो कभी दोपहर या शाम को आते-जाते थे. उनका कोई समय नहीं था कि कब थाना जाएं और ड्यूटी करें. थाना में तैनात पुलिसकर्मियों को दिशा-निर्देश या केस से संबंधित जानकारी प्राप्त करें. अधिकतर काम पर फोन पर ही करने का आदेश थाना को पुलिसकर्मियों को देते थे. इसकी जानकारी नए रेल एसपी मनोज स्वर्गियारी व रेल डीजी टी कंडास्वामी को लग गई. कई बार घटना के बाद फोन करने पर फरियादी से लेकर वरीय पदाधिकारियों का भी फोन रिसीव नहीं करते थे. विभाग के अधिकतर पुलिसकर्मी व अधिकारी संजय प्रसाद की कार्यशैली से नाराज थे.

स्थिति बदतर फांकाकशी में कट रहे हैं प्रवासी मजदूरों के दिन, कहीं नहीं हुई सुनवाई

सऊदी अरब में फंसे मजदूरों ने फिर लगाई गुहार

संवाददाता। हजारीबाग/बेरमो

07 माह काम करा मात्र दो माह का दिया वेतन

सऊदी अरब में फंसे झारखंड के 45 मजदूरों का स्थिति बदतर होती जा रही है. उनके भूखों मरने की नौबत है. वहां के भारतीय दूतावास ने उन्हें तीन दिन तक खाना-पीना मुहैया कराया और फिर उसने भी हाथ खड़े कर दिए. इधर ठेका कंपनी ने मजदूरों की रसोई में ताला जड़ दिया. सभी मजदूर सऊदी अरब में कंपनी कॉमर्शियल टेक्नोलॉजी के ट्रांसमिशन लाइन में काम कर रहे थे. त्रासदी झेल रहे मजदूरों ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर वतन वापसी की गुहार लगाई है. उनकी वापसी के लिए मांडू विधायक जयप्रकाश भाई पटेल ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है. सभी मजदूर ठेके पर काम करने सऊदी अरब गए थे. इसके लिए मजदूरों ने बतौर कमीशन बिचौलिये को 55 हजार भुगतान किए थे. लाइनमैन को 1500 रियाल और हेल्पर को 1100 रियाल भुगतान करने को कहा गया था. ओवर टाइम का 750 रियाल देने का करार था. खाने के लिए अलग से 300 रियाल दिए जाने की बात थी. पर मजदूरों से वादाखिलाफी कर उन्हें सात महीना काम करने के बाद महज दो महीने की मजदूरी उन्हें दी गई.

हजारीबाग, बोकारो व गिरिडीह के 45 मजदूरों ने फिर डाली फोटो.

इन जगहों के मजदूर सऊदी अरब में फंसे हैं

फंसे मजदूरों में गिरिडीह के बगोदर प्रखंड के तारानारी के अर्जुन महतो, भगीरथ, संतोष साव, महेश व कामेश्वर साव, खेतको के महेश, रीतलाल व विजय, मुंडरो के अशोक, जरमुने के सोहन कुमार, बरियारपुर के इंद्रदेव महतो, चैनपुर के राजेश कुमार महतो, पोरदाग के गणेश साव, डुमरी के सुभाष कुमार व जानकी महतो शामिल हैं. वहीं, बोकारो जिले के नावाडीह प्रखंड के पोखरिया निवासी जगदीश महतो, गोनियाटो के रामचंद्र महतो, गोमिया प्रखंड अंतर्गत कर्री के प्रदीप महतो, सीधाबारा के मनोहर महतो हैं. इसके अलावा हजारीबाग जिले के विष्णुगढ प्रखंड अंतर्गत अचलजामू निवासी सहदेव राजवार व रूपलाल महतो, करगालो के बहादुर महतो, नागेश्वर महतो, शीतल महतो, रोहित महतो, मेघलाल महतो व रंजन राज मेहता, सारूकुदर के भैरो महतो, उच्चाघाना के सुकर महतो, नंदलाल महतो, लोकनाथ महतो व सुनील महतो, बलकमक्का के तिलक महतो व थानेश्वर महतो, अंबाटांड़ के महानंद पटेल, प्रमोद महतो व अनंत लाल महतो, खरकट्टो के तापेश्वर महतो, सिरैय के टोकन सिंह, अलखरी के धानेश्वर महतो, नागी चुरामन महतो, केंदुवाडीह के भुनेश्वर महतो व जितेंद्र महतो एवं बरकट्ठा के गोरहर निवासी बालगोविंद महतो शामिल हैं.

मानगो डबल मर्डर का आरोपी जमशेद गिरफ्तार

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत जवाहरनगर रोड नंबर 17 में बीते दिनों अपराधी सज्जाद उर्फ टांडा और टाइगर मोबाइल जवान रामदेव की हत्या के फरार आरोपी जमशेद आलम को मानगो पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी बुधवार देर रात चेपा पुल के पास से उस वक्त की जब वह चोरी छिपे अपने घर की ओर जा रहा था. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उसकी गिरफ्तारी की है. गुरुवार को पुलिस ने उसे एमजीएम अस्पताल में मेडिकल के बाद कोर्ट में प्रस्तुत किया और जेल भेज दिया. बुधवार को पुलिस ने फरार आरोपी शेख असद और कादिर के घर की कुर्की की थी.

राजू चौड़ा को पुलिस लेगी रिमांड पर : इधर, मामले के आरोपी राजू चौड़ा को भी मानगो पुलिस रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है. राजू चौड़ा को जीआरपी ने गिरफ्तार किया था. पुलिस ने उसे रिमांड पर लेने की अर्जी भी दे दी है. जल्द ही उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी.

क्या है मामला

बता दें कि बीते दिनों अपराधियों ने सरेआम सज्जाद उर्फ टांडा की गोली मारकर हत्या कर दी थी. बदमाशों ने जवान रामदेव को भी गोली मारी थी. इलाज के दौरान रामदेव की भी मौत हो गई थी. घटना स्थल से स्थानीय लोगों ने एक बदमाश को पकड़ लिया था, जबकि राजू चौड़ा को भी गिरफ्तार कर लिया गया था. आरोपी मोइन ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था. फिलहाल मामले में कादिर और असद फरार चल रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

20वें श्याम महोत्सव की तैयारी जोरों पर

चाईबासा। युवा मित्र मंडल चाईबासा के सौजन्य से 20वें श्याम महोत्सव की तैयारियां जोर-जोर से की जा रही है. 22 दिसंबर को ठाकुरबाड़ी में आयोजित होने वाले श्याम महोत्सव को लेकर ठाकुरबाड़ी में एक भव्य पंडाल भी बनाया जा रहा है. इस पंडाल में सारे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. ठाकुरबाड़ी स्थित खाटू श्याम के मंदिर में पूजा-अर्चना करने के उपरांत यह कार्यक्रम आरंभ होगा. इस बार मुख्य गायिका के रूप में दिल्ली से आने वाली शिखा भार्गव तथा चाईबासा के स्थानीय भजन गायक सतीश करनानी भजन संध्या में भजनों की प्रस्तुति देंगे.

पत्नी के हत्या मामले में आजीवन कारावास

चाईबासा। न्यायालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश चाईबासा के न्यायालय द्वारा गुरुवार धारा-302, 201 भादवि में अभियुक्त सोनाराम बोबोंगा को आजीवन कारावास व 10,000 रुपये जुर्माना की सजा दी गई है. नोवामुण्डी थाना के धारा- 302 भादवि के अंतर्गत अभियुक्त नोवामुंडी थाना के रेगाड़बेड़ा, टोला बुरूसाई निवासी सोनाराम बोबोंगा के विरुद्ध अपने पत्नी शांति कुई के हत्या करने के आरोप में दर्ज किया गया था. 19 मार्च 2020 को रात में अभियुक्त सोनाराम बोबोंगा एवं मृतक शांति कुई के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ. फिर घटना घटी.

जिला ओलंपिक संघ कार्यालय का उद्घाटन

चाईबासा। जिला ओलंपिक संघ के कार्यालय का उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया गया. इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि खेल को बढ़ावा देने का प्रयास हर किसी को करना चाहिए. मौके पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी शशीन्द्र बड़ाइक, जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की, प. सिंहभूम जिला ओलंपिक संघ के संरक्षक मुकुंदलाल रूंगटा, अनिल अग्रवाल, अध्यक्ष नितिन प्रकाश, उपाध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल, उपाध्यक्ष गौरीशंकर महतो, नीरज संदवार, महासचिव अजय कुमार नायक, कोषाध्यक्ष दीपक पासवान आदि मौजूद रहे.

इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के लिए पहुंचे बहरागोड़ा

घाटशिला। नरसिंहगढ़ प्लस 2 उच्च विद्यालय धालभूमगढ़ के आईटी विद्यार्थियों को इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के लिए गुरुवार को बहरागोड़ा पॉलीटेक्निक कॉलेज, बहरागोड़ा का भ्रमण किया. इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग में विद्यालय के कुल 150 विद्यार्थी शामिल थे. इस यात्रा में विद्यार्थियों ने इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग से संबंधित व्यवहारिक ज्ञान कॉलेज के संबंधित शिक्षकों से जानकारी लिया. आईटी के क्षेत्र में क्या-क्या संभावनाएं हैं. उस संबंध में शिक्षकों ने विस्तार पूर्वक जानकारी दी ताकि भविष्य में विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा.

नवोदय विद्यालय में चित्रकला प्रदर्शनी

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड अवस्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में गुरुवार को चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इसमें विद्यालय के कला अध्यापक परेश चित्रकार के निर्देशन में विद्यालय के समस्त बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. बच्चों की विभिन्न कला-कृतियों प्रदर्शनी में देखने को मिला. जिसका मूल्यांकन विद्यालय शिक्षक द्वारा किया गया. इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य परीक्षा के समय छात्रों को होने वाले तनाव को कम करना है. प्राचार्य डॉ जनार्दन सिंह ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए चित्रांकन को प्रशंसा की.

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की जानकारी

घाटशिला। घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ आरके चौधरी ने गुरुवार को इंटरमीडिएट में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को झारखंड सरकार के गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की जानकारी दी. बताया कि अभी 12 वीं कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड बनेगा. विद्यार्थी को आवेदन प्रपत्र भरना होगा. 11वीं कक्षा पास का प्रमाण पत्र, आवेदक व उनके माता या पिता का आधार कार्ड व फोटो लगा 3 जनवरी तक कॉलेज में अपने काउंटर पर जमा करना है. कार्ड बन जाने से विद्यार्थी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए 15 लाख तक का ऋण आसानी से मिल सकेगा.

जन रक्षा संघर्ष समिति की ओर से रोलाडीह हाई स्कूल मैदान में दो मांगों को लेकर चल रहा अनशन जारी

शिक्षा को लेकर विभाग गंभीर नहीं है: लक्ष्मी हांसदा

सुकेश कुमार। चाईबासा

जन रक्षा संघर्ष समिति की ओर से पिछले तीन दिनों से रोलाडीह हाई स्कूल मैदान में दो मांगों को लेकर चल रहे अनशन गुरुवार को भी जारी रहा. गुरुवार को अनशन तुड़वाने के लिए चाईबासा से जिला शिक्षा पदाधिकारी अभय सिल पहुंचे. लेकिन मांगे पूरी नहीं होने पर वार्ता विफल रही. जन रक्षा संघर्ष समिति के संयोजक पंडित महतो ने कहा कि पिछले बार भी जिला प्रशासन की ओर से प्रतिनियुक्ति रद्द करने को लेकर आश्वासन पत्र जारी किया गया था. इसके बावजूद भी आश्वासन पत्र का अमल नहीं किया गया और अभी तक प्रतिनियुक्ति रद्द नहीं की गई है. इस

दौरान चक्रधरपुर भाग 1 के जिला परिषद सदस्य लक्ष्मी हांसदा ने कहा कि शिक्षा को लेकर विभाग गंभीर नहीं है. जिला शिक्षा पदाधिकारी भले ही वार्ता करने पहुंचे लेकिन किसी तरह का स्पष्ट निर्णय नहीं ले रही है. प्रतिनियुक्ति रद्द करना पदाधिकारी के हाथों में है. रद्द कर देना चाहिए. साथ ही प्लस टू की पढ़ाई इसी सत्र से आरंभ हो इसको लेकर एक पत्र जारी करने चाहिए. तीसरे दिन जन रक्षा संघर्ष समिति के संयोजक पंडित कुमार महतो की हालत बिगड़ने लगी. वार्ता के बाद देर शाम तक कमजोरी से हालत बिगड़ी, फिर ठीक हो गई. तीसरे दिन रोलाडीह हाई स्कूल परिसर में 3 ग्रामीण अनशन पर बैठे. जिसमें समिति के संयोजक पंडित महतो, समिति के अध्यक्ष अशोक तांती, लीलाराम तांती शामिल थे.

वार्ता विफल

- रोलाडीह हाई स्कूल मैदान में हो रहा अनशन
- वार्ता के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी पहुंचे
- प्रतिनियुक्ति रद्द करना पदाधिकारी के हाथों में है

शिक्षा निदेशक से वार्ता हो चुकी है: पदाधिकारी

अनशन तुड़वाने के लिए पहुंचे जिला शिक्षा पदाधिकारी अभय ने कहा शिक्षा निदेशक से वार्ता हो चुकी है. मंगलवार तक प्रतिनियुक्ति रद्द करने संबंधित सूचना जारी कर दी जाएगी. उन्होंने कहा कि आगामी सत्र से प्लस टू की पढ़ाई रोलाडीह हाई स्कूल में आरंभ किया जाएगा. जिसको लेकर तैयारी चल रही है. उन्होंने कहा कि हर मांग को लेकर शिक्षा विभाग गंभीर है. उन्होंने अनशन कर्मियों को अनशन तोड़ने का आग्रह किया. लेकिन अनशनकारी मांगों पर अड़े रहे.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- लोकसभा में किस आधार पर सीटें बांटी जाती हैं – **जनसंख्या**
- किस बीमारी के इलाज के लिए संकल्प प्रोजेक्ट बनाया गया था – **एचआईवी**
- बहमनी सल्तनत के संस्थापक कौन थे – **अलाउद्दीन बहमन शाह**
- भारत के किस पड़ोसी देश ने टिकटॉक पर बैन लगाया है – **नेपाल**
- नंद वंश के संस्थापक कौन थे – **महापदम नंद**
- भारत में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है – **उत्तर प्रदेश**
- झंडा सत्याग्रह के लिए कौन शहर प्रसिद्ध है – **नागपुर**
- भारत में कोरोना को महामारी घोषित करने वाला पहला राज्य – **हरियाणा**
- सोना किस पदार्थ में घुल जाता है – **एक्वा रेजिया**
- होम रूल आंदोलन किसके द्वारा शुरू किया गया था – **एनी बेसेंट**

मेटलिफरस खान सुरक्षा सप्ताह के तहत हुआ खदान का निरीक्षण

सेफ्टी पर ध्यान दें, लाभ होगा

संवाददाता। किरीबुरु

खान सुरक्षा निदेशालय, चाईबासा रीजन के निर्देशानुसार 61वां वार्षिक मेटलिफरस खान सुरक्षा सप्ताह के तहत मेघाहातुबुरु खदान का निरीक्षण निरीक्षक दल ने किया. इस दल का नेतृत्व कनवेनर दीपक प्रकाश (गुआ लौह अयस्क खान) कर रहे थे. दल में साहाब अनवर एवं सिद्धांत शेखर (टाटा स्टील, नोवामुंडी), जीके नायक (सेल, मेघाहातुबुरु), अमला शंकर चटर्जी (टाटा स्टील, कालीमाटी लौह अयस्क खदान), राकेश कुमार नंदकोलियार (गुआ खदान), रथिन विश्वास (सेल, किरीबुरु, खदान) शामिल हैं. कार्यक्रम का थीम थिंक, टॉक एंड प्रैक्टिस सेफ्टी था. खदान का निरीक्षण से पहले मेघाहातुबुरु खदान में स्थित सुरक्षा माता की पूजा सभी अधिकारियों ने की. कनवेनर दीपक प्रकाश ने कहा कि कंपनी चलाने में बहुत खर्च के अलावा सुरक्षा भी अत्यन्त जरुरी है. सेफ्टी पर अगर हम अधिक ध्यान देंगे तो हमें काफी लाभ मिलेगा. मैं देख नहीं सका, मैं सोच नहीं सका और मैं नहीं जानता हूं, इस पर गंभीरता से काम किया जाये तो शून्य दुर्घटना लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं. किसी भी कार्य को करने के लिए अनुभव काफी जरुरी होता है. कार्यस्थल पर काफी सावधानी से कार्य करते हुए शून्य दुर्घटना का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं.

टाटा स्टील, नोवामुंडी के अधिकारी साहाब अनवर ने कहा कि सुरक्षा के मद्देनजर यह निरीक्षण हम सभी को लाभ देगा. सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिये हर वर्ष ऐसा आयोजन किया जाता है. हम शून्य दुर्घटना की बजाय शून्य नुकसान की ओर आगे बढ़ें, ताकि फस्ट एड की आवश्यकता भी हमें नहीं पडे. मेघाहातुबुरु खदान ने इस बार शून्य दुर्घटना लक्ष्य को प्राप्त किया है. सेल, मेघाहातुबुरु के उप महाप्रबंधक जीके नायक ने कहा कि सुरक्षा के प्रति जागरुकता को जन-जन पहुंचाना है. खदान निरीक्षण के दौरान सुरक्षा संबंधित जो सुझाव मिलते हैं उसका पालन करते हुए सेफ्टी स्टैंडर्ड को और ऊंचा करना है.

किया निरीक्षण

- इस दल का नेतृत्व कन्वेनर दीपक प्रकाश ने किया
- मेघाहातुबुरु खदान ने शून्य दुर्घटना लक्ष्य प्राप्त किया
- सुरक्षा के प्रति जागरुकता को जन-जन पहुंचाना है

ठेका मजदूरों को किया गया पुरस्कृत

वहीं कार्यक्रम के दौरान लंबे समय तक दुर्घटना रहित सेलकर्मी का पुरस्कार मुरली आपट, केसी गौंड, माइकल टुटी, ठेका श्रमिकों में बिरसा ओडेय़ा, सोबन सिंकु, तुराम हेस्सा को मिला. फस्ट एड ट्रेड टेस्ट का पुरस्कार अशोक सिंह, राजेन्द्र मंडल, अमर ज्योति दास, अबरार अहमद, चंदन दास को मिला. ऑपरेटर ट्रेड टेस्ट का पुरस्कार गोपाल होनहागा (द्वितीय), इंतखाब आलम, दीपक राम, चंदन दास (सभी तृतीय) को मिला. माइनिंग मेट ट्रेड टेस्ट का पुरस्कार राजेन्द्र मंडल (द्वितीय), सत्यजीत साहू (तृतीय) को मिला. बेस्ट सेफ्टी परफॉर्मिंग सेलकर्मी का पुरस्कार मनोज गिरि, महेन्द्र नाथ, मोतीलाल महंता, अमित राउत, सत्यजीत सिंह साहू, सीके सिंह, एस बांकुरा, अखिलेश प्रसाद, संतोष कुमार को मिला. लंबे समय तक दुर्घटना रहित ठेका श्रमिकों का पुरस्कार दुर्गा पात्रो, प्रभाष पंडा, सौरभ कुमार सिंह, राजा ठाकुर को दिया गया.

भाजपा के जनजातीय नेताओं की हुई बैठक

संवाददाता। चाईबासा

भाजपा जिला कार्यालय में कोल्हान भाजपा की जनजाति नेताओं की एक विशेष बैठक हुई. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव शामिल हुए. बैठक की अध्यक्षता भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष मंजीत कोड़ा ने किया. बैठक में आगामी 30, 31 दिसंबर 2023 को प्रस्तावित प्रदेश कार्यसमिति कार्यक्रम को लेकर रणनीति बनाई गई. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये सभी कार्यकर्ता को अलग - अलग जिम्मेदारी दी गई है. प्रदेश अध्यक्ष उरांव ने कहा कि चाईबासा के पिल्लाई हॉल में प्रदेश कार्यसमिति की

बैठक ऐतिहासिक होगी. कार्यसमिति की बैठक में झारखंड प्रदेश के कोने - कोने से अनुसूचित जनजाति मोर्चा के हजारों कार्यकर्ता भाग लेंगें. इसमें उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी सतीश, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद समीर उराव, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह मुख्य रूप से शामिल होंगे. समापन समारोह में प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश उपस्थित रहेंगे. भाजपा जिला अध्यक्ष सतीश पुरी, शशि भूषण सामड, जवाहरलाल बानरा, गुरुचरण नायक, मेनका सरदार, अनंत राम टुडू, गीता बालमुचू, विजय मेलगांडी, भूषण पाठ पिंगुआ, संजय सरकार व अन्य मौके पर मौजूद रहे.

नकुलचंद्र महतो की मूर्ति का अनावरण

संवाददाता। मनोहरपुर

आदिवासी कुड़मी समाज के संस्थापक सदस्य सह पूर्व अध्यक्ष नकुलचंद्र महतो की पहली पुण्यतिथि पर गुरुवार को मनोहरपुर प्रखंड स्थित ढीपा पंचायत अंतर्गत उनके पैतृक गांव में शोकसभा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर स्व. नकुलचंद्र महतो की आदमकद प्रतिमा की स्थापना सह अनावरण किया गया. प्रतिमा का अनावरण स्व.नकुलचंद्र महतो की धर्मपत्नी ननिका महतो, परिजनों समेत आमंत्रित गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया गया. इसके बाद उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व श्रद्धासुमन अर्पित कर दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता इंद्रकुमार डागा ने कहा कि स्व. नकुलचंद्र महतो मृदुभाषी व सरल स्वभाव व एक समाजसेवी के रूप में

जाने जाते थे. उनके साथ हमारा राजनीतिक संबंध तीन दशक पुराना रहा है. उन्होंने आदिवासी कुड़मी समाज की नींव रखी थी. समाज को दिशा देने की अलख जगाई. उनके द्वारा समाज हित में सराहनीय योगदान रहा है.

उनके ज्येष्ठ पुत्र सुमित महतो ने बताया कि विगत 21 दिसंबर 2022 में उनका 69 वर्ष की आयु में निधन हो गया था. वहीं पुण्यतिथि कार्यक्रम में उपस्थित कई वक्ताओं में उनकी जीवनी व उनके द्वारा उल्लेखनीय कार्यों व समाज हित से जुड़ी यादों को साझा किया. मौके पर मुखिया अशोक बंदा, प्रदेश संगठन सचिव संजीव महतो, सागर महतो, हेमचन्द्र महतो, ननिका देवी, अमित कुमार महतो, अजीत कुमार महतो. कार्तिक चंद्र महतो, मुरलीधर महतो, उमेश महतो, रवि महतो, संतोष महतो, अनादि महतो, पंकज महतो, शिवनाथ महतो, झारखंड चिक बड़ाईक, प्रदेश उपाध्यक्ष हरेंद्र बड़ाईक समेत काफी संख्या में प्रबुद्ध व गणमान्य लोग उपस्थित थे.

सड़क मरम्मत में अनियमितता की आस ने शिकायत की

संवाददाता। किरीबुरु

पश्चिम सिंहभूम जिला अंतर्गत आनंदपुर प्रखंड में ग्रामीण विकास विभाग (आरईओ) से आनंदपुर बाजार से गुड़गांव होते हुए समीज व नारायण टोला हनुमान मंदिर से बाघचट्टा सिदो-कान्हू चौक तक 13.4 किमी सड़क मरम्मतीकरण की अनियमितता को लेकर उच्च स्तरीय जांच के लिए आदिवासी समन्वय समिति (आस) के संयोजक सुशील बारला व पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा ने मुख्य सचिव से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा. सुशील बारला ने बताया कि आनंदपुर बाजार से समीज व आनंदपुर नारायण टोला हनुमान मंदिर से बाघचट्टा सिदो-कान्हू चौक तक 13.4 किमी. सड़क का मरम्मतीकरण 3.71 करोड़ की लागत से 2019 में आरंभ किया गया है. दुर्भाग्यपूर्ण बात

यह है कि उक्त सड़क एक ओर बन रही है तो दूसरी ओर उखड़ने भी लगी है. ग्रामीणों द्वारा संबंधित अधिकारियों को शिकायत के बाद भी निर्माण कार्य में कोई गुणवत्ता नहीं आ रही है. सांसद गीता कोड़ा भी अनियमितता को लेकर उपायुक्त को पत्र प्रेषित किया है. एसडीओ, पोड़ाहाट, चक्रधरपुर भी निरीक्षण के दौरान संवेदक और सहायक अभियंता को निर्माण कार्य में अनियमितता को देख फटकार लगाई.

शिक्षा कर्मी साइबर ठगी का शिकार

संवाददाता। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर के प्रखंड संसाधन केंद्र में पदस्थापित रिसोर्स शिक्षक अनिल कुमार प्रजापति साइबर क्राइम का शिकार हो गये. ठगों ने उनसे कुल 81 हजार रुपये ठग लिये. इस संदर्भ में अनिल कुमार प्रजापति ने साइबर क्राइम सेल और भारतीय स्टेट बैंक के कस्टमर केयर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करायी है. बताया जाता है कि अनिल कुमार प्रजापति वाराणसी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं. वह चक्रधरपुर बीआरसी में कार्यरत हैं. चक्रधरपुर के चांदमारी में किराये के मकान पर रहते हैं.अनिल कुमार प्रजापति से डिमैट लिमिट एकाउंट खोलने के नाम पर साइबर क्राइम वालों ने पैन कार्ड, बैंक खाता, आधार कार्ड एवं हस्ताक्षर का नमूना मांगा. जिसे व्हाट्सएप के माध्यम से भेजा गया. एकाउंट खोलने के नाम पर बार-बार राशि की मांग की जाती

रही. कई किस्तों में कुल 81 हजार रुपये साइबर क्राइम वालों ने ठग लिया. जब उन्होंने और अधिक राशि देने से इंकार किया तो श्री प्रजापति को दस्तावेज का दुरुपयोग करने की धमकी दी गई. ठगों ने कहा कि राशि नहीं देने पर बातचीत की रिकार्डिंग और दस्तावेज पुलिस को सौंप कर मुकदमा दर्ज किया जाएगा, जिससे अनिल प्रजापति डर गये और 81 हजार रुपये ठगों को किस्तों में अदा कर दी. इसके बाद भी तरह तरह के हथकंडे अपना कर डराया जाता रहा. ठग कभी स्वयं को कोटा राजस्थान और कभी गुजरात का बताते. राशि जमा करने के लिए दूसरे लोगों का एकाउंट नंबर दिया जाता रहा था. अलग-अलग मोबाइल नंबर से फोन कर उन्हें धमकाया गया. कभी कोटा थाना और कभी गुजरात थाना से कॉल करने की बात कह कर मुकदमा दर्ज होने की धमकी देते. सीधे सादे प्रजापित ठगों की धमकी से डर गये और उनके द्वारा मांगी जानी वाली राशि उनके एकाउंट में डालते गये, लेकिन जब उनसे डेढ़ लाख रुपये की मांग की गई तो उनका धैर्य टूट गया और फिर उन्होंने शिकायत की.

खास बातें

- 81 हजार रुपये की ठगी हुई ऑनलाइन शिकायत की गई
- कस्टमर केयर व साइबर क्राइम सेल से शिकायत

मुखिया व बीडीओ ने बीमार महिला का इलाज कराया

संवाददाता। किरीबुरु

किरीबुरु पश्चिम पंचायत की मुखिया पार्वती किड़ो व उप मुखिया सुमन मुंडू के नेतृत्व में महिला समूह की महिलाओं के सामूहिक प्रयास से एक बीमार महिला का जीवन बचाया गया. ओडिशा के कोईया क्षेत्र निवासी सह चर्च हाटिंग निवासी गोमा की पत्नी लकड़ी लागुरी अस्वस्थ थी. वह न तो लेट सकती है और न खड़ा हो सकती है. वह बैठे-बैठे सोती है. कड़ाके की ठंड में वह जैसे-तैसे अपनी झोपड़ी में जीवन व मौत से

संघर्ष कर रही थी. इसकी जानकारी किसी ने नोवामुंडी के बीडीओ को दी. बीडिओ ने मामले को तत्काल संज्ञान में लेने के लिए मुखिया पार्वती किड़ो को निर्देश दिया. मुखिया पार्वती उप मुखिया व महिला समूह की सदस्यों के साथ महिला से मिलकर उसे कम्बल दिया.

प्रतियोगिता | नीला दाल बना वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का चैंपियन

जो खेलता है, वही तो जीत दर्ज करता है: दिलीप खलखो

शंभू कुमार। चक्रधरपुर

शहर के कारमेल उच्च विद्यालय में गुरुवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य रूप से एसडीपीओ दिलीप खलखो एवं जगन्नाथपुर एसडीपीओ ई डुंगडुंग उपस्थित थे. मौके पर अतिथियों ने मशाल जलाकर व गुब्बारे उड़ाकर खेलकूद प्रतियोगिता किया. इसके बाद विद्यालय के विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट, परेड व ड्रिल पेश किया. इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच खेलकूद की विभिन्न प्रतिस्पर्धाएं आयोजित किए गए. जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. इस दौरान विद्यार्थियों के बीच

दौड़, बैलून फोड़, बिस्किट रेस, ऊंची कूद, लंबी कूद और गोला फेंक समेत अन्य खेल आयोजित किए गए. वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में पीला दल 330 अंक प्राप्त कर ओवरऑल चैंपियन बना. जबकि नीला दल 280, हरा दल 260 तथा लाल दल 250 अंक प्राप्त कर क्रमशः द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान पर रहा. मौके पर मुख्य अतिथि पुलिस उपाधीक्षक दिलीप खलखो ने संबोधित करते हुए कहा कि जो खेलता है, वही जीतता है. विद्यालय आपके सर्वांगीण विकास एवं आगे बढ़ने का काम करती है. अनुशासन में रहकर कठिनाइयों को पार कर आप सफलता प्राप्त करें. इस दौरान अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर हौसला बढ़ाया. इस मौके पर कारमेल उच्च विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिस्टर जगरानी, संट जेवियर्स इंग्लिश स्कूल चाईबासा प्राचार्य फादर यूजिन एक्का और सिस्टर माइकल समेत अन्य शिक्षकगण मौजूद थे.

वार्ता विफल

- मशाल जलाकर और गुब्बारे उड़ाकर की गयी शुरुआत
- विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट किया, परेड भी किया
- खेलकूद की विभिन्न स्पर्धाओं में छात्रों ने दिखाया दम

ब्रीफ खबरें

जनवरी सत्र में नामांकन के लिए आवेदन शुरू

जमशेदपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी स्थित अध्ययन केंद्र (एलएससी-32051) की समन्वयक डॉ त्रिपुरा झा ने बताया है कि इग्नू में 'ग्रामीण विकास पर कार्यक्रम जनवरी 2024' शैक्षणिक सत्र में नामांकन के लिए, आवेदन प्रक्रिया आरंभ की गई है. यह जानकारी उन्होंने इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस मोहंती के हवाले से दी. त्रिपुरा झा ने बताया कि दो वर्षीय पाठ्यक्रम एमएआरडी, एक वर्षीय कोर्स पीजीडीआरडी और छह माह के सीआरडी नामांकन के लिए आवेदन किया जा सकता है.

गुरुकुल के वार्षिकोत्सव में रंगारंग कार्यक्रम

आदित्यपुर। शिक्षा में चरित्र निर्माण ही शिक्षा का अंतिम लक्ष्य है, लेकिन पढ़ाई लिखाई शिक्षण में अहम है. उक्त बातें सरायकेला खरसावां जिले के कांड्रा स्थित एसकेजी क्लब में आयोजित गुरुकुल पब्लिक स्कूल के वार्षिक समारोह में के मुख्य अतिथि वयोवृद्ध शिक्षक जेडी महतो ने कही. वार्षिक समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं सम्मानित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. जेडी महतो ने कहा कि कहा कि चरित्र एवं नैतिकता के तरफ हमारा ध्यान कम हो रहा है. कहा जाता है की मां बच्चे की प्रथम शिक्षिका होती है और बच्चों के लिए वह प्रथम पाठशाला होती है.

राजकुमार बने जीण माता परिवार के अध्यक्ष

जमशेदपुर। शहर की धार्मिक संस्था श्री जीण माता परिवार की एक बैठक में पुरानी कमेटी को भंग कर राजकुमार रिंगसिया (जुगसलाई) को सर्वसम्मति से नया अध्यक्ष चुना गया. बैठक संस्था के अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल की अध्यक्षता में साकची स्थित एक होटल में संपन्न हुई. संस्थापक शंभू खन्ना ने बताया कि नये अध्यक्ष राजकुमार रिंगसिया द्वारा नई कमेटी का विस्तार 31 दिसंबर तक कर लिया जायेगा. इसके पहले कोषाध्यक्ष विनोद ने वार्षिक महोत्सव 2023 का आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया.

गेहूं भरे ट्रक में लगी आग, हताहत नहीं

चांडिल। कपाली ऑफिस बस्ती अंतर्गत पुडीसिली के सामने डोबो-कांदरबेड़ा सड़क पर गुरुवार की शाम एक ट्रक में अचानक आग लग गई. आग लगने के कारण ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह से जलकर खाक हो गया. उक्त ट्रक पर गेहूं लदा था. इसमें बोरियों में भरे कुछ गेहूं को भी नुकसान पहुंचा है. सूचना मिलते ही कपाली ओपी की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी. सूचना मिलने के बाद चांडिल, आदित्यपुर और मानगो से अग्निशमन वाहन घटनास्थल पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया.

चेतना मार्च के साथ हुआ शहीदी सप्ताह का आगाज

जमशेदपुर। चारों साहिबजादों की शहीदी को समर्पित मानगो गुरुद्वारा साहिब में शहीदी सप्ताह का आगाज गुरुवार को चेतना मार्च निकाल कर किया गया. पोह माह की कड़कड़ाती ठंढ में अहले सुबह बच्चे, युवा, महिला, पुरुष और बुजुर्ग सहित समाज के हर वर्ग के लोगों ने चेतना मार्च में शामिल होकर साहिबजादों की शहादत को श्रद्धांजलि अर्पित कर गर्व महसूस किया. शहीदी सप्ताह 27 दिसंबर तक चलेगा जहां विभिन्न प्रकार के सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे.

मिसेज केएमपीएम वोकेशनल कॉलेज में सत्र 2023 -24 के लिए रिसॉर्ट में हुई पिकनिक पार्टी

फ्रेशर्स पार्टी में दीपशिखा बनी मिस व बिकास मिस्टर फ्रेशर

आनंद मिश्रा । जमशेदपुर

जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित मिसेज केएमपीएम वोकेशनल कॉलेज में सत्र 2023 -24 के लिए पिकनिक सह फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम शहर के एक रिसॉर्ट में हुआ. फ्रेशर्स के चयन के लिए तीन राउंड रैंप वॉक, टैलेंट शो और सवाल जवाब हुए. इन तीन राउंड के आधार पर विद्यार्थियों का चयन किया गया. कॉलेज की प्राचार्य डॉ मीता जाखनवाल ने छात्र-छात्राओं के शानदार प्रदर्शन की सराहना की. साथी छात्र-छात्राओं को उन्होंने अनुशासित और जिम्मेदार बनने के लिए प्रोत्साहित किया. उन्होंने छात्र-छात्राओं को अपने सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य करने की सीख दी.

इस आयोजन में कॉलेज की सांस्कृतिक टीम और विद्यार्थी परिषद की अध्यक्ष रिया कुमारी, सचिव रितिक राज जायसवाल, संस्कार, तुषार और पवन की सराहनीय भूमिका रही.

कॉलेज की प्राचार्य डॉ मीता जखनवाल के साथ पुरस्कृत विद्यार्थी.

छात्र पुरस्कृत
- बेस्ट अटायर गर्ल का पुरस्कार शिखा को मिला
- बेस्ट अटायर ब्वाय का पुरस्कार शुभम को मिला

ये हुए पुरस्कृत

मिस फ्रेशर : दीपशिखा सरकार (बीकॉम)
मिस्टर फ्रेशर : बिकास चंद्र (बीसीए)
बेस्ट अटायर गर्ल : शिखा (बीसीए)
बेस्ट अटायर ब्वाय : शुभम गुप्ता (बीबीए)
बेस्ट पर्सनालिटी गर्ल : स्नेहा प्रामाणिक (बीकॉम) व आकांक्षा कुमारी (बीसीए)
बेस्ट पर्सनालिटी ब्वाय : राजा प्रधान (बीबीए) व अमित सिंह (बीसीए)
बेस्ट स्माइल गर्ल : नंदिनी (बीएससी, गणित)
बेस्ट स्माइल ब्वाय : एकलव्य सिंह (बीसीए)

आओ जानें — सामान्य ज्ञान

- ऑप्टिकल फाइबर का आविष्कार किसने किया था – नरिंदर कपानी
- भारत किस देश से इग्ला– एस एंटीक्राफ्ट मिसाइल खरीद रहा है – रूस
- कंप्यूटर का हिंदी नाम क्या है – संगणक
- दाग प्रणाली किस शासक ने शुरू किया था – अलाउद्दीन खिलजी
- पवन की गति को नापने वाले उपकरण का नाम – एनीमोमीटर
- झारखंड में सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला जिला – रांची
- ऋग्वेद के देवताओं में तूफान के देवता का क्या नाम है – मारुत
- झारखंड में मुख्यमंत्री ग्राम सेतु किस वर्ष शुरू की गई – 2001
- कोरोनावायरस से भारत में पहली मौत कहां हुई थी – कर्नाटक
- एक स्टेशन एक उत्पाद योजना का संबंध किससे है – रेलवे

चाईबासा और नोवामुंडी की 696 एकड़ भूमि पर बसेंगे उद्योग धंधे

अब जमीन अधिग्रहण की अड़चनें खत्म : प्रेम रंजन

संजीव मेहता । आदित्यपुर

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार शीघ्र होगा. पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला में उद्योग धंधे फलने-फूलने लगे हैं. अब जियाडा ने उद्योग विस्तार को पश्चिम सिंहभूम के चाईबासा, खूंटपानी और नोवामुंडी तक करने की अड़चनें दूर कर ली हैं. जियाडा ने एक वर्ष पूर्व पश्चिमी सिंहभूम जिले के 696 एकड़ सरकारी भूमि को अधिग्रहण किया था. इसमें कुछ अड़चनें और स्थानीय लोगों की समस्या आ रही थी, जिसे दूर कर लिया गया है. अब वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने के लिए प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है. जियाडा के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन ने बताया कि जमीन को अधिग्रहित करने में कुछ अड़चनें थी, जिसे उद्योग विभाग के माध्यम से दूर कर लिया गया है. आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र का विकास पूर्वी सिंहभूम तक करने के बाद अब पश्चिमी सिंहभूम में नया औद्योगिक क्षेत्र बन रहा है. इसके लिए जियाडा ने पश्चिम सिंहभूम में 696 एकड़ भूखंड का अधिग्रहण किया है.

क्षेत्रीय निदेशक ने कहा कि अधिग्रहित भूमि को जियाडा शीघ्र ही नोटिफिकेशन निकालकर आवंटित करने की प्रक्रिया शुरू करेगी. इसे डेवलप कर वर्ष 2025 वर्ष तक वहां औद्योगिक प्रतिष्ठानों को स्थापित करने का लक्ष्य भी रखा गया है. जमीन पथरीली है, जिसे समतल करने के साथ वहां सड़क, नाली, पानी, बिजली आदि मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाने की योजना बन रही है. उन्होंने बताया कि औद्योगिक विकास होने से क्षेत्र के लोगों को भारी मात्रा में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार एवं स्वरोजगार भी मिलेगा.

क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार की योजना 2017 से की जा रही है. इसके तहत ही पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला, बहरागोड़ा, मुसाबनी, चाकुलिया में जमीन अधिग्रहण कर पहले लैंड बैंक बनाया गया था. अब वहां उद्योगों को स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हुई है. इसी के साथ पश्चिम सिंहभूम के खूंटपानी, नोवामुंडी व चाईबासा सदर क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण कर लैंड बैंक बनाया जा रहा है. जियाडा ने इस बात का ध्यान रखा है कि इस योजना में कोई रैयती जमीन का अधिग्रहण नहीं की जाएगी.

होगा काम
- जियाडा के क्षेत्रीय निदेशक हैं प्रेम रंजन
- पूर्वी सिंहभूम में लैंड बैंक बनाया गया था
- वहां उद्योगों को स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हुई

3200 एकड़ में फैला है जियाडा का क्षेत्र

वर्तमान में जियाडा (आदित्यपुर) का क्षेत्र लगभग 3200 एकड़ में है. इस पर 1200 से अधिक माइक्रो, स्मॉल और मध्यम स्केल की कंपनियां स्थापित हैं. वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्र में तकरीबन 30 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है. वर्तमान में जियाडा ने टोल ब्रिज के बगल में 84 एकड़ जमीन पर इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर का निर्माण कर वहां धीरे-धीरे इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को स्थापित कर रही है.

उद्योगों के लिए बढ़ रही जमीन की मांग

हर बार पीसीसी (प्रोजेक्ट क्लियरेन्स कमेटी) की बैठक में उद्योग स्थापना के लिए जमीन की मांग बढ़ती जा रही है. चूंकि अब आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में जमीन नहीं बचे हैं. इसको लेकर ही उद्योग विभाग ने जियाडा आदित्यपुर का क्षेत्राधिकार समूचे कोल्हान तक बढ़ाने का निर्णय लेते हुए पूर्वी और पश्चिम सिंहभूम में सरकारी जमीन का लैंड बैंक बनाकर उसे डेवलप कर वहां उद्योगों की स्थापना का निर्णय लिया है.

कहां कितनी सरकारी जमीन मिली

ठाकुरागुटु : 22.50 एकड़	नीमडीह : 84.50 एकड़
गुटुहातु : 143.18 एकड़	सियालजोटा : 3 एकड़
कोटा सोना : 22.64 एकड़	चैनपुरवास : 2.87 एकड़
बैंका : 76.51 एकड़	परमवालजोड़ी : 131 एकड़
कालीगुटु : 6.29 एकड़	

हेमंत सरकार के खिलाफ अब भाजपा ने निकाला आक्रोश मार्च

संवाददाता । जमशेदपुर

हेमंत सरकार के खिलाफ गुरुवार को भाजपाइयों ने आक्रोश मार्च निकाला. कार्यकर्ता साकची स्थित पार्टी कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए जुलूस की शक्ल में जिला उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया. यहां झारखंड सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की और राज्यपाल के नाम उपायुक्त की अनुपस्थिति में प्रशासनिक पदाधिकारी को एक मांग पत्र सौंपा.

इनलोगों ने भ्रष्टाचार, खराब विधि व्यवस्था और संवैधानिक संकट को देखते हुए सरकार को बर्खास्त किए जाने की मांग की. इसका नेतृत्व कर रहे भाजपा जमशेदपुर महानगर जिलाध्यक्ष गुंजन यादव ने बताया कि इस सरकार में राज्य की साढ़े तीन करोड़ जनता भयाक्रांत है. राज्य का प्रत्येक युवा, महिला, किसान, व्यापारी, मजदूर, छात्र, पंचायत सेवक सभी त्रस्त हैं. युवाओं के सपनों को ध्वस्त करने वाली हेमंत सरकार की वादाखिलाफी, आकंठ भ्रष्टाचार, सत्ता संरक्षित खनिज सम्पदाओं की लूट, ट्रांसफर-पोस्टिंग, बढ़ते अपराध, बदहाल स्वास्थ्य सुविधा एवं पार्टी के विधानसभा में विधायकों के ऊपर की गई विद्वेषपूर्ण कार्रवाई के विरोध भाजपा द्वारा यह प्रदर्शन किया गया है. पूर्व घोषित कार्यक्रम के मद्देनजर बिष्टुपुर थाना प्रभारी अंजनी कुमार के नेतृत्व में काफी संख्या में पुलिस जवान (क्यूआरटी पार्टी) तैनात थे.

जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते भाजपाई.

ड्यूटी रोस्टर में बदलाव पर मेंस कांग्रेस को आपत्ति

जमशेदपुर। टाटानगर स्थित इलेक्ट्रिक लोको शेड में 26 दिसंबर से ड्यूटी रोस्टर में हुए बदलाव को लेकर कर्मचारियों में रोष व्याप्त है. इसे लेकर मेंस कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को लोको शेड के वरीय मंडल विद्युत अभियंता विनोद कुमार से मुलाकात की. मेंस कांग्रेस नेता शशि मिश्रा की अगुवाई में वरीय मंडल विद्युत अभियंता से मांग की गई कि ड्यूटी रोस्टर में किसी भी तरह के बदलाव से पूर्व की जाने वाली प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाए. सीनियर डीईई ने कहा कि 22 दिसंबर को संगठनों से बात करने के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा.

सिक्योरिटी एथलेटिक्स मीट में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

संवाददाता । जमशेदपुर

टाटा मोटर्स सिक्योरिटी टीम द्वारा गुरुवार को इंटर सिक्योरिटी एथलेटिक्स मीट का आयोजन टेल्को स्थित सुमंत मूलगांवकर स्टेडियम में किया गया. इस एक दिवसीय मीट में टाटा मोटर्स सिक्योरिटी, नियॉन सिक्योरिटी, 24*7 सिक्योरिटी सर्विसेज और टाउन सिक्योरिटी की टीमें भाग ले रही है.

इसके उद्घाटन के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में टाटा मोटर्स के एडमिन एंड सिक्योरिटी हेड वीएन सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में डीजीएम टाउन प्रशासनिक रजत कुमार सिंह उपस्थित थे. अतिथियों ने कार्यक्रम का उद्घाटन मशाल जलाकर किया. इस एथलेटिक्स मीट में विभिन्न तरह की स्पर्धाओं रखी गई थी, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया.

प्रदूषण के खिलाफ ग्रामीण गोलबंद

संवाददाता । आदित्यपुर

प्रदूषण के खिलाफ गुरुवार को कांड्रा के ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है. ग्रामीण सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर आंदोलन की चेतावनी दी है. प्रदर्शन का नेतृत्व जिला परिषद सदस्य पिंकी मंडल, कांड्रा पंचायत की मुखिया शंकरी सिंह, भ्रष्टाचार नियंत्रण के राहुल देव महतो, पूर्व उपमुखिया अनिल सिंह, संजय मोहंती कर रहे थे. प्रदर्शन में कांड्रा बाजार के दुकानदार समेत काफी संख्या में महिला व पुरुष शामिल हुए. लोगों ने प्रदूषण के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. जिला परिषद सदस्य पिंकी मंडल ने कहा कि प्रदूषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है. अगर यही हाल रहा तो प्रदूषण के कारण लोग बीमार पड़ जाएंगे.

उन्होंने प्रदूषण विभाग से प्रदूषण के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की. भ्रष्टाचार नियंत्रण के राहुल देव महतो ने कहा कि प्रदूषण कम होना चाहिए. यदि प्रदूषण फैल रहा है तो लोग बीमार पड़ेंगे. प्रदूषण को मुख्यतः पेड़ पौधे, घरों की छत, सड़क, खेतों, तालाबों, विद्यालयों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है. वहां तक कि कांड्रा मुख्य सड़क से आयरन ओर एवं कोयला लदे ट्रक वहां से गुजरते हैं. इसमें तिरपाल भी नहीं ढका होता है, जिसके कारण सारा डस्ट रोड पर ही गिरता है. इतना ही नहीं हवा चलने के कारण सारा डस्ट लोगों के घरों, कांड्रा बाजार में स्थित मिष्टान्न भंडारों, होटलों आदि दुकानों में चला जाता है. इस कारण दुकानदारों को काफी दिक्कत होती है. उन्होंने कहा कि यदि प्रदूषण विभाग इसके खिलाफ कार्रवाही नहीं करती है तो आंदोलन किया जाएगा. जिला परिषद सदस्य पिंकी मंडल, कांड्रा पंचायत की मुखिया शंकरी सिंह, भ्रष्टाचार नियंत्रण के राहुल देव महतो, संजय मोहंती, देबू अग्रवाल समेत काफी संख्या में दुकानदार व महिला पुरुष इस बात का जमकर विरोध किया.

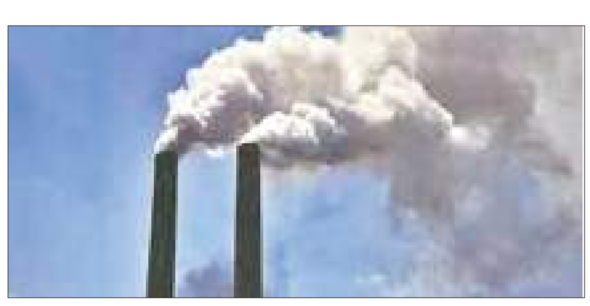

भाजपाइयों ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

आदित्यपुर। टाटा-कांड्रा - सरायकेला मुख्य सड़क की बदहाली को लेकर भाजपाइयों ने गुरुवार को डीसी सरायकेला को ज्ञापन सौंपा है. ज्ञापन में टाटा कांड्रा सरायकेला के मुख्य सड़क की बदहाली का जिक्र करते हुए कहा गया है कि यह सड़क का पिछले साल फरवरी मार्च में मेंटेनेंस का काम हुआ था. अब कांड्रा से लेकर सरायकेला तक पूरे सड़क पर गड्ढे हो चुका है. इसकी जांच होनी चाहिए. भाजपाइयों ने डीसी को बताया कि स्थानीय विधायक द्वारा सिर्फ चहेते लोगों को टेंडर मैनेज कर काम दिया गया था. उसका परिणाम है कि एक साल के अंदर सड़क बदहाल हो गया है. गणेश महाली ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस और झामुमो के गठबंधन की सरकार है और इस विभाग के मंत्री भी कांग्रेस कोटे का है तो भ्रष्टाचार होना लाजिमी है. कहा कि जहां कांग्रेस-झामुमो की सरकार है, वहां भ्रष्टाचार होना लाजिमी है.

बच्चे करेंगे वाहेगुरु की स्तुति

संवाददाता । जमशेदपुर

हर वर्ष सिख 21 दिसंबर से 27 दिसंबर तक छोटे साहिबजादों की याद में शहीदी सप्ताह के रूप में मानते हैं. इसी शहीदी सप्ताह के मद्देनजर आगामी 23 दिसंबर को साकची गुरुद्वारा साहिब में एकदिवसीय महान कीर्तन दरबार सफ़र-ए-शहादत आयोजित किया जायेगा.

इस कीर्तन दरबार की विशेष बात यह है कि इसकी पूरी प्रस्तुति बच्चों द्वारा ही की जाएगी. सफ़र-ए-शहादत के सफल आयोजन के लिए धार्मिक संस्था 'हर की उस्तत' के सदस्यों व साकची गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के साथ प्रधान निशान सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक गुरुवार को हुई, जिसमें कीर्तन दरबार की रुपरेखा तैयार की गयी. 'हर की उस्तत' के सदस्य भाई मनप्रीत सिंह ने बताया कि कीर्तन दरबार शाम चार बजे से रात दस बजे तक चलेगा. जिसमें केवल बच्चे ही समागम की हर प्रक्रिया पूरी करेंगे. शाम के रहरास पाठ से लेकर गुरु ग्रन्थ साहिब का सुखासन तक बच्चों द्वारा करवाया जायेगा. अंत में एक सामूहिक जाप रूपी पाठ होगा जो सफ़र-ए-शहादत कीर्तन दरबार का खास आकर्षण होगा.

उन्होंने यह भी बताया कि वैसे बच्चे और सदस्य जो कीर्तन सीख रहें है, अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए वाहेगुरु की स्तुति करेंगे. इस दौरान बच्चे सबद-कीर्तन के अलावा शहीदी गाथा का कविता पाठ भी करेंगे. साकची गुरुद्वारा के प्रधान सरदार निशान सिंह ने कहा 'हर की उस्तत' के इस समागम में सभी सिख परिवार अपने बच्चों को अवश्य भेजें और स्वयं भी इस कार्यक्रम में शरीक होकर गुरु घर की खुशियां प्राप्त करें. बैठक में कमेटी की ओर से प्रधान निशान की अध्यक्षता में महासचिव परमजीत सिंह काले व शमशेर सिंह सोनी, सतनाम सिंह घुम्मन, मनोहर सिंह मित्ते जबकि 'हर की उस्तत' की ओर से मनप्रीत सिंह मौजूद थे.

प्रशासन सभी पिकनिक स्पॉटों पर चिन्हित स्थानों में सादे लिबास में पुलिस रहेगी तैनात

पिकनिक स्पॉटों पर सुरक्षा का रहेगा पुख्ता इंतजाम : एसपी

संवाददाता । चांडिल

सरायकेला-खरसावां जिले के विभिन्न पिकनिक स्पॉटों पर पुलिस की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था रहेगी. जिले के सभी पिकनिक स्पॉटों पर महिला पुलिस बल के साथ चिन्हित स्थानों में सादे लिबास पर पुलिस की तैनाती की जाएगी, जो सभी आने-जाने वालों पर नजर रखेगी. पुलिस की नजर मुख्य सड़कों के अलावा होटल व ढाबों पर भी रहेगी.

इस दौरान कहीं भी किसी प्रकार की शरारत नहीं हो इसके लिए शरारती तत्वों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी. मनचले युवकों पर नजर रखने को लेकर क्षेत्र में पुलिस की गश्ती बढ़ा दी जाएगी. उक्त बातें जिला पुलिस कप्तान डॉ बिमल कुमार ने कही. बातचीत के दौरान उन्होंने नववर्ष के स्वागत में मनाए जाने वाले पिकनिक के दौरान सैलानियों के लिए सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम रहने की बात कही है.

नववर्ष पर सरायकेला-खरसावां जिले के प्रमुख पिकनिक स्पॉट सैलानियों का इंतजार कर रहे हैं. नववर्ष पर जश्न मनाने के लिए चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में स्थित चांडिल डैम, दलमा हिल, पालना डैम, जयदा मंदिर, कांदरबेड़ा, मानीकुई समेत अन्य स्थानों में सैलानियों की भीड़ उमड़ेगी. इनमें सबसे अधिक भीड़ चांडिल डैम में होगी है. जिला पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार ने कहा कि चांडिल डैम में पुलिस की विशेष व्यवस्था रहेगी. यहां सादे लिबास में भी पुलिस को तैनात किया जाएगा. डैम परिसर में तैनात होमगार्ड के जवानों को भी अलग-अलग स्थानों में तैनात किया जाएगा. एसपी ने जल्द ही अपने मातहत अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश देने की बात कही है.

प्रशासन तैयार
- पुलिस की नजर होटल और ढाबों पर रहेगी
- शरारती तत्वों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी
- क्षेत्र में पुलिस की गश्ती अब बढ़ा दी जाएगी

25 व 31 दिसंबर और एक जनवरी को उमड़ेगी भीड़

जिले के अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में चिन्हित चांडिल डैम में सैलानियों की सबसे अधिक भीड़ उमड़ती है. सुवर्णरेखा व करकरी नदी के संगम पर बना चांडिल डैम पहाड़ियों और प्रकृति के सुंदर वादियों से घिरा है. यहां कलकल करती स्वच्छ जलधारा में बोटिंग सैलानियों को लुभाने का काम करती है. वैसे तो डैम में रोज सैलानी पहुंच रहे हैं. लेकिन 25 व 31 दिसंबर और पहली जनवरी को यहां रिकार्ड भीड़ उमड़ती है. क्रिसमस से लेकर पहली जनवरी तक लोगों की भीड़ यहां अधिक रहती है. पुलिस-प्रशासन की ओर से चांडिल डैम और आसपास के क्षेत्र में शराब की बिक्री और सेवन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है.

अक्षत कलश यात्रा में शामिल हुए राम भक्त

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड अवस्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में अयोध्या से पूजित अक्षत कलश को संकीर्तन मंडली तथा शंख ध्वनि के साथ मंदिर में लाया गया जहां पूजा अर्चना की गई. इस अवसर पर आसपास के सैकड़ों राम भक्त उपस्थित होकर पूजा अर्चना किये. तत्पश्चात नगर परिक्रमा करते हुए शीतला मंदिर प्रांगण में पूजा अर्चना की गई. वहां सैकड़ों भक्तों ने अक्षत कलश का दर्शन किया. पुनः कलश को लेकर साकरा पंचायत अवस्थित मालबांधी संकट मोचन मंदिर में रखा गया. वहां से 27 दिसंबर को 26 पंचायतों में अयोध्या राम मंदिर के निमंत्रण सह वितरित किया जाएगा. साथ ही प्रत्येक घर में राम मंदिर उद्घाटन के दिन पंच प्रदीप जलाने का आह्वान किया जाएगा.

गुड़ाबांदा की जेबीएबी की छात्राओं का हुआ स्वागत

संवाददाता । गुड़ाबांदा

गुड़ाबांदा प्रखंड के झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विद्यालय में छात्राओं का स्वागत किया गया. बहरागोड़ा में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन विगत दिनों किया गया था. जिसमे जिला के 48 स्कूलों की छात्राओं ने भाग लिया था.

प्रतियोगिता बहरागोड़ा पॉलीटेक्निक कॉलेज में आयोजित हुई थी. जिसमें प्रथम स्थान जेबीएवी गुड़ाबांदा हासिल किया. शिक्षक भास्कर महतो, प्रवीर मिश्रा व अपराजिता राणा ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया. विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि इस सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह विद्यालय का होना और जीत हासिल करना सौभाग्य की बात है. कक्षा छः से आठ की छात्रा शिल्पी मंडल, दीपिका महतो, श्रुति पंडा, कल्याणी माहली, काकुली महतो ने अम्ल वर्षा पर मॉडल प्रस्तुत किया. इसकी उपयोगिता को बताते हुए उन्होंने कहा कि जब वायुमंडलीय प्रदूषक तत्व जैसे नाइट्रोजन और सल्फर ऑक्साइड वर्षा जल के साथ प्रतिक्रिया करते हैं और बारिश के साथ नीचे आते हैं, तो इसके परिणामस्वरूप अम्लीय वर्षा होती है. इस मॉडल के लिए इन दोनों छात्राओं को प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया. पुरस्कार में विजेता टीम को दस हजार नकद और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया. प्रथम स्थान प्राप्त करने पर स्कूल में प्रभारी वार्डन ने इनका स्वागत किया.

ब्रीफ खबरें

कैलाश यादव हत्या कांड में 4 दोषी करार

गिरिडीह। राजद नेता कैलाश यादव हत्याकांड में प्रधान जिला जज वीणा मिश्रा की अदालत ने चार आरोपितों को दोषी करार दिया है. गुरुवार को न्यायालय ने राजेश राय, सुखदेव राय, विक्की राय और जनार्दन राय को दोषी ठहराया है. वहीं, बिनोद राय को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में रिहा कर दिया. दोषी पाए गए राजेश राय और बिक्की राय सगे भाई हैं. वहीं सुखदेव राय दोनों के पिता हैं. सजा की बिंदु पर सुनवाई छह जनवरी 2024 को होगी. इस मामले में जनार्दन राय जमानत लेकर बाहर था.

गोड्डा-भागलपुर ट्रेन से कटकर अधेड़ की मौत

गोड्डा । गोड्डा से भागलपुर जाने वाली संध्या लोकल ट्रेन से कटकर 55 वर्षीय अधेड़ की मौत हो गई. घटना गुरुवार शाम की है. गोड्डा स्टेशन से ट्रेन के खुलने के बाद पौडेयाहाट जाने के क्रम में गोपलाडीह के पास एक अधेड़ पटरी के बीचोबीच लेट गया और देखते देखते ट्रेन उसपर से गुजर गई. जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी होने के बाद अगल-बगल से काफी संख्या में लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई. मृत व्यक्ति की पहचान नहीं हो पा रही थी.

दो ट्रक जब्त, चालक व खलासी गिरफ्तार

धनवार (गिरिडीह) । धनवार पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बरजो मोड़ से अवैध कोयला लदे दो चौदह चक्का ट्रक को जब्त किया है. मौके पर दोनों ट्रक के चालक व एक उपचालक को भी दबोचा लिया है. दोनों ट्रक के चालक प्रदीप कुमार,जमुई व किशोर कुमार यादव जिला मुंगेर सहित एक उपचालक राजू पासवान जिला जमुई को हिरासत में लेकर जांच-पड़ताल की जा रही है. एसडीपीओ ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर समुचित कार्रवाई की जाएगी.

बाल सुधार गृह कर्मी के घर हो गई चोरी

धनबाद । बाल सुधार गृह बरमसिया के कर्मचारी सह बाबूडीह पालनगर निवासी प्रिय रंजन के घर से चोरों ने करीब एक लाख रुपये की संपत्ति चुरा ली है. प्रिय रंजन ने धनबाद थाने में मामले की शिकायत की है. बताया है कि बुधवार की रात में उनके घर पर कोई नहीं था. चोरों ने घर का ताला तोड़ दिया और घर में प्रवेश कर गए. इसके बाद कुछ जेवरात और आठ हजार रुपये नगदी की चोरी कर ली. शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है.

ब्राउन शुगर के साथ सात गिरफ्तार

आदित्यपुर । आदित्यपुर उत्पाद अधीक्षक सरायकेला-खरसावां के निर्देश पर गुरुवार को गम्हरिया तथा कांड्रा थानांतर्गत मुर्गागुटु, बोर्डी, और बुरुडीह बस्ती के नदी किनारे जंगल में संचालित अवैध शराब चुलाई अड्डा पर उत्पाद विभाग ने छापेमारी की है. यह छापेमारी क्रिसमस और नववर्ष को देखते हुए उत्पाद विभाग ने शुरू की है. जब्त हुआ है. जबकि चुलाई गई महुआ शराब 50 लीटर भी टीम ने जब्त किया है. टीम ने कारोबारियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है.

संदिग्धावस्था में पोखर से एक का शव बरामद

साहिबगंज । उधवा प्रखंड राधानगर थाना क्षेत्र के दरगाहडंगा में बुधवार के देर शाम आलाम पेट्रोल पंप के पीछे तालाब में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थिति में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई. मृतक के पुत्री रूबिना खातून के बयान के अनुसार दरगाहडंगा गांव के बहियार में छोटा पोखर के पास पिता साउद शेख 38 वर्ष खेत में मशीन से पानी दे रहे थे. देर शाम तक साउद शेख का शव तालाब में देखें जाने पर इसकी सूचना परिजनों को दिया गया.

रेलवे स्टेशन के पार्किंग में अज्ञात शव बरामद

रांची । चुटिया थाना क्षेत्र स्थित रांची रेलवे स्टेशन के पार्किंग में अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ हैं. गुरुवार सुबह चुटिया थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया. मृत व्यक्ति के बारे में बताया जा रहा हैं कि वो आसपास के क्षेत्र में भीख मांगने का काम करता है. आशंका जताई जा रही है कि ठंड लगने से उसकी मौत हुई है. खबर लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हुई थी.

---

8 अप्रैल 2018 को दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था

दहेज हत्या में पति-सास को 10 साल की सजा

संवाददाता । पलामू

जिला व्यवहार न्यायालय के पंचम जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अभिमन्यु कुमार की अदालत ने गुरुवार को दहेज हत्या के दोषी पति और सास को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इनमें जिले के तरहसी थाना के ओझापतरा निवासी पति निरंजन साव, सास मनीता देवी शामिल हैं. दोनों के खिलाफ पांच वर्ष पहले 08 अप्रैल, 2018 को भा.द.वि. की धारा 304 बी, 120 बी के तहत कांड संख्या 27/2018 दर्ज किया गया था. निरंजन ने मां के साथ मिलकर पत्नी खुशबू कुमारी को दहेज में दो लाख नकदी, सिलाई मशीन तथा वाशिंग मशीन नहीं लाने के कारण मिट्टी तेल डालकर जला दिया था. खुशबू को सदर अस्पताल डालटनगंज ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया. अदालत में साक्ष्य के आधार पर दोषी पाते हुए खुशबू कुमारी के पति व सास को सजा सुनाई.

दुष्कर्म के दोषी को 10 साल की सजा और 20 हजार जुर्माना

खूंटी । अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एडीएसजे) संजय कुमार की कोर्ट ने मानसिक रूप से विक्षिप्त युवती के साथ दुष्कर्म के दोषी हानू कड़ाईन को दस वर्ष सश्रम कारावास की सजा और 20 हजार रुपये का अर्थदंड लगया है. उसके खिलाफ मुरहू थाने में कांड संख्या 50/18 में धारा 376 भादवि दर्ज किया गया था. पुलिस के मुताबिक पीड़िता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहने के कारण उसके घरवाले उसे एक कमरे में छोड़कर काम धंधा करने जाते थे. आठ अगस्त, 2018 को हानू कड़ाईन ने पीड़िता को घर में अकेले पाकर कमरे का ताला तोड़कर घर में घुसकर उनके साथ दुष्कर्म किया था.

जानलेवा हमले के दोषी को सात वर्ष कारावास की सजा : एक अन्य मामले में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्यप्रकाश की अदालत ने तोरपा थाना कांड संख्या 57/16 में बिरसा प्रधान को धारा 307/326 भादवि में सात वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है तथा पांच हजार रुपये अर्थदंड लगाया है. दोनों ही मामलों में अभियोजन की तरफ से सहायक लोक अभियोजक निशि कच्छप ने न्यायालय में बहस की.

भाकपा माओवादी के बंद के मद्देनजर पुलिस अलर्ट

रांची । भाकपा माओवादी के शुक्रवार को बुलाये गये भारत बंद के मद्देनजर झारखंड पुलिस अलर्ट मोड में है. बंद को लेकर पुलिस मुख्यालय की ओर से नक्सल प्रभावित इलाकों के सहित अन्य एसपी को विशेष सर्तकता बरतने को कहा गया है. साथ ही सभी हाईवे औ सार्वजनिक स्थानों पर विशेष रूप से निगरानी रखने को कहा गया है. वहीं, दूसरी ओर बंद को लेकर एक्सप्रेस ट्रेनों के आगे पायलट ट्रेन चलाने को भी कहा गया है. बंद को लेकर दक्षिण पूर्व रेलवे चक्रधरपुर रेल मंडल भी अलर्ट पर हैं. पश्चिमी सिंहभूम जिला पुलिस-प्रशासन भी अलर्ट पर है. बंद को लेकर सभी आरपीएफ थाना और आरपीएफ को अलर्ट कर दिया गया है.

आओ जानें

किस वर्ष कितने नक्सल मामले हुए दर्ज

वर्ष	मामले दर्ज	वर्ष	मामले दर्ज
2000	24	2012	219
2001	106	2013	219
2002	72	2014	244
2003	113	2015	196
2004	88	2016	266
2005	118	2017	258
2006	108	2018	165
2007	122	2019	133
2008	147	2020	110
2009	321	2021	137
2010	257	2022	197
2011	302	2023	111

प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई ने मचाया तांडव

निर्माण कार्य में लगी पोकलेन और ट्रैक्टर में आग लगाई

संवाददाता । लोहरदगा

प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया के उग्रवादियों ने निर्माण कार्य में लगी कई मशीनों में आग लगा दी.

घटना को लेकर जिला पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है. आगजनी की घटना बुधवार देर रात जिले के कैरो थाना क्षेत्र के एडादोन के पास हुई है. यहां नंदिनी नहर के मरम्मत कार्य लगी एक पोकलेन मशीन और एक ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया है. घटना को अंजाम देने के बाद नक्सली मौके से फरार हो गये. पुलिस घटना में शामिल नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चला रही है. बताया जाता है कि इस घटना से निर्माण कार्य एजेंसी को करोड़ों का नुकसान हुआ है. लगभग 39 करोड़ की लागत से इस नहर की मरम्मत का कार्य चल रहा है.

पीएलएफआई के एरिया कमांडर कृष्ण यादव के दस्ते द्वारा घटना को अंजाम दिये जाने की बात कही जा रही है. कुछ समय पहले नक्सलियों ने निर्माण कार्य में लगी एजेंसी को लेवी के लिए धमकी दी थी. घटना की सूचना मिलने के बाद डीएसपी परमेश्वर प्रसाद इंस्पेक्टर मंटू कुमार सहित अन्य पुलिस के अधिकारी गुरुवार सुबह घटनास्थल पर पहुंचे.

वहां, नंदिनी डैम के नहर मरम्मती का काम कर रहे लॉड्र्स इंफ्रा कान प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मियों ने बताया कि रात के समय उग्रवादियों ने उन्हें सोते से जगाया और कहा कि यहां मौजूद मशीनों में आग लग रहे हैं. कोई भी आग बुझाने का प्रयास किया तो गोली मार दी जाएगी. आग लगाने के बाद उग्रवादी चले गए. उग्रवादियों ने इस कंपनी के अधिकारियों को इसके पहले लेवी देने को कहा था, जिसकी सूचना कंपनी ने कैरों थाना को भी दिया था. लेकिन पुलिस के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से उग्रवादियों ने फिर इस घटना को अंजाम दिया है.

लोहरदगा एसपी हारिश बिन जमां ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि उग्रवादियों की धरपकड़ को लेकर अभियान तेज कर दिया गया है. पुलिस पूरे मामले की प जांच कर रही है और जो भी दोषी होंगे उन्हें बक्सा नहीं जाएगा.

परघा में अपराधियों ने लूट की घटना को दिया अंजाम, पांच लाख की संपत्ति लूट ली

संवाददाता । बलियापुर

परघा कहालडीह रूपा अग्रवाल फर्लायस ब्रिक्स प्लांट में एक दर्जन अपराधियों ने धावा बोलकर पिस्टल की नौक पर लूट की घटना को अंजाम दिया. इस दौरान अपराधी उत्तर दिशा से पहुंचकर गार्ड निरंजन मंडल पर पिस्टल सटाकर बंधक बनाया. घटना रात बारह बजे की बताई जा रही है. अपराधियों ने गार्ड को पिस्टल सटाकर चुपचाप रहने को कहा, नहीं तो गोली मारने की धमकी दी. अपराधियों ने दस एचपी एक मोटर, पांच एचपी एक मोटर, दो एचपी एक मोटर, पावर पैक एक, पावर पैक का मोटर्स साढ़े सात एचपी, साढ़े सात एचपी मोटर, चार सौ सात वाहन की बेटरी समेत करीब पांच लाख की संपत्ति लूट ले गए. भुक्तभोगी रूपा अग्रवाल ने इस सिलसिले में बलियापुर थाना को लिखित शिकायत की है. थाना प्रभारी एसके यादव ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है. मामले को लेकर छापेमारी की जा रही है. पुलिस मामले को चोरी बात रही हैं. दूसरी ओर ताड़गाछ मोड़ के पास चोरों ने राजीव कुमार शर्मा की चार सौ सात वाहन बीआर एश 23जी4782 चोरी कर भाग निकले. घटना रात करीब 11:24 बजे की है.

बरहेल झील में आठ कछुए के साथ नौ लोग गिरफ्तार

साहिबगंज । उधवा प्रखंड राधानगर थाना क्षेत्र के पतौड़ा झील सह पंक्षी अभ्यारण्य उधवा में गुरुवार को अवैध रूप से कछुआ का शिकार करते नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के अनुसार वनरक्षी इन्द्रजीत कुमार भारती ने गुप्त सूचना के आधार पर बरहेल झील में कछुए का अवैध शिकार कर रहे तस्करों को आठ कछुआ के साथ रंगेहाथ पकड़ा है. सभी आरोपित पश्चिम बंगाल के कुम्हारपुर चौधरीपाड़ा मालदा जिला के बताये जा रहे हैं. इधर डीएफओ के निर्देश पर वनरक्षी इन्द्रजीत कुमार के बयान पर राजमहल व्यवहार न्यायालय में केस दर्ज कर किया गया है. जिसमें गिरफ्तार कथित आरोपी संजय, दीपलाल, सुदर्शन, बाबूलाल, गंगा विष्णु चौधरी, हरि लाल चौधरी, सुमन पहाड़ी, लाल बहादुर चौधरी व खुद्दू चौधरी को मेडिकल चेकअप के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा गया.

बस की चपेट में आने से बाइक सवार छात्र की मौत

गुमला । बसिया-कोनबीर ऊपर चौक में शिव चरण नामक एक यात्री बस की चपेट में आने से कोनबीर भंडार टोली निवासी बाइक सवार सुनील सोरेंग (16) की मौके पर ही मौत हो गई. बताया जाता है कि रांची की ओर से आ रही शिवचरण नामक यात्री बस गुरुवार दोपहर जैसे ही कोनबीर ऊपर चौक पहुंची सामने से आ रहे बाइक सवार सुनील सोरेंग अचानक बस के बीचो बीच जा टकराया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बस के बीचोबीच जा फंसा और मौके पर ही सुनील ने दम तोड़ दिया. मृतक सुनील संत जोसफ उच्च विद्यालय कोनबीर नवाटोली में दसवीं कक्षा का छात्र था. सैलून जाने की बात कह कर वह घर से निकला था.

धनवार में अर्ध विक्षिप्त युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

संवाददाता । धनवार (गिरिडीह)

धनवार थाना क्षेत्र के परसन ओपी के झरहा गांव निवासी लखनलाल पाण्डेय के पुत्र विपिन पाण्डेय ने फांसी के फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली. परिजनों के अनुसार, विपिन पाण्डेय अर्ध विक्षिप्त था. उसका इलाज चल रहा था. पिता लखनलाल पाण्डेय ने बताया कि विपिन बुधवार की रात रोज की तरह खाना खाने के बाद सोने के लिए अपने कमरे में चला गया. सुबह जब देर तक उसके कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो उसे आवाज दी गई, पर अंदर से कोई जवाब नहीं मिला. दरवाजा अंदर से बंद था. दरवाजा तोड़कर जब अंदर घुसे तो सभी हक्का-बक्का रह गए. विपिन फंदे पर झूल रहा था. उसने गले में फंदे डालकर आत्महत्या कर ली थी. सूचना मिलते ही परसन ओपी प्रभारी रंजन कुमार दल-बल के साथ पहुंचे और जांच-पड़ताल की. विपिन की पत्नी स्मिता पांडे के लिखित आग्रह पर थाना प्रभारी ने बिना पोस्टमार्टम के शव के अंतिम संस्कार की अनुमति दे दी. मौके पर जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि उदय सिंह, बरजो पंचायत के मुखिया सुभाष यादव, पंचायत समिति सदस्य लालजीत कुमार पाण्डेय, वार्ड सदस्य सच्चिदानंद पाण्डेय समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे.

ट्रेन की चपेट में आया उलीडीह का युवक, हाथ-पैर कटे, भर्ती

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के टाटानगर स्टेशन के समीप ट्रेन की चपेट में आकर मानगो उलीडीह निवासी 35 वर्षीय बबलू कुमार सिंह गंभीर रुप से घायल हो गया. घटना बुधवार देर रात की है. इधर, घटना के बाद रेल पुलिस ने उसे इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया और बबलू के परिजनों को इसकी सूचना दी. सूचना पाकर परिजन भी अस्पताल पहुंचे. इस घटना में बबलू का बायां हाथ और पैर कट गया है. बबलू घटना की सूचना नहीं दे पा रहा है. परिजनों ने बताया कि वे लोग उलीडीह आदर्शनगर के रहने वाले हैं. बबलू राउरकेला में वेल्डर का काम करता है. वह बीच-बीच में घर आना-जाना करता था. बुधवार को भी वह ट्रेन से घर आ रहा था. पुलिस ने सूचना दी कि वह ट्रेन से गिरकर घायल हो गया है. घटना कैसे हुई इसकी जानकारी परिजन नहीं दे पा रहे हैं.

कान्हवारा गांव के रोहित हत्याकांड में आरोपी गिरफ्तार

गोड्डा । बीते बुधवार की सुबह कान्हवारा गांव के युवक रोहित की हत्या मामले का गोड्डा नगर थाना की पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर लिया है. साथ ही पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. इस मामले की जानकारी देते हुए सदर एसडीपीओ जेपीएन चौधरी ने बताया कि बीते बुधवार की सुबह कान्हवारा पुल के नीचे से रोहित कुमार की अधजली लाश बरामद की गई थी. इस घटना के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए थे और पूरे शहर में सड़क जाम लगाकर माहौल को अशांत कर दिया था. तत्काल पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई करते हुए घटना के उद्भेदन के लिए एसआईटी का गठन कर जांच का आदेश दिया. टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में श्वान दस्ता की मदद एवं टेक्निकल सेल से मिले तथ्यों को जोड़ते हुए कांड के मुख्य आरोपी सूरज कुमार तक पहुंच गई.

महिलाओं के उत्पीड़न के मामलों की आज की जाएगी समीक्षा

संवाददाता । रांची

चार साल से अधिक समय से लंबित कांड और महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित दर्ज मामले की समीक्षा होगी. शुक्रवार को जिले एसएसपी, एसपी के साथ एडीजी अभियान कांडों को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा जारी आदेश में कहा गया हैं कि दोनों मामले से संबंधित प्रतिवेदन के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लेना सुनिश्चित करें.

झारखंड में 41919 केस लंबित : झारखंड के विभिन्न जिलों में अनुसंधान के नाम पर हजारों मामले लंबित हैं. इतने बड़े पैमाने पर केस पेंडिंग देखकर कहा जा सकता है कि पुलिस लोगों को न्याय दिलाने के लिए प्रति गंभीर नहीं है. शायद यही कारण है कि राज्य के अगल-अलग जिलों में अनुसंधान के नाम पर पुलिस ने 41919 मामलों को लटका कर रखा है. इनमें 28497 मामले गंभीर और 13422 मामले साधारण प्रवृति के हैं.

हर दिन 4 दुष्कर्म, 4 अपहरण की घटनाएं

झारखंड में हर दिन पांच महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही है. वहीं चार महिलाओं की अपहरण की घटनाएं भी हो रही हैं. बीते एक माह के दौरान, राज्य के अलग-अलग जिलों में दुष्कर्म की 149 और अपहरण की 140 घटनाएं हुई है. गौरतलब है कि महिलाओं पर होने वाले अत्याचार को रोकने के लिए कानून बनाये गये हैं. समय-समय पर जागरुकता रैली भी निकाली जाती है. फिर भी महिलाओं पर अत्याचार के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं.

18 दिसंबर से लापता महिला का शव बरामद

जमशेदपुर । जमशेदपुर के सुंदरनगर थाना अंतर्गत तुरामडीह टावर ग्राउंड पानी टंकी के पास गुरुवार सुबह एक महिला का शव पाया गया. शव मिलने की सूचना लोगों ने पुलिस को दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

मृतक की पहचान बागबेड़ा लाल बिल्डिंग निवासी 55 वर्षीय लक्खी मुनी के रूप में की गई. लक्खी को परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया था जहां से 18 दिसंबर को वह लापता हो गई थी. मामले को लेकर बेटे शंकर मुखी ने परसुडीह थाना को सूचित भी किया था. गुरुवार को लक्खी का शव बरामद किया गया. शंकर ने पुलिस को बताया कि उसकी मां की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी. शरीर में खून की कमी को लेकर उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. 18 दिसंबर को वह लापता हो गई.

ईचागढ़ के पिलीद में दुर्घटना के बाद पांच घंटे तक सड़क जाम

संवाददाता । चांडिल

रांगामाटी-सिल्ली सड़क पर ईचागढ़ थाना क्षेत्र के पिलीद गांव के पास अनियंत्रित ट्रेलर ने एक वृद्ध महिला को अपनी चपेट में ले लिया. ट्रेलर की चपेट में आने से पिलीद गांव निवासी 65 वर्षीय वृद्ध महिला मुकुट देवी अपना दोनों पैर गंवा दी. मिली जानकारी के अनुसार वृद्ध महिला सड़क पार कर रही थी. उसी वक्त सड़क पर जा रहे अनियंत्रित ट्रेलर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. ट्रेलर की चपेट में आने से महिला वहीं गिर गई और ट्रेलर का पहिया उसके पैर के ऊपर से रौंदकर पार हो गया. मौके पर पहुंची ईचागढ़ थाना की पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से उसे तत्काल इलाज के लिए निकट के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया. इसके साथ ही ग्रामीणों ने दुर्घटना के बाद भाग रहे ट्रेलर को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया.

आक्रोशित लोगों ने क्या सड़क जामः दुर्घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया. ग्रामीण सड़क के उक्त स्थान पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग कर रहे थे. ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए सड़क बनाने वाली कंपनी ने तत्काल रांगामाटी-सिल्ली सड़क के उक्त स्थान पर स्पीड ब्रेकर बनवाया. उल्लेखनीय है कि पिलीद गांव के चौराहे के आसपास सड़क दुर्घटना में अबतक तीन लोगों की जान जा चुकी है. कई बार ग्रामीणों ने सड़क हादसे को रोकने के लिए स्पीड ब्रेकर लगाने का मांग किया है, लेकिन हर बार उनकी बातों को अनसुना कर दिया जाता था.

अवैध खनन कर रहा जेसीबी और ट्रक जब्त

धनवार (गिरिडीह)। धनवार पुलिस ने गुरुवार को खोरीमहुवा एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो के निर्देश पर अवैध रूप से लाल मोरम का खनन कर रहे एक जेसीबी और एक ट्रक को जब्त किया है. मिली जानकारी के अनुसार धनवार प्रखंड क्षेत्र के करगाली पंचायत स्थित दलदल में अवैध रूप से लाल मोरम का खनन किया जा रहा था. जिसकी सूचना खोरीमहुवा एसडीपीओ को मिली थी.

सूचना पाकर धनवार पुलिस सदलबल के साथ उक्त स्थल पर पहुंची और अवैध रूप से कार्य कर रहे एक जेसीबी और एक ट्रक को जब्त कर किया. बताया जाता है कि कार्य में उपयोग किया गया ट्रक व जेसीबी दलदल निवासी साहेब अंसारी व तैयब अंसारी का है. अवैध रूप से करगाली गोरहन पचखेरो डैम के पास तथा बैजूडीह आदि जगहों में धड़ल्ले से लाल मोरम का उत्खनन किया जा रहा है.

अदालत चंदन, कुर्बान, सागर की जमानत अर्जी हुई खारिज

नीरज हत्याकांड में रिंकू को गिरफ्तार करने का आदेश

संवाददाता । धनबाद

धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह सहित चार लोगों की हत्या मामले में शूटर सप्लाई करने के आरोपी मुन्ना बजरंगी के खास रिंकू सिंह उर्फ विकास सिंह उर्फ धर्मेन्द्र सिंह को अदालत ने गिरफ्तार करने का आदेश दिया है. रिंकू सिंह पिछले 23 जनवरी को जमानत पर जेल से बाहर निकला था. जमानत मिलने के बाद से रिंकू सिंह लगातार अदालत की निर्धारित तारीखों पर हाजिर नहीं हो रहा था. इस कारण सहायक लोक अभियोजक समित प्रकाश ने गुरुवार को रिंकू सिंह का बंधपत्र रद्द करने की प्रार्थना अदालत से की थी. इस पर अदालत ने रिंकू सिंह का बंधपत्र खारिज करते हुए उसे गिरफ्तार करने का आदेश दिया.

खास बातें

- रिंकू पिछले 23 जनवरी से जमानत पर बाहर है
- रिंकू का बंधपत्र रद्द करने की प्रार्थना अदालत से की थी

ज्ञात हो कि झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रोंगन मुखोपाध्याय की खंडपीठ ने रिंकू सिंह को जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया था. पुलिस ने 12 सितंबर 2019 को रिंकू के विरुद्ध आरोपपत्र सौंपा था. मामले में आरोपियों के स्वीकारोक्ति बयान और मोबाइल के कॉल डिटेल के आधार पर 13 जून 2019 को पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था.

नीरज हत्याकांड के आरोपियों को दूसरे जेल में शिफ्ट करने का आदेश

धनबाद । जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार ने जेल अधीक्षक के आवेदन पर आदेश पारित करते हुए जेल में बंद कुर्बान अली को गुमला जेल, सागर उर्फ शिबू को कोडरमा, डब्ल्यू मिश्रा को साहिबगंज, पंकज सिंह को जामताड़ा व पिंटू सिंह को घाघीडीह जेल जमशेदपुर भेजने का आदेश दिया है. ज्ञात हो कि अमन सिंह की हत्या के बाद जेल प्रशासन ने धनबाद जेल में बंद कुछ बंदियों को सुरक्षा के लिहाज से राज्य के दूसरे जिले में शिफ्ट करने की अनुमति अदालत से मांगी थी. इसके पूर्व अदालत ने प्रिंस खान के भाई बंटी, गोडविन समेत 14 कुख्यात बंदियों को दूसरे जेलों में भेजने की अनुमति दी थी.

रंजय हत्याकांड में हर्ष सिंह सशरीर हाजिर

धनबाद । विधायक संजीव सिंह के करीबी रंजय सिंह उर्फ रवि रंजन सिंह की हत्या के आरोप में जेल में बंद आरा बेरथ निवासी नंद कुमार सिंह उर्फ बबलू उर्फ रूना सिंह उर्फ मामा को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से पेश किया गया. वह अभी रांची के होटवार जेल से बंद है. सुनवाई के दौरान जमानत पर मुक्त हर्ष सिंह अदालत में हाजिर था. वहीं अभियोजन ने गवाह पेश करने के लिए समय की याचना की, जिस पर अदालत ने अभियोजन को गवाह पेश करने का निर्देश दिया है.

आरपीएफ ने शराब के साथ दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

संवाददाता । रांची

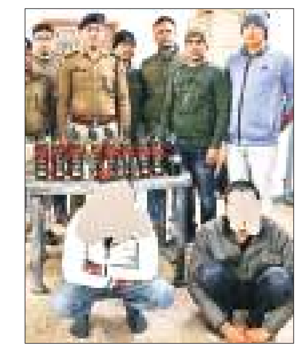

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची स्टेशन से 51000 का शराब जब्त करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार लोगों में बिहार के बरौनी निवासी विपुल कुमार और दिव्यांशु कुमार शामिल है. इनके पास से अलग-अलग ब्रांड के 24 शराब की बोतलें बरामद की गई है. आरपीएफ मंडल सुरक्षा आयुक्त इंचार्ज पवन कुमार ने गुरुवार को बताया कि ऑपरेशन सतर्क के तहत गुप्त सूचना के आधार पर मौर्य एक्सप्रेस के रांची स्टेशन पहुंचने पर ट्रेन के अंदर बोगी में संदेहास्पद अवस्था में दो बैग को देखा गया. सूचना के बाद रांची पोस्ट के आरपीएफ उपनिरीक्षक अश्वनी कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई . जांच करने पर बैग के अंदर से शराब बरामद किया गया. मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार दोनों आरोपितों ने अवैध तरीके से ट्रेन में शराब ले जाने की बात कबूला है. बरामद शराब की कीमत का बाजार मूल्य लगभग 51000 बताया जा रहा है.

पहली पाली : झारखंड विधानसभा सत्र के अंतिम दिन भी आरोप-प्रत्यारोप, नोंक-झोंक और हंगामा, वेल में आए कांग्रेस और भाजपा विधायक

बाबूलाल मरांडी को लेकर सदन में दिनभर भिड़ते रहे सत्ता पक्ष-विपक्ष के विधायक

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा के अंदर विधायक बाबूलाल मरांडी को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों में आरोप-प्रत्यारोप, नोक-झोंक और हंगामा हुआ. विधायक प्रदीप यादव ने सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कहा कि आज के सभी अखबारों में बाबूलाल मरांडी का बयान छपा है, जिसमें उन्होंने स्पीकर पर सदन में बोलने नहीं देने का आरोप लगाया है. प्रदीप यादव ने कहा कि यह विधानसभा की अवमानना है. यह विशेषाधिकार का मामला बनता है. ऐसे लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए. यह मामला एक दिन का नहीं है. यह बाहर जाकर तथ्य परख बातें नहीं बोलते हैं. अगर धीरज साहू के पास पैसा पकड़ाता है तो य कहते हैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पैसा है. इसके बाद कांग्रेस और भाजपा के विधायक वेल में आ गये और हंगामा शुरू हो गया.

जबरदस्ती बाबूलाल को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाए हुए हैं : प्रदीप

विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि वे सदन में झाविमो विधायक दल के नेता हैं, लेकिन बाबूलाल मरांडी ने झाविमो सदस्य की हैसियत से पिछले 4 सालों में कभी भी अपनी बात रखने के लिए उनसे समय की मांग नहीं की है. यह बात वह वे दावे के साथ कह सकते हैं. प्रदीप यादव ने कहा कि अमर बाउरी को यह बातें कैसे पता होंगी. वे तो जबरदस्ती बाबूलाल को अपना अध्यक्ष बनाए हुए हैं. इस दौरान वेल में भाजपा और कांग्रेस के विधायकों का हंगामा जारी था. हंगामे की देखते हुए स्पीकर ने विधानसभा के कार्यवाही दोपहर 12 :30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी.

तो बाबूलाल को हमेशा के लिए निलंबित कर दीजिए : अमर बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि प्रदीप यादव विद्वान हैं. संसदीय विषयों के ज्ञाता हैं, लेकिन उन्हें मालूम होना चाहिए कि बाबूलाल मरांडी भी इसी सदन के सदस्य हैं. विधानसभा के बही-खाते में बाबूलाल मरांडी आज भी जेवीएम के अध्यक्ष हैं. यह मामला स्पीकर के न्यायाधिकरण में चल रहा है. बाउरी ने स्पीकर से कहा कि आपने इसी मामले के कारण राजधनवार से 4 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले बाबूलाल मरांडी को 4 साल तक विधानसभा में एक भी शब्द बोलते नहीं दिया और जब बुधवार को वे हाथ उठाकर सदन में कुछ बोलने का आग्रह कर रहे थे तो उसे अनसुना कर दिया गया. उन्होंने कहा कि अब तो बाबूलाल मरांडी का नेता प्रतिपक्ष के रूप में दावा भी नहीं है. ऐसे में एक सदस्य के रूप में उन्हें बोलने दीजिए या फिर हमेशा के लिए निलंबित कर दीजिए. विधानसभा की कार्य संचालन नियमावली यह भी कहती है कि विधायक के रूप में उनको अपनी बात रखने का पूरा हक है. आप उन्हें उनकी बात कैसे नहीं रखने देते हैं. आप उनसे इतना खौफ क्यों खाते हैं. बाउरी ने कहा कि प्रदीप यादव अपने बयान के लिए सदन में माफी मांगे.

नियम के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी : स्पीकर

12 .34 में दोबारा सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद फिर से बाबूलाल मरांडी के मामले पर हंगामा शुरू हो गया. स्टीफन मरांडी ने कहा कि अवमानना मामले में स्पीकर कार्रवाई करें. स्पीकर पर बाहर आरोप लगाना गलत है. प्रदीप यादव ने भी कहा कि ऐसे सदन नहीं चलेगा. कार्रवाई करनी होगी. स्पीकर मामले का पटाक्षेप करें. संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि आसन पर आरोप लगाना गलत है. यह साफ-साफ अवमानना का मामला है. विधायक सीपी सिंह ने कहा कि यह अवमानना का मामला नहीं है. कांग्रेसी इस मामले में किस मुंह से बोल रहे हैं. विधायक सरफराज अहमद ने कहा कि आसन से इस मामले पर नियमन देना चाहिए.

इंद्रजीत के इलाज के लिए विधायक करेंगे आर्थिक मदद

सदन के अंदर विधायक ढुल्लू महतो ने सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की बीमारी का मामला उठाया. उन्होंने कहा कि इंद्रजीत महतो के इलाज में काफी खर्च आ रहा है. सदन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पैसे के अभाव में इलाज न रुके. विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि सभी 81 विधायकों को मानवता के नाते व्यक्तिगत रूप से इंद्रजीत महतो के परिवार का सहयोग करना चाहिए. इसपर स्पीकर ने कहा कि यह अच्छा सुझाव है. जिस विधायक से जितना बन पड़े वे मदद करें. इससे हम पुण्य के भागी होंगे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही अच्छा है. किये गए कार्य का लाभ होगा. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है.

वृषभ खर्च पर नियंत्रण आवश्यक है. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य पूर्ण होगा. पारिवारिक चिंता दूर रहेगी. कीमती वस्तुओं का लाभ होगा. इत्र का दान करें. किया गया कार्य लाभ देगा.

मिथुन आय उत्तम होगा. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. किया गया छोटा निवेश शुभ रहेगा. कोई बड़ा कार्य होने से आय होगी. गणेश जी का ध्यान पूजन करें.

कर्क समय अच्छा है कोई नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

सिंह आपकी मेहनत और लगन के प्रभाव से परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. आपके कार्य और प्रभाव से कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. सूर्य को जल दें.

कन्या भाग्य का साथ मिलेगा. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. कोई पुराना कर्ज परेशानी का कारण बन सकता है. कर्ज लेने से बचना चाहिए. मंगलस्तोत्र का पाठ करें.

वृश्चिक समय अनुकूल है. व्यापार में लाभ होगा. कोई नया कार्य बनेगा. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. किसी नये कार्य की चिंता तथा तनाव रहेगा. गणेश का मंत्र जाप करें.

धनु संतान सुख में वृद्धि होगी. प्रेम में धोखा मिल सकता है. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. माता की सेवा करें.

मकर संतान से लाभ मिल सकता है. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. शनि चालीसा का पाठ करें. साथ ही छाया दान भी करें.

कुंभ कार्य में वृद्धि होगी. बस आलस त्यागें. आय में वृद्धि होगी. पराक्रम बढ़ेगा. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा.

मीन भाई का सहयोग मिलेगा. पराक्रम से कार्य बन सकता है. सुख के साधन जुटेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अज्ञात भय रहेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे.

जीवन ज्योति विद्यालय में मना क्रिसमस

धनबाद । रोटरी क्लब के द्वारा जीवन ज्योति विद्यालय में क्रिसमस सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया. विद्यालय में पढ़ रहे दिव्यांग बच्चों ने क्रिसमस ट्री, सांता क्लॉज, स्नो बॉल आदि का बेहद आकर्षक डेकोरेशन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों ने कैंडल जलाकर क्रिसमस केक काटा और जिंगल बेल्स गानों की धुन पर जम कर डांस और मस्ती करते हुए क्रिसमस एवं आने वाले नववर्ष को मनाया.

झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

स्थानीय नीति को कानूनी रूप देने को दलगत भावना से ऊपर उठें : स्पीकर

विशेष संवाददाता। रांची

विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो के संबोधन के साथ शीतकालीन सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया. अपने संबोधन में स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने कहा कि 1932 की खतियान आधारित स्थानीय नीति राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि यह झारखंड की सवा तीन करोड़ जनता की भावना, अस्मिता से जुड़ा मसला है. इसलिए इसमें दलगत और राजनीतिक हित-अहित से ऊपर उठकर इसे कानूनी रूप प्रदान के लिए सभी को आगे आना चाहिए.

यह मांग झारखंड में लंबे समय तक चले झारखंड आंदोलन, संघर्ष और बलिदान से जुड़ा है. विभिन्न माध्यमों से जो सवाल आये, उसमें 90.69 प्रतिशत का जवाब सदस्यों को मिला. यह सदन की बड़ी उपलब्धि है. उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाना, जनता के अधिक से अधिक सवाल आयें और उनका समाधान हो, इस दिशा में सत्ता एवं प्रतिपक्ष दोनों का सहयोग अपेक्षित होता है. कुल मिलाकर यह सत्र सफल रहा. इसमें स्थानीय नीति विधेयक, झारखंड आंदोलनकारियों को 5 प्रतिशत आरक्षण देने समेत कुल चार विधेयक पास हुए.

खास बातें

- सदस्यों को दिया गया जनता के 90 .69 प्रतिशत सवालों का जवाब
- 1932 की खतियान आधारित स्थानीय नीति जनता की अस्मिता से जुड़ा मसला

2019 का रूप मुख्यमंत्री का दिखना चाहिए : बाउरी

प्रतिपक्ष के नेता अमर बाउरी ने अपने संबोधन में कहा कि वे पहली बार सदन में नेता प्रतिपक्ष बने हैं. इसके लिए वे अपने संगठन को धन्यवाद देते हैं. स्पीकर ने मान्यता दी. इसके लिए मैं उनका भी धन्यवाद देता हूं. इस सदन में सरकार ने अहंकार में डूब कर गद्दार जैसे शब्द का भी इस्तेमाल किया. आज राज्य चारों ओर समस्याओं से घिर चुका है. विधि व्यवस्था की कहानी धनबाद खुद कह रहा है. आज पंचायत सचिवों समेत कई युवाओं पर लाठीचार्ज हुआ. बांग्लादेशी घुसपैठ बढ़ रहा है. पिछली बार धान खरीदी का पैसा अब तक किसानों को नहीं मिला. फिर धान खरीदी की तैयारी है. भ्रष्टाचार चरम पर है. इसलिए हमलोग 2019 वाले मुख्यमंत्री और हेमंत सोरेन को देखना चाहते हैं, जो कई वादे करके सत्ता में आये.

दूसरे सेशन में 35 गैर सरकारी संकल्प के तहत आए जनता के सवाल, सरकार ने दिया जवाब

दूसरे सेशन में कुल 35 गैर सरकारी संकल्प के तहत जनता के सवाल आये, जिसका जवाब सरकार ने दिया और सदस्यों को संतुष्ट करने का प्रयास किया. झामुमो विधायक लोबिन हेब्रोम सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं हुए, इस कारण उनका गैर सरकारी संकल्प खारिज कर दिया. अंतिम दिन सदन में विपक्ष के विधायक शांतिपूर्वक सदन में रहे, लेकिन मुख्यमंत्री के भाषण के बीच में भी भाजपा और आजसू के विधायक सदन से उठकर चले गये.

विपक्षी सांसदों का निलंबन लोकतंत्र की हत्या : वृंदा करात

संवाददाता। पाकुड़

सीपीआई (एम) पाकुड़ जिला कमेटी की ओर से गुरुवार को कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन शिबानी पाल की अध्यक्षता में किया गया. सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में सीपीआई (एम) की पोलित ब्यूरो सदस्य वृंदा करात शामिल हुईं. उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में लोकतंत्र और संविधान पर लगातार हमला कर देश के फेडरल चरित्र को खत्म करने की साजिश की जा रही है. इस बार के संसद सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से संसद की सुरक्षा के संबंध में वक्तव्य दिए जाने की मांग करने पर लगभग 146 से ज्यादा विपक्षी सांसदों को संसदीय नियमों की घोर अवहेलना करते हुए निलंबित कर दिया गया. यह लोकतंत्र पर सत्ता पक्ष का एक बड़ा हमला है, जिसका डट कर मुकाबला करना होगा. इसकी शुरुआत इंडिया गठबन्धन की ओर से 22 दिसंबर को होगी और देशव्यापी लोकतंत्र बचाओ दिवस मनाया जाएगा. उन्होंने कहा कि आज राज्यपाल केंद्र सरकार के एजेंट के रुप में काम कर रहे हैं. इनका काम विपक्ष शासित राज्यों के प्रशासन में केवल अनुचित हस्तक्षेप करना रह गया है. पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि जिले में बंद पड़े पत्थर उद्योग को पुनर्जीवित करने, जिले के लाखों बीडी मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा दिए जाने, निर्माण कामगारों का रजिस्ट्रेशन कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने समेत अन्य मांगों को लेकर सीपीआई (एम) जिले के विभिन्न प्रखंडों में जनसुनवाई कर रही है. 20 जनवरी से जिले के सभी प्रखंडों में आंदोलनों को तेज किया जायेगा. मौके पर जिला सचिव गोपीन सोरेन, मो नादेर आदि शामिल थे.

खास बातें

- इंडिया गठबन्धन का देशव्यापी लोकतंत्र बचाओ दिवस आज
- सीपीआई(एम) की पाकुड़ जिला कमेटी का कार्यकर्ता सम्मेलन

भारत का प्रत्येक राज्य एक देश के जैसा : डॉ. एंड्रयू फ्लेमिंग

संवाददाता। रांची

आईआईएम रांची में चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है. इस कार्यशाला में ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कैसे किया जाए इस पर वक्ताओं द्वारा बताया गया. कार्यक्रम का नाम यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम(वाईसीपी) रखा गया है. इसमें 80 लोग शामिल हुए हैं, जिनमें से विदेश के 12 और बाकी भारत के अलग अलग राज्यों से आए हैं. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्वी और उत्तर पूर्वी भारत के ब्रिटिश उप उच्चायुक्त डॉ. एंड्रयू फ्लेमिंग उपस्थित रहे. कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत के 28 राज्यों में अविश्वसनीय विविधता, भारत के प्रत्येक राज्य एक देश के जैसा है. उन्होंने अपने स्कूल के दिनों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को याद किया और भारत में रहने के दौरान उनके द्वारा देखे गए गहन परिवर्तनों के बातों को साझा किया. आईआईएम के सामाजिक प्रभाव समिति के अध्यक्ष प्रो. गौरव मनोहर मराठे ने कहा कि यह विचार प्रतिभागियों को गांवों का दौरा करने, प्रत्यक्ष अनुभवात्मक शिक्षा में डूबने और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए सामूहिक रूप से विचार-मंथन करने में सक्षम बनाने पर केंद्रित है. इस कार्यक्रम में अलग-अलग दिन अलग-अलग वक्ता शामिल होंगे. उनमें ब्यूरोक्रेट से लेकर समाजसेवी और शिक्षाविद शामिल होंगे. आईआईएम के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने वाईसीपी छात्रों को बधाई दी तथा छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार रहने को कहा. उन्होंने पारंपरिक शिक्षा प्रणालियों की सीमाओं को पहचान करने को कहा. वाईसीपी सामाजिक बुद्धिमत्ता और सांस्कृतिक जागरूकता पैदा करने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में उभरता है. उन्होंने छात्रों को मूलमंत्र दिए.

राणी सती मंदिर बाघमारा में मंगला पाठ का आयोजन

बाघमारा (धनबाद)। राणी सती दादी मंदिर बाघमारा में गुरुवार को भव्य मंगल पाठ का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में बाघमारा व आसपास की सैकड़ों सुहागिन महिलाओं ने भाग लिया तथा मंडली द्वारा प्रस्तुत संगीतमय मंगल पाठ का आनंद उठाया. मौके पर यजमान के रूप में पूनम बसंत हेलिवाल थीं. मंगल पाठ में गायिका सरोज शर्मा और सरिता जलूका द्वारा मंगल पाठ प्रस्तुत किया गया, बकि झरिया से आई हुई नीलम अग्रवाल और उनकी ग्रुप की लगभग 30 महिलाएं और बाघमारा की महिलाएं इस आयोजन में शामिल हुई. उनमें मुख्य रूप से झरिया से आए हुए राजेंद्र गोयल, सुशील बिहानिया, गोपाल अग्रवाल, प्रदीप तुलस्यान, नीलम बिहानिया, अनु अग्रवाल, पूजा भालोटिया, नीमा अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, ओम प्रकाश हेलीवाल, नथमल खंडेलवाल आदि शामिल थे.

कतरास में अक्षत कलश का स्वागत, निकली शोभा यात्रा

संवाददाता। कतरास

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या से पूजित अक्षत कलश के कोलडम्प पहुंचने पर महिलाओं एवं युवाओं सहित पूजन एवं आरती के साथ मंदिर कमेटी की सदस्यों ने पुष्प वर्षा की और भव्य स्वागत किया.इसके बाद दुर्गा मंदिर में कलश को प्रतिस्थापित किया गया. कार्यक्रम का नेतृत्व प्रेम तिवारी कर रहे थे. इससे पूर्व राजगढ़ के शिव मंदिर से कलश का गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गयी. सैकड़ो लोग शोभयात्रा में शामिल हुए. भक्ति में लीन लोग जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे, नगर भ्रमण भगत सिंह चौक लक्ष्मी कॉलोनी, शिव कॉलोनी होते हुए दुर्गा कॉलोनी पहुंची, बताते चले कि अयोध्या जी से कलश में आया पूजित अक्षत को प्रत्येक दिन किसी न किसी मंदिर में ही रखकर पूजन एवं अर्चन करने की योजना है. तत्पश्चात अयोध्या जी से आए पूजित अक्षत, राम मंदिर का चित्र एवं आमंत्रण पत्रक को अभियान समिति के कार्यकर्ता द्वारा 1 जनवरी से 15 जनवरी के बीच घर-घर वितरण किया जाएगा. फिर 22 जनवरी पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी, सोमवार के दिन अयोध्या में श्री राम मंदिर लोकार्पण एवं रामलाल प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर स्थानीय मंदिर को केंद्रित कर रामायण पाठ, अखंड कीर्तन, सुंदरकांड पाठ, हरि कीर्तन आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. मौके पर विनोद तिवारी, इंद्रनाथ विश्वकर्मा, सुरेंद्र सिंह, विनोद सिंह, राजा चौहान, प्रिंस तिवारी आदि मौजूद थे.

श्री श्याम भजन संध्या में रातभर झूमे श्रद्धालु

मैथन (धनबाद)। श्री श्याम दीवाने एग्यारकुंड द्वारा श्री श्री श्याम सप्तम फाल्गुन महोत्सव के अवसर पर मैथन रॉयल इंटरनेशनल परिसर में भव्य श्याम दरबार सजाया गया. मौके पर भजन-कीर्तन भी आयोजित किये गये. श्याम दरबार में कोलकाता से आए भजन गायक तुषार चौधरी एवं भजन सम्राट संजय मित्तल ने श्याम भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को देर रात तक झुमाया. चंदा जैसा मुखड़ा मेरे श्याम काम का, प्यारा सा मुखड़ा घुंगराले बाल, कलयुग का राजा खाटू श्याम, मेरा श्याम आ जाता मेरे सामने आदि भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया. श्रद्धालु अपने आपको श्याम के हवाले कर भजनों पर रात भर झूमते रहे. मंडली के सदस्य विशाल अग्रवाल ने बताया कि श्याम दीवाने एग्यारकुंड के सदस्यों का यह प्रयास था कि इस वर्ष कार्यक्रम को पभव्य रूप में मनाया जाए.

हज यात्रा बिहार, झारखंड, ओडिशा, बंगाल व कतर के लोग डिलेन्यु पैकेज से गये उमरा पर

80 लोगों का जत्था हज के लिए मक्का-मदीना रवाना

रेहान अहमद। रांची

अलिफ हज एंड उमरा ट्रेवल्स झारखंड की पहल पर 80 लोगों का जत्था उमरा के लिए मक्का मुकर्रमा और मदीना के लिये गुरुवार को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से रवाना हुआ. ट्रेवल्स के संचालक सादिक खान ने बताया कि डिलेन्यु पैकेज से सारे लोग गये हैं. इसमें एक व्यक्ति पर 1.12,500 लाख रुपये का खर्च आता है. यह 17 दिनों का सफर है. इस पर 37 मोकामा का जियारत कराया जाता है. वहीं एकोनामी पैकेज प्रति व्यक्ति 90 हजार खर्च आता है. इसमें 15 दिनों के सफर में 12 मोकामा का जियारत कराया जाता है. वहीं आजमीन हज करने पर प्राइवेट में साढ़े 6 लाख रुपये एवं सरकारी स्तर पर साढ़े 4 लाख रुपये का खर्च आता है.

वर्ष 2024 में दो बड़े जत्थे उमरा पर जाएंगे

अलिफ हज एंड उमरा ट्रेवल्स की ओर से वर्ष 2024 में दो बड़े जत्थे जायेंगे. पहला जत्था 6 फरवरी को जायेगा और 22 फरवरी को आयेगा. दूसरा जत्था रमजान में 18 मार्च को जायेगा और ईद की नमाज मदीना में होगी उसके बाद 12 अप्रैल को वापस आयेंगे.

हज के सारे अरकान उमरा में भी

उमरा में भी हज के सारे अरकान (नियम) से पूरे करने हैं. गुरुवार को रांची से दिल्ली इंडीगो एयरलाइंस से गये. दूसरे दिन दिल्ली एयरपोर्ट में सभी लोग उमरा के अरकान (नियम) पूरे करने के लिये एहराम बांधेंगे, पुरुष अपने सर के बाल मुड़वायेंगे और फिर इस तरह सऊदी एयरलाइंस से मक्का के लिए रवाना होंगे.

6 जनवरी को आएंगे वापस

अलिफ हज एंड उमरा ट्रेवल्स के मैनेजर हुजैफा रिजवान ने कहा कि गुरुवार को 80 लोगों का जत्था उमरा के लिये गया है. यह जत्था 6 जनवरी को झारखंड की राजधानी पहुंचेगा. इसमें बिहार, झारखंड, ओडिशा, बंगाल व कतर के लोग शामिल हैं.

आरएसएस के ब्रह्माजी राव ने बच्चों को दिए पांच मंत्र

सिंदरी। सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय सिंदरी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रचारक सह विद्या भारती अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्माजी राव ने गुरुवार को बच्चों को पांच मंत्र दिए. उन्होंने बताया कि इन पांच मंत्रों से भारत को विकासशील से विकसित देश बनाने में मदद मिलेगी. इन मंत्रों में कड़ी मेहनत, योजनाबद्ध कार्य, गुणवत्तापूर्ण कार्य, नम्रतापूर्ण व्यवहार और देश के प्रति समर्पण का भाव शामिल हैं. इससे हमारा शरीर स्वस्थ और आयु भी बढ़ती है. धन्यवाद ज्ञापन प्रबंध समिति सचिव शशि भूषण कुमार गुप्ता द्वारा किया गया. मौके पर विद्या विकास समिति के उत्तर पूर्व क्षेत्र शारीरिक प्रमुख राजेश प्रसाद, सचिव शशि भूषण कुमार गुप्ता, प्राचार्य सुनील कुमार पाठक, उपप्राचार्य रंजना सिंह सहित पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित था.

धनबाद में गाजे-बाजे के साथ निकली क्रिसमस की शोभा यात्रा

संवाददाता। धनबाद

मिशनरी चैरिटी मेमको मोड़ के द्वारा प्रभु यीशु के जन्मदिवस को लेकर गुरुवार 21 दिसंबर को गाजे बाजे के साथ शोभा यात्रा निकाली गई . जो धनबाद के मेमको मोड, रानीबांध, सिटी सेंटर, एलसी रोड, रणधीर वर्मा चौक होते हुए स्टील गेट से वापस मिशनरी चैरिटी कार्यालय पहुंची . शोभा यात्रा में ईसाई समुदाय के सैकड़ों लोग मौजूद थे . शोभा यात्रा में मौजूद फादर थोम क्रिसतियान ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रभु यीशु मसीह दुनिया के ऐसे पहले और आखिरी व्यक्ति रहे हैं, जिन्होंने कभी किसी स्कूल में नहीं पढ़ाया, फिर भी पूरी दुनिया ने उन्हें अपना गुरु माना. उनका कोई दास नहीं था फिर भी लोगों ने उन्हें राजा कहा .उन्हें कूस की मृत्यु दी गई और दफना दिया गया फिर भी वे आज हमारे जीवित प्रभु यीशु मसीह हैं. इस प्रकार हम एक जीवित मसीह की आराधना करते हैं और आज यहां उसी प्रभु के जन्मोत्सव की खुशी को बांटने के लिए एक साथ एकत्रित हुए हैं. फादर ने कहा कि 1950 में 25 दिसंबर के दिन ही मदर टेरेसा ने कलकत्ता में मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना की थी जो एक रोमन कैथोलिक स्वयंसेवी धार्मिक संगठन है. यह संगठन दुनिया के 130 से भी अधिक देशों में विभिन्न मानवीय कार्यों में योगदान दे रहा है. इसकी 5500 से भी अधिक ईसाई मिशनरियों की मंडली है. इसमें शामिल होने के लिए नौ वर्षों की सेवा और परीक्षण के बाद, सारे ईसाई धार्मिक मूल्यों पर खरा उतारकर इस संगठन के विभिन्न कार्यों में अपनी सेवा देने के बाद ही शामिल किया जाता है.

हेमंत सरकार का आभार व्यक्त कर धन्यवाद जताया, कहा - जय झारखंड

सरकार की नीयत इस मामले में साफ नहीं : ढुल्लू महतो

बाघमारा भाजपा विधायक ढुल्लु महतो का कहना है कि सरकार पूरे झारखंड प्रदेश के जो बेरोजगार युवा हैं उनसे रोजगार देने का वादा कर सरकार सत्ता में आयी है. लेकिन यह सरकार उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है. आनन फानन में बिना चर्चा के इस बिल को दोबारा भेजा गया है . न इस पर कोई चर्चा हुई न ही बहस. यह सरकार की गलत सोच है. हमारा इस विधेयक पर कोई विरोध नहीं है. पिछली बार हमने इसका समर्थन किया था लेकिन सरकार की नीयत इस बार भी बिल को पास करने की नहीं है, बल्कि सिर्फ राज्य की जनता को बहलाना है

32 का खतियान झारखंडियों के रग-रग में : वैद्यनाथ राम

लातेहार से जेएमएम के विधायक वैद्यनाथ राम का कहना है कि हम इस विधेयक के लिए गंभीर हैं और इसलिए इसे दोबारा भेजा गया है. यह झाररखंडियों की भावना से जुड़ा हुआ मामला है. यह उनके रग रग में शामिल है. इसमें कहीं कोई शक नहीं है. विपक्ष की मंशा कामयाब नहीं होगी ये जल, जंगल, जमीन की सरकार है. हम अपनी नीतियों में कोई भी बदलाव नहीं लाएंगे. यह जल्द ही लागू किया जाएगा.

जेएमएम ही यह विधेयक पास कराएगा : मथुरा महतो

''टुंडी के झामुमो के विधायक मथुरा महतो का कहना है कि यह विधेयक सरकार ने दोबारा भेजा है. यह राज्य के युवाओं के हित में है. आने वाले समय में इससे राज्य की जनता को लाभ होगा. विपक्ष के पास कोई मुद्दा बचा नहीं है और इसे लेकर वह राजनीति कर रही है, लेकिन राज्य की जनता इस बात को अच्छी तरह समझ रही है. आने वाले समय में जनता इसका जवाब भी देगी. यह बहुत जरुरी मामला है. इसको जल्द लागू करना है. इसे लेकर राज्य सरकार काफी संवेदनशील है.

जनता को सिर्फ धोखा दे रही है राज्य सरकार : सरयू राय

जमशेदपुर पूर्वी से निर्दलीय विधायक सरयू राय का कहना है कि इस मुद्दे पर सरकार जनता को धोखा दे रही है. सरकार यह दिखाना चाह रही है कि वह इस बिल को पास करवाना चाहती है. लेकिन सच्चाई यह है कि वह इसके लिए कुछ भी नहीं कर रही है. सरकार ने इस विधेयक को हुबहू भेजा है. जो इस बात का सबूत है. उन्होंने कहा कि अभी नियुक्तियां नहीं हो रही हैं सरकार आखिर किस नीति के तहत नियुक्तियां कर रही है ये भी सरकार को बताना चाहिए. सरकार यह चाहती है कि जो हो रहा है वही आगे भी होता जाए और जनता भ्रम की स्थितf में रहे.

मामला गंभीर है,इस पर चर्चा नहीं कराना गलत : नवीन जायसवाल

हटिया से भाजपा विधायक नवीन जायसवाल का कहना है कि पिछले साल इस मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार का साथ दिया था और इस बिल को ध्वनि मत से पास करवा कर भेजा था.हमने कहा था कि यह झारखंड की भावना से जुड़ा हुआ बिल है. इसलिए इसे इस तरह से भेजा जाए ताकि कोई त्रुटि न रहे. साथ ही यह बिना अड़चन के पास हो. इस बार भी अगर सरकार इस मुद्दे पर सदन में चर्चा करवाती तो हम भी अपनी बातें रखते. लेकिन सरकार ने यह जरूरी नहीं समझा. इस मुद्दे पर बोलने के लिए हमने स्पीकर से समय भी मांगा, लेकिन उन्होंने सिर्फ सत्ता पक्ष को ही मौका दिया. हम यह सुझाव देना चाहते थे कि वाकई सरकार इसके लिए गंभीर है, तो इसे विधानसभा में लाने की जरूरत क्या है. इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर सरकार कितनी गंभीर है इसका अंदाजा लगाने के लिए यह काफी है.

सरकार को झारखंडियों की कोई चिंता नहीं : लोबिन हेंब्रम

बोरियो के झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम का कहना है कि मुझे पूरा भरोसा था कि इस विधेयक को लेकर सदन में बहस होगी और चर्चा भी होगी. लेकिन बिना किसी बहस या चर्चा के इसे पारित कर दिया गया और नौवीं अनुसूची में भेज दिया गया. जबकि इसे नवीं अनुसूची में भेजने का कोई तुक नहीं बनता. ये सिर्फ धोखा है. यह दुख की बात है. छात्र-छात्राओं का भविष्य क्या होगा. इसकी चिंता इस सरकार को बिल्कुल भी नहीं है. यह सरकार आदिवासियों और मूल वासियों के लिए कुछ भी नहीं कर पाई. जबकि इसी मुद्दे पर सरकार ने मुंडा सरकार से समर्थन वापस लिया था.

बाहरी से ज्यादा झारखंडियों के लिए बड़ा सवाल...झारखंड में आप हैं कौन?

पुरखों के नाम दस्तावेज में, वहीं झारखंडी

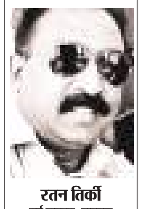

रतन तिर्की
पूर्व सदस्य, ट्राइबल एडवाइजरी कमेटी (टीएसी)

किस तरह चारों ओर से हम खतियानी झारखंडियों के संवैधानिक, संसदीय और कानूनी अधिकारों को जबरन कुचला जा रहा है. हमारे झारखंडी सांसद- विधायक अगुवागण राष्ट्रीय पार्टियों की गुलामी खटते रहते हैं. आइए जानते हैं संक्षेप में कि क्या है ड ोमिस इ ल यानि झारखंड में स्थानीय कौन है, यानि झारखंडी कौन है. पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने जिस डोमिसाइल नीति को लागू कर दिया था, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी और अंततः कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया. क्या थी वह डोमिसाइल नीति? सीधे सरल शब्दों में जानकारी दूं कि जिला में जन्मे व्यक्ति, जिनके पुरखों के नाम जमीनी दास्तावेज/ बासगीत परचा आदि में दर्ज हो, वहीं डोमिसाइल कहलाएगा.

1982 के बिहार के संकल्प को 2002 में बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में लागू किया था : मालूम हो 1982 में बिहार में कर्पूरी ठाकुर की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई और संकल्प पत्र जारी किया गया. सभी पार्टियों की सहमति बनी, निर्णय लिया गया कि जिले में जन्मे व्यक्ति को ही उस जिले का स्थानीय व्यक्ति माना जाएगा. इस पर सभी दलों- संगठनों ने सहमति जतायी थी और इसी का बिहार राज्य में संकल्प बना था, जिसे 2002 में प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में लागू कर दिया था.

बस यहीं से साजिश शुरू हो गयी. भाजपा, राजद, कांग्रेस और बिहार में राजनीति करनेवालों और झारखंड में रहनेवाले बहिरागत निवासियों में हड़कंप मच गया, क्योंकि अधिकांश ऐसे लोग भी थे, जिनके पास जमीन का कागजात मसलन खतियान ही नहीं था. हमलोगों ने उस वक्त के आदिवासी व खतियानी झारखंडियों के हक-अधिकार के लिए लड़ने वाले बंधु तिर्की और तब सालखन मुर्मू के साथ क्रमबद्ध जबरदस्त आंदोलन किया. बंधु तिर्की और हमलोगों ने मिलकर कोर्ट में केस किया और दिल्ली से वकील का बंदोबस्त किया था. मंथन, माथापच्ची, मगजमारी हुई, लेकिन ये बहिरागत घर के वकील ही भेदिया और दुश्मन निकल गए. हम फेल हो गए.

भाजपा ने 1985 का कार्ड खेल दिया, दूसरी पार्टियों ने समर्थन किया : बाद में संघ परिवार भी काफी सक्रिय हो गया. बिहार-यूपी के आईएएस-आईपीएस और अन्य बहिरागत पदाधिकारियों, पत्रकारों, अखबारों ने भी बाबूलाल मरांडी के खिलाफ लाबीबाजी शुरू कर कर दी. और बाबूलाल मरांडी को मुख्यमंत्री पद से हटाकर अर्जुन मुंडा को मुख्यमंत्री बना दिया गया. उधर सब योजनाबद्ध तरीके से चल रहा था, जिसमें झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता ने बाबूलाल मरांडी द्वारा लागू की गयी स्थानीय नीति को झारखंड हाईकोर्ट से खारिज करा दिया. लेकिन कोर्ट ने यह भी कहा कि झारखंड सरकार चाहे तो अपनी स्थानीय नीति बना सकती है. तो तब से लेकर कई सरकारें आयीं-गयीं, पर किसी ने स्थानीय नीति बनाने की हिम्मत नहीं की. बाद में जब लगातार हमलोगों ने दबाव बनाया, तो भाजपा ने इस पर 1985 का कार्ड खेल दिया. ये तो भाजपा ने अपने मन मुताबिक स्थानीय नीति बनायी, जिस पर राजद, आजसू सहित अन्य कई राजनीतिक दलों ने भाजपा का मौन समर्थन किया था. 1985 को कटऑफ वर्ष मान लिया गया और फिर क्या था, दनादन नौकरियों में सबको भर्ती किया गया. राष्ट्रीय पार्टियों के चक्कर में फंसे हमारे आदिवासी और खतियानी झारखंडी सांसद-विधायकों ने अपनी कुर्सी व पद बचाने के चक्कर में चुप्पी साध ली. बहिरागत आबादी के वोट का भी सवाल था.

अब हेमंत सरकार पर 1985 कटऑफ स्थानीय नीति को समाप्त करने का दबाव

अब हेमंत सरकार पर दबाव बनाया जा रहा कि नियोजन नीति से पहले 1985 कटऑफ स्थानीय नीति को खत्म कर पुन: जिला को आधार मानकर स्थानीय व्यक्ति को परिभाषित किया जाए. हेमंत सोरेन ने तो पहले ही घोषणा पत्र में 1932 के खतियान के सवाल पर अपनी सहमति जता दी थी. हेमंत सोरेन ने भी समय की मांग और राजनीतिक चपलता का परिचय देते हुए विधानसभा में घोषणा कर दी थी कि जल्द ही 1932 की खतियान आधारित नियोजन नीति पर विचार –विमर्श कर स्थानीयता तय कर दी जाएगी और यह आज फिर दोहरा दी गयी. भले राज्यपाल ने इसे एक बार लौटा दिया है. 1932 के बदले बिहार सरकार के 1982 के संकल्प, जिसमें सभी दलों ने जिला को स्थानीय व्यक्ति का आधार सर्वसम्मति से माना था, के आधार पर तय हो कि झारखंड में स्थानीय व्यक्ति वही होगा, जिसके पुरखों का नाम उसके खतियान में दर्ज होगा. यही सही होगा आज के परिप्रेक्ष्य में.

झारखंड में झारखंडी कौन? इसे लेकर संघर्ष हो

अब फिर शुरू होगी डिवाइड एंड रुल की चाल. मतलब हिंदु, मुसलमान, ईसाई, सरना वगैरह –वगैरह . लेकिन मेरा सुझाव मानिए. संघर्ष और मांग सिर्फ इस पर हो कि झारखंड में झारखंडी कौन? यही संविधान की देय अधिकारिक मांग है! पांचवीं अनुसूची, पेसा कानून, सीएनटी/ एसपीटी एक्ट, वनाधिकार कानून (एफआरए), समता जजमेंट वगैरह. तभी वीर बिरसा मुंडा, सिदो–कान्हू की मांग– "अबुआ दिशुम अबुआ राज" के बारे आप सोच सकते हैं..नहीं तो गुलामी खटते रहिए. सवाल एक ही है और वो है झारखंड में आप कौन हैं ? ये बहिरागत आबादी से ज्यादा बड़ा सवाल आप झारखंडियों के लिए है.

लटकाओ, भटकाओ और अटकाओ की नीति अपना रही : अनंत ओझा

साहिबगंड के भाजपा विधायक अनंत ओझा का कहना है कि 1932 के आरक्षण विधेयक पर सरकार लटकाओ, भटकाओ और अटकाई की नीति अपना रही है.अगर सरकार चाहती तो इसे कैबिनेट से ही पास करवा देती, लेकिन ऐसा नहीं कर सरकार ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है. भारतीय जनता पार्टी राज्य के युवाओं के साथ खड़ी है क्योंकि रोजगार राज्य का विषय होता है और रघुवर दास के कार्यकाल में सरकार ने एक लाख लोगों को रोजगार देने का काम किया था. लेकिन इन्हें नौकरी देना नहीं है और युवाओं में भ्रम की स्थिति पैदा कर रही है. न तो इनकी नीति स्पष्ठ है न ही नीयत. ये लगातार राज्य के युवाओं के भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं.

1982 के बिहार के फैसले के हिसाब से भी यह सही : शिल्पी

मांडर से कांग्रेस के विधायक शिल्पी नेहा तिर्की का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी वही है जिन्होंने अपने कार्यकाल में 1985 आधारित डोमिसाइल नीति पारित की थी. हम 1932 पर कायम थे, हैं और आगे भी रहेंगे. विपक्ष दोनों नाव में पैर रखना चाहता है. 1982 में अविभाजित बिहार में श्रम विभाग के द्वारा एक बजट आया था. जिसमें तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी में 100 प्रतिशत रिजर्वेशन की बात थी . अगर उसे भी सही मानेंगे तो इस राज्य में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी में स्थानीय लोगों को आरक्षण देना सरकार का वादा है और हम इसे पूरा करेंगे.

1932

के खतियान आधारित स्थानीय नीति के पारित होने से झारखंडियों में खुशी का माहौल

हेमंत सरकार ने 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति को विधानसभा से फिर पारित करा लिया है. इससे खतियानधारी झारखंडी बेहद खुश हैं. उन्होंने 'अब मिला है झारखंडियों को उनका असली हक, यह तो होना ही चाहिए, यह झारखंडियों की असली पहचान है, जैसी बातें ' कह कर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है. इसके लिए झारखंडियों ने हेमंत सोरेन सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद भी दिया है. लेकिन बहुत से लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि जो लंबे समय से झारखंड में रह रहे हैं और जिनके पास 1932 का खतियान नहीं है, उनका क्या होगा. क्यों नहीं 1964 के खतियान को मान्यता दी गई. झारखंड 2000 में बना तो 1932 के खतियान को ही क्यों प्रमुखता दी गई. वर्ष 2000 से पहले से रहने वाले को क्यों नहीं नीति में स्थान दिया गया. दूसरी ओर अंतिम सर्वे को ही स्थानीय नीति के लिए आधार बनाए जाने की बात कही है. ऐसे बहुत से सवाल लोगों ने उठाए हैं. पर स्थानीय नीति से दोबारा पारित हो जाने से सभी खुश हैं. जो स्थानीय नीति पारित की गई है. उसके अनुसार जिनके पूर्वजों के नाम 1932 के खतियान या उससे पहले के सर्वेक्षण में दर्ज है, वे स्थानीय माने जाएंगे. भूमिहीन व्यक्तियों के मामले में स्थानीय व्यक्ति की पहचान ग्राम सभी करेगी. इस विधेयक के तहत परिभाषित व्यक्ति राज्य मैं सामाजिक सुरक्षा, सामाजित बीमा और रोजगार के प्रमुख हकदार होंगे. विधेयक के तहत परिभाषित व्यक्ति राज्य के स्थानीय वाणिज्यिक उपक्रमों जैसे झीलों, नदियों, मत्स्य पालन के भी हकदार होंगे. तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की नौकरियां1932 के खतियानधारियों के लिए आरक्षित होंगी. शुभम संदेश ने इस संदर्भ में राज्य के विभिन्न जिलावासियों और राजनीतिज्ञों की राय जानी है. पेश है रिपोर्ट.

अब मिली असली पहचान

हमारे सहयोगी लगातार.इन पर मिली टिप्पणी

मैं स्थानयी नीति का समर्थन करता हूं , लेकिन क्रीमी लेयर वाला ही नौकरी करे तो यह ठीक बात नहीं है .
विकास (गोला)

बिलकुल सही है,1932 के बाद वालों को अन्य राज्यों की तरह 10 परसेंट आरक्षण दिया जाय.
शेखर कुमार, दुमका

बहुत ही शुभ और मंगलकारी होगा झारखंड वासियों के लिए, इसके लिए हेमंत सोरेन जी को बहुत बहुत धन्यवाद .
गंगाधर गंझू, रांची

जहां सेटलमेंट 1964 में हुआ, उनको क्या मान्यता दी जायेगी. इस पर फिर से विचार किया जाना चाहिए.
प्रदीप कुमार पान, चाईबासा

मैं सहमत हूं। लेकिन केवल खतियान आधारित होता तो और अच्छा होता. जैसे हमारे पास 1964 का खतियान है.
मकरध्वज महतो, मनोहरपुर (पश्चिमी सिंहभूम)

कोल्हान प्रमंडल में 1964 में आखरी सर्वे हुआ है तो यहां के निवासियों को 1932 का खतियान कहा से मिलेगा.
गुरुचरण रजवार, पूर्वी सिंहभूम

आरिजिनजल झारखंडी के लिए एकदम सही है (झारखंड सरकार जिंदाबाद)
द्वारिका मानकी, सरायकेला खरसांवा

पीपुल नीड जॉब, नो मैटर वाटेवर नियोजन नीति इंप्लीमेंटेड
दीपक, देवघर

1932 खतियान के तहत स्थानीय नीति बिल्कुल सही है.
मो. कौसर अंसारी, हजारीबाग

ऐसे तो बहुत के पास 1932 का खतियान नहीं होगा. जो सालों से रह रहा है उसका क्या होगा.
मो. सैय्यद अंसारी, साहिबगंज

विधेयक में पास किया गया 1932 का खतियान के नियमों से सहमत हूं. झारखंड के हित में नियम बनाने के लिए विधायकों को धन्यवाद कहता हूं.
उचित कुमार, रामगढ़

मैं लातेहार से हूं और आपका बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं कि 1932 का खतियान लागू हो रहा है.विधेयक में पास किए गए 1932 के खतियान के नियमों से सहमत हूं .
अजय सिंह, लातेहार

होना चाहिए, जय जवान जय किसान.
सागर मुर्मू, जमशेदपुर

खतियान आधारित स्थानीय नीति होनी चाहिए.
मलिंदर, जमशेदपुर

सुरक्षा कबच है 1932 झारखंड के लिए.
घनश्याम कुमार महतो, धनबाद

1932 आधारित नीति झारखंड और झारखंडियत के लिए बहुत जरुरी है. झारखंड अलग होने के बाद भी आज का आदिवासी बहुत पीछे हुआ है. बहुत सारी चीजों से बंचित है. इसलिए कहीं न कहीं यह अधिकार और हक मिलना चाहिए. जय हिन्द, जय झारखंड.
मो. खालिद, खेलारी

स्थानीयता की पहचान हेतु 1932 का खतियान् जरूरी है, लेकिन सर्वे का खतियान् तो सरकार के पास भी नहीं है. क्योंकि मौजूदा परिस्थिति मे आम जनता के पास सभी के पास है ही नही. तो इसका लाभ कैसे मिलेगा.
प्रवीण कुमार चरणपहाड़ी, गिरिडीह

ये झारखंड सरकार का बहुत ही अच्छा प्रयास है, बहुत दिनों से राज्य वासी 1932 आधारित स्थानीय नीति की मांग कर रहे थे. राज्य वासियों में अभी खुशी माहौल है, इस कार्य के लिए झारखंड सरकार को बहुत–बहुत धन्यवाद.
निरज बाड़ा, लोहरदगा

बहुत अच्छी बात है. यह नियम लागू होना चाहिए.
गुलजार अंसारी, गिरिडीह

1932 का खतियान पास होना चाहिए.
भरत चंद महतो, चांडिल

द पॉइंट इज राइट, सूड बी इंप्लीमेंटेड
रितेश टोप्पो गुमला

हमारे राज्य के मुख्यमंत्री के द्वारा यह विधेयक पास किया गया है. जिससे कई अपरिभाषित व्यक्ति हमारे झारखंड में छुप के रह रहे थे वे अब सामने आ सकेंगे और वे लोग खुद की पहचान बताने में सक्षम होंगे. इस तरह के विधेयक से यह भी पुष्टि हो पाना संभव होगा कि हमारे राज्य में भी कहीं न कहीं दूसरे जगह के व्यक्ति सरकार यहां के व्यक्ति जिसे नौकरी का अधिकार है उसे न मिल कर अपरिभाषित लोगों को मिल रहे हैं. और ऐसे कई लोग ऐसे होंगे जो आतंकवादी भी हो सकते हैं. इस विधेयक से हमारे राज्य, हमारे लोग और उनके नौकरी बच जायेंगे. मैं इस कार्य के लिए मुख्यमंत्री जी श्री हेमंत सोरेन जी का आभार व्यक्त करता हूं.
राज कुमार दास, गिरिडीह

नियोजन नीति को जोड़ना चाहिए : राजेश कुमार

राजेश कुमार युवा सामाजिक कार्यकर्ता बिरनी गिरिडीह का कहना है कि 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति के साथ नियोजन नीति को भी जोड़ना चाहिए. जिसके पास खतियान नहीं है, ऐसी स्थिति में भाषा संस्कृति और उक्त स्थान पर कितने दिनों से निवास कर रहे हैं तथा उन्हें झारखंड की क्षेत्रीय भाषा की जानकारी होनी चाहिए.

1932 नहीं बोटर लिस्ट के आधार पर होना चाहिए.
अजित कुमार, धनबाद

1932 का खतियान तुरंत लागू हो. झारखंड झारखंडियों का है.
चिनमय राणा, गिरिडीह

1932 लागू करना है तो जल्दी कीजिए ओर 90%आरक्षण आपने हित में हो.
रवि, गिरिडीह

राज्य स्तरीय नौकरियों में 90% झारखंड के 1932 आधारित स्थानीय लोगों नौकरियों कब मिलेगी.
परीक्षित रजवार, चास बोकारो

उनका क्या होगा, जो 60 साल के तबके बिहार और आजे के झारखंड में रह रहे हैं.
जाबेद आमल, लातेहार

सबसे ज्यादा खनिज संपदा के बाद भी बहुत पीछे है झारखंड, 2024 में बड़ा बदलाव जरुरी है.
सनोज पासवान, हजारीबाग

राज्य सरकार का यह एक एतिहासिक कदम है. इनसे यहां के स्थानीय लोगों को उनका हक और अधिकार मिलेगा.
रमेश टुडु, धनबाद

1932 आधारित खतियान हम झारखंडियों के लिए बहुत ही अच्छा और सरकार द्वारा किया गया कार्य बहुत अच्छा है.
पिंटू कुमार, बलियापुर

1932 आधारित नियोजन नीति जरुरी है. ऐसे थर्ड और फोर्थ ग्रेड नौकरी मिलनी चाहिए.
लोकनाथ मूर्मू ,धनबाद

आनेवाले समय के लिए 1932 खतियान का लाभ अब झारखंडवासी उठा सकेंगे. अब हमें असल राज्य मिला है.
अजीमुद्दीन अंसारी, जमशेदपुर

द 1932 एक्ट सूड बी इंप्लीमेंटेड फॉर आवर झारखंडी आलरेडी आल झारखंड हेंडेड ओवर अदर स्टेट पीपुल.
प्रकाश कुमार रवि, रामगढ़

1932 के लिए सरकार का अच्छा निर्णय, लेकिन गवर्नर और बीजेपी फिर से लूटने का काम करेंगे.
विश्वनाथ मूर्मू, देवघर

है तो ठीक लेकिन राज्यपाल बार बार लौटा देते हैं. झारखंड में कुछ ऐसे लोग भी हैं जो बहुत पुराने बसे हुए हैं. लेकिन उनका खतियान नहीं उसका क्या होगा.
सत्येन्द्र तिवारी, चतरा

अपने–अपने राज्य के निवासियों को अपने हक अधिकार मिलने चाहिए. जिससे गांव के गरीब वर्ग के किसान मजदूर पूत्र थर्ड और फोर्थ ग्रेड के नौकरी कर अपने जीवन यापन कर सके.
सुधीर साहू, पटना (बिहार)

हम 1932 का समर्थन करते हैं. हर स्टेट की नियोजन पॉलिसी है. बस झारखंड की नियोजन पॉलिसी नहीं है. इसलिए ये 1932 का खतियान बहुत जरुरी है. यही हम झारखंडियों की पहचान है.
रोहित सोरेन, गुमला

झारखंड राज्य बनता है 2000 में और यहां का स्थानीय माने जायेंगे वो जो 1932 के पहले के हैं, ये गलत है. जब झारखंड राज्य बना उस समय जो इस राज्य में रहते थे. उसको स्थानीय माना जाना चाहिए.
सचिन कुमार पासवान. चाईबासा.

कोल्हान में 1932 का खतियान सबके पास नहीं हैं. 1964 का खतियान सबके पास हैं. इसलिए दोनों खतियान को मान्यता मिले. अन्यथा कोल्हान को अलग राज्य घोषित किया जाए.
मनीष कुमार, आदित्यपुर

अवश्य होना है तभी राज्य के युवाओं को सरकारी नौकरी में अवसर मिल सकता है. इसके साथ ही साथ नियोजन में 90से 95% सीट स्थानीय के लिए सुरक्षित हों. ये भी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है.
सीमा देवी, जामताड़ा

गुड डिसिजन.
पूजा माजी, बोकारो

1932 लागू हो.
हुतसर कुमार, रामगढ़

गॉर्ड हेल्प अस,
राजेश सोरेन, ईचागढ़

1932 का खतियान लागू होना ही चाहिए.
बबलू, बोकारो

बहुत सही है, 1932 लागू होना चाहिए.
नूर मोहम्मद आंसारी, लोहरदगा

आई एग्री बीथ इट.
डेविड कुमार महतो, धनबाद

सर मेरा भी यही कहना है कि अगर झारखंड प्रदेश में 1932 का खतियान की तर्ज पर विधेयक पारित की जाती है या महामहिम मुर्मू उक्त विधेयक को मंजूरी प्रदान करती है झारखंड प्रदेश में एक छोटी सी मीचिस की तिल्ली जैसा काम होगा.
मधुसुदन बिरुआ, जमशेदपुर

ये बकवास है. चुनावी राजनीति है. 1932 का खतियान कोल्हान में किसी के पास नहीं है. हेमंत सोरेन सरकार को सिर्फ एक आदमी चला रहा है सुप्रियो भट्टाचार्य जो जेएमएम को आगामी चुनाव में ले डूबेगा. ओबीसी आरक्षण को जिला स्तरीय पद में 0 कर दिया और स्वर्ण आरक्षण ईडब्ल्यूएस जहां पर उनकी संख्या भी नहीं है वहां 10% सीट दे दिया.
विश्वजीत गोप, जमशेदपुर

जिनके पूर्वजों का नाम 1932 के खतियान या उससे पहले के सर्वेक्षण में दर्ज है, वे स्थानीय माने जाएंगे. भूमिहीन व्यक्तियों के मामले में स्थानीय व्यक्ति की पहचान ग्राम सभा करेगी. इस विधेयक के तहत परिभाषित व्यक्ति राज्य में सामाजिक सुरक्षा, सामाजीक बीमा और रोजगार के प्रमुख हकदार होंगे. विधेयक के तहत परिभाषित व्यक्ति राज्य के स्थानीय वाणिज्यिक और सांस्कृतिक उपक्रमों जैसे झीलों, नदियों, मत्स्य पालन के भी हकदार होंगे. थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी 1932 के खतियानधारियों के लिए आरक्षित रहेगी.
राकेश कुमार महतो धनबाद

वेरी गुड. **अरुण कु, डालटनगंज**

गुड. **हरि प्रसाद मुर्मू, बोकारो**

ओके, **प्रीतम, गुमला**

1932 गुड **सुनील कुमार यादव, कोडरमा**

सही है. **नंदराम यादव, देवघर**

वेल द बेस्ट. **बिनोद कुमार सिंह, डालटनगंज**

जय झारखंड. **मुन्ना कुमार, गोड्डा**

होना जरूरी है. **दारा सिंह चाम्पिया, नोवामुण्डी**

सही है. **अजित कुमार, जपला**

1932 लागू होना चाहिए. **बुद्धदेव कुशवाहा, सिल्ली**

सर्वश्रेष्ठ. **अंकित यादव, गोरखपुर**

एम आई नॉट एप्लीकेबल. **मनीष यादव,सासाराम**

ओके. **मनोज मरांडी, धनबाद**

अच्छा काम **आर के तिवारी, मेदिनीनगर**

गुड डिसिजन. **पूजा माजी, बोकारो**

एबसलुटली राइट. **इसाहुल हक शाह,गढ़वा**

1. राजनीतिज्ञों ने सरकार की मंशा पर उठाए सवाल कहा - राज्य सरकार जनता को भटका रही है
2. अंतिम सेटेलमेंट को आधार बनाने पर कइयों ने दिया जोर,सरकार 32 का राग न अलापे
3. झामुमो को अपने पर पूरा भरोसा, कहा- हमारी सरकार इस मामले पर गंभीर, जल्द लागू होगी

मामले को जानबूझकर लटकाना चाह रही सरकार : शैलेंद्र महतो

पूर्व सांसद शैलेन्द्र महतो ने विधानसभा में 1932 की खतियान पारित होने पर कहा है कि यह एक राजनीति खेल है. बिहार में जो स्थानीय नीति बनी है वह खतियान से बनी है. उसमें कहीं भी कोई तारीख नहीं लिखी है. उसमें अंतिम सर्वे का खतियान है वह होना चाहिए. यह विधेयक पारित करने के बाद यह बात भी सामने आएगी जिसमें कोल्हान में 1965 में सर्वे हुआ था. उस समय सर्वे में 1956 में जब एसआरसी कमीशन के द्वारा पुरुलिया बंगाल में चला गया था और झारखंड में ईचागढ़, नीमडीह और पटमदा आ गया था. सरायकेला-खरसावां 1915 से लेकर 1947 तक ओडिशा के पास गया था, वह पुनः 18 मई 1948 को वापस आ गया. इसलिए 1965 को फिर से सर्वे हुआ. उन्होंने कहा कि यहां जिस दिन 1932 का खतियान लागू होगा उस दिन वे लोग छूट जायेंगे, इसलिए वे इसे नहीं मानते.

अलग-अलग सर्वे हुए हैं

शैलेंद्र महतो ने कहा कि यह बिल्कुल भी उचित नहीं है. कोई सीमा रेखा या कोई लक्ष्मण रेखा इसमें तय नहीं है. विभिन्न समय में और विभिन्न जिलों में अलग–अलग ढंग से सर्वे हुए है, ऐसे में सरकार इसे जानबूझकर लटकाना चाह रही है. हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए तत्पर नहीं है और सरकार जानबूझकर यह कर रही. सरकार ने चार साल ऐसे ही गलफत में बिता दिए और अब एक साल बाकी है. यह एक साल भी ऐसे ही बीत जाएगा. जनता जानती है कि 1932 का मामला सफल नहीं होगा. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने विधानसभा में खुद ही भाषण दिया था कि यह विधेयक कोर्ट में जाने पर कोर्ट उसे रिजेक्ट कर देगी. यह भली भांति जानते हुए भी वे बच्चों की तरह यह काम कर रहे हैं.

बिहार की तर्ज पर लागू हो

शैलेंद्र महतो ने कहा कि जो बिहार में लागू है उसी तर्ज पर यहां भी खतियान को लागू किया जाना चाहिए. क्योंकि हम बिहार से ही अलग हुए हैं. बिहार राज्य पुनर्गठन विधेयक में बहत स्पष्ट है कि अलग राज्य बनने के बाद जो भी चीजें झारखंड में लागू होगी उसमें सभी नियम और कानून बिहार को ही स्वीकार करने पड़ेंगे. लेकिन उस दिशा में कोई काम नहीं हो रहा है. उन्होंने कहा कि यह सरकार आई है तो जरूर जाएगी. जनता बार–बार नहीं ठगी जाएगी. 2019 का चुनाव लड़ने के समय में उन्होंने बड़ी–बड़ी बातें की थी. जिस संकल्प से उन्होंने सरकार बनाया था वह अब तक पूरा नहीं हो सका है. प्रदेश की जनता को पता है कि इस सरकार ने कितना काम किया है.

झारखंड की जनता और नेता दोनों बेवकूफ : मुर्मू

विधानसभा में 1932 की खतियान आधारित नीति पारित होने पर आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व सांसद सालखन मुर्मू ने कहा है कि यह कभी लागू ही नहीं होगी. इसमें वह पड़ना नहीं चाहते. झारखंड की जनता और नेता दोनों ही बेवकूफ हैं. दोनों मिलकर अपने आप से धोखा कर रहे हैं. इसलिए वे इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते हैं.

राजभवन के हिसाब से सरकार अपनी नीति तय नहीं करेगी : सुदिव्य कुमार

गिरिडीह के झामुमो विधायक सुदिव्य कुमार सोनू का कहना है कि स्थानीय नीति को लेकर राजनीति हो रही है. यह राजनीति कौन कर रहा है यह जनता देख रही है. जनता ही तय करेगी कि 2024 में कौन आएगा. 1932 का खतियान झारखंड की जनता का सपना है और जो भी इसमें रोड़े अटका रहे हैं उनके मंसूबे कामयाब नहीं होंगे . राजभवन के संदेश सरकार की नीतियों को बदल नहीं सकते. हम जनता को जो वादा करके आए हैं और जो गठबंधन सरकार का कमिटमेंट है वह बदलेंगे नहीं. हम इस पर कायम रहेंगे. तमिलनाडु जहां से राज्यपाल आते हैं वहां 69 प्रतिशत आरक्षण है और यह नौवीं अनुसूची में संरक्षित है. अगर बीजेपी वाकई 1932 की हिमायती है तो केंद्र सरकार की ओर से पहल करवाए और इस गतिरोध को समाप्त करें.

सरकार नहीं चाहती कि इसका समाधान निकले : रणधीर सिंह

सारठ के भाजपा विधायक रणधीर सिंह का कहना है कि खतियान के नाम पर झारखंड की जनता को ठगा जा रहा है. भाजपा ने अपने कार्यकाल में नियोजन नीति लाई और इसे इस सरकार ने बदलने का प्रयास किया .राज्यपाल ने जब एक बार इस विधेयक को वापस कर दिया, फिर उसी रूप में हूं बहू राज्यपाल के भेजना यह दिखाता है यह सरकार नहीं चाहती है कि इसका समाधान निकाले. जहां तक बात राज्यपाल को भाजपा के द्वारा समझाने या बहकाने का है तो राज्यपाल सारी बाते समझते हैं. इन्हें राज्यपाल पर उंगली उठाने का कोई हक नहीं है.

सरकार इसे सिर्फ मुद्दा ही बनाकर रखना चाहती है : अमर कुमार बाउरी

भाजपा के चंदनक्यारी विधायक अमर कुमार बाउरी का कहना है कि यह एक ऐसा विषय है जो सबके मन में है और झारखंड का युवा लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा कर रहा है. यह पूरी तरह से राज्य के अधिकार क्षेत्र में है और अगर राज्य सरकार चाहती तो कैबिनेट से इसे पास कर भेज सकती है. जैसा हमने अपने कार्यकाल में किया और लाखों लोगों को रोजगार दिया था. लेकिन इस सरकार ने ऐसा नहीं कर इस मुद्दे को लटकाया है. वह इसे मुद्दा ही बने रहना देना चाहती है. इस सरकार ने सिर्फ वादा किया है और इसको लेकर वह ईमानदार नहीं है. वह इस मुद्दे पर पूरी तरह से विफल है.

अंतिम सर्वे सेटलमेंट को बनाएं आधार : डॉ. राजाराम महतो

कुरमाली भाषा परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजाराम महतो का कहना है कि हेमंत सोरेन स्थानीय नीति के मामले में व्यर्थ ही 1932 के खतियान को हवा दे रही है. संयुक्त बिहार में तत्कालीन मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की अध्यक्षता में स्थानीय नीति को लेकर एक बैठक हुई थी जिसमें निर्देश आया था कि बासगीत पर्चा में जिस जिला का नाम उल्लेख किया गया है, व्यक्ति उसी जिला का माना जाएगा. अभी हाल ही बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति इसी आधार पर हुई, कोई बाहरी नहीं नियुक्त हुआ. सभी बिहार के ही नियुक्त हुए. यहां पंचायतों में मुखिया को प्रमुख बना कर प्रक्रिया पूरी की गई. जबकि हेमंत सोरेने के राज काल में केवल बाहरी की ही नियुक्ति हुई है. नियुक्ति प्रक्रिया ऐसी रही कि यूपी-महाराष्ट्र के लोग भर गए और हेमंत सोरेन सरकार को खबर तक नहीं लगी. अंतिम सर्वे सेटलमेंट या देश की आजादी की तिथि की बात समझ में आती है. 1932 खतियान की बात केवल वोट की राजनीति है. हजारीबाग में 1960 में सर्वेक्षण हुआ. सिंहभूम में 1964-65 में सर्वेक्षण हुआ. अंतिम सर्वे सेटलमेंट को आधार बनाया जाए तभी बेहतर परिणाम सामने आएगा. स्थानीय नीति तैयार करना झारखंड सरकार का अपना पावर है, इसके लिए केंद्र सरकार का चेहरा देखने, उनके अनुमोदन की दरकार नहीं. अपनी शक्ति का अहसास तक हेमंत सोरेन को नहीं है.कुरमाली भाषा परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजाराम महतो का कहना है कि हेमंत सोरेन स्थानीय नीति के मामले में व्यर्थ ही 1932 के खतियान को हवा दे रही है. संयुक्त बिहार में तत्कालीन मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की अध्यक्षता में स्थानीय नीति को लेकर एक बैठक हुई थी जिसमें निर्देश आया था कि बासगीत पर्चा में जिस जिला का नाम उल्लेख किया गया है, व्यक्ति उसी जिला का माना जाएगा. अभी हाल ही बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति इसी आधार पर हुई, कोई बाहरी नहीं नियुक्त हुआ. सभी बिहार के ही नियुक्त हुए. यहां पंचायतों में मुखिया को प्रमुख बना कर प्रक्रिया पूरी की गई. जबकि हेमंत सोरेने के राज काल में केवल बाहरी की ही नियुक्ति हुई है. नियुक्ति प्रक्रिया ऐसी रही कि यूपी-महाराष्ट्र के लोग भर गए और हेमंत सोरेन सरकार को खबर तक नहीं लगी. अंतिम सर्वे सेटलमेंट या देश की आजादी की तिथि की बात समझ में आती है. 1932 खतियान की बात केवल वोट की राजनीति है. हजारीबाग में 1960 में सर्वेक्षण हुआ. सिंहभूम में 1964-65 में सर्वेक्षण हुआ. अंतिम सर्वे सेटलमेंट को आधार बनाया जाए तभी बेहतर परिणाम सामने आएगा. स्थानीय नीति तैयार करना झारखंड सरकार का अपना पावर है, इसके लिए केंद्र सरकार का चेहरा देखने, उनके अनुमोदन की दरकार नहीं. अपनी शक्ति का अहसास तक हेमंत सोरेन को नहीं है.

सत्र सवाल हंगामा

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का अवसान हो गया. 4 महीने बाद 5 दिन के छोटे से कार्य दिवस वाले इस सत्र से राज्य की जनता को कई उम्मीदें थीं. गांव-देहात और कस्बे में रहने वाले लोगों को उम्मीद थी कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि सदन में उनकी समस्याओं को रखेंगे, लेकिन ऐसा हो नहीं सका. जनप्रतिनिधियों के पास राज्य क्षेत्र के सैकड़ों सवाल तो थे, लेकिन सदन में हंगामे के कारण ये सवाल उठ न सके. विपक्ष पूरे सत्र के दौरान सिर्फ रोजगार के मुद्दे पर हंगामा करता रहा. हंगामे के कारण अल्पसूचित प्रश्न और ध्यानाकर्षण की सूचनाओं पर सरकार के दिये जवाब पर चर्चा नहीं हो सकी. सत्र के दौरान दो दिन तक विपक्ष सरकार से धीरज साहू मामले पर जवाब मांगती रही. फिर दो दिन रोजगार के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया. उधर सरकार ने विपक्ष को 1932 आधारित स्थानीय नीति के विधेयक से जवाब दिया. राज्यपाल की आपत्ति और सुझाव को दरकिनार करते हुए सरकार ने दोबारा सदन से स्थानीय नीति विधेयक को पास कराया. पांचवें दिन विपक्ष के पास सदन में सरकार को घेरने के लिए कोई मुद्दा नहीं था. आखिरी दिन मुद्दा सत्ता पक्ष के पास था. कांग्रेस और झामुमो के विधायकों ने बाबूलाल मरांडी के मुद्दे पर भाजपा को बैकफुट पर ला दिया. सत्ता पक्ष के विधायकों ने बाबूलाल द्वारा आसन (स्पीकर) पर लगाये गये आक्षेप का मामला उठाते हुए बाबूलाल पर अवमानना की कार्रवाई चलाने की मांग की. इस मुद्दे पर सदन के अंदर पक्ष-विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बाधित रही. बाबूलाल के पुराने सहयोगी रहे प्रदीप यादव ने पूरी कोशिश की कि उनपर आसन की ओर से कार्रवाई हो. स्पीकर ने इसपर नियम के मुताबिक फैसला लेने का आश्वासन देकर मामले को टाला. 5 दिन के सत्र में सिर्फ तीन मुद्दों ने सदन में झारखंड के आम जनता की आवाज दबा दी. स्पीकर रवींद्रनाथ महतो सदन को चलाने की कोशिश करते रहे, लेकिन विपक्ष के विधायक हर बार सदन की कार्यवाही शुरू होते ही वेल में पहुंच जाते. तंग आकर स्पीकर ने भाजपा के तीन विधायकों बिरंची नारायण, जेपी पटेल और भानु प्रताप शाही को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया. इसके बाद भी भाजपा विधायकों का हंगामा खत्म नहीं हुआ. बुधवार को विधानसभा की कार्यवाही के दौरान सदन के अंदर भाजपा विधायकों ने धरने पर बैठकर हंसी-ठिठोली की. इस घटना से सदन की गरिमा को ठेस पहुंची. विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी 4 साल में अबतक हुए 13 सत्रों की तरह ही हंगामे की भेंट चढ़ गया. हां इस सत्र में एक चीज जरूर नई थी. इस सत्र में 4 साल बाद सदन को नेता प्रतिपक्ष मिला था. अमर बाउरी नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी पर विराजमान थे. नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने में उन्होंने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी, लेकिन भाजपा के तीनों विधायकों के निलंबन के बाद सदन के अंदर भाजपा के तेवर थोड़े ढीले जरूर दिखे.

> सत्ता पक्ष के विधायकों ने बाबूलाल द्वारा आसन (स्पीकर) पर लगाये गये आक्षेप का मामला उठाते हुए बाबूलाल पर अवमानना की कार्रवाई चलाने की मांग की. इस मुद्दे पर सदन के अंदर पक्ष–विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बाधित रही.

सुभाषित

आयुषः क्षण एकोपि सर्वरत्नैर्न लभ्यते।
नीयते तद् वृथा येन प्रामादः सुमहानहो।।

सब रत्न देने पर भी जीवन का एक क्षण भी वापस नहीं मिलता. ऐसे जीवन के क्षण जो निरर्थक ही खर्च कर रहे हैं, वे कितनी बडी गलती कर रहे है. आशय यह कि जीवन का एक-एक क्षण बहुमूल्य है और उसका सदुपयोग किया जाना चाहिए.

जीवाश्म ईंधन से संकट में दुनिया

एक आंकड़े के मुताबिक अब तक वायुमण्डल में 36 लाख टन कार्बन डाइआक्साइड की वृद्धि हो चुकी है और वायुमण्डल से 24 लाख टन आक्सीजन समाप्त हो चुकी है. अगर यही स्थिति रही तो 2050 तक पृथ्वी के तापक्रम में लगभग 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि तय है. वैज्ञानिकों की मानें तो बढ़ते तापमान के लिए मुख्यतः ग्लोबल वार्मिंग है और इससे निपटने की त्वरित कोशिश नहीं हुई तो आने वाले वर्षों में धरती का खौलते कुंड में परिवर्तित होना तय है.

• देश-काल

अरविंद जयतिलक

दुबई में सीओपी 28 शिखर सम्मेलन के अंतिम सत्र में 200 देशों के बीच ऐतिहासिक पहला 'ग्लोबल स्टॉकटेक' जलवायु समझौता इस मायने में महत्वपूर्ण रहा कि सभी देशों ने एक स्वर में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को उचित और न्यायसंगत तरीके से खत्म करने पर सहमति जतायी है. उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी देश कोयले से बिजली उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से घटाने की पहल तेज करेंगे. सम्मेलन में पेरिस समझौते को ध्यान में रखते हुए तापमान में वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के उद्देश्य से ग्रीनहाउस उत्सर्जन में 'गहरी, तीव्र और निरंतर' कटौती पर भी सहमति जतायी गई है. इस ऐतिहासिक समझौते में निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आठ सूत्री योजना का रोडमैप तैयार है. इसके मुताबिक 2050 तक नेट जीरो उत्सर्जन के निमित्त जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कमी लाना प्रस्तावित है. किंतु मौंजू सवाल यह है कि क्या कोयले पर निर्भरता रखने वाले देश मसलन भारत और चीन इस लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब हो पाएंगे. गौर करें तो कार्बन उत्सर्जन के मामले में 2022 में चीन (31 प्रतिशत), अमेरिका (14 प्रतिशत) और यूरोपीय संघ (8 प्रतिशत) था. भारत की बात करें तो 5 प्रतिशत वृद्धि कोयले से होने वाले उत्सर्जन से हो सकती है. गत वर्ष ब्रिटेन में मौसम विभाग के कार्यालय और एक्जेटर विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने भी अपने शोध में पाया था कि हवाई स्थित मौना लोआ वेधशाला में वायुमंडल में कार्बन उत्सर्जन की सघनता में 1958 से करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. इसके लिए मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधनों, वनों की कटाई और सीमेंट उत्पादन को जिम्मेदार ठहराया गया है. एक आंकड़े के मुताबिक अब तक वायुमण्डल में 36 लाख टन कार्बन डाइआक्साइड की वृद्धि हो चुकी है और वायुमण्डल से 24 लाख टन आक्सीजन समाप्त हो चुकी है. अगर यही स्थिति रही तो 2050 तक पृथ्वी के तापक्रम में लगभग 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि तय है. वैज्ञानिकों की मानें तो बढ़ते तापमान के लिए मुख्यतः ग्लोबल वार्मिंग है और इससे निपटने की त्वरित कोशिश नहीं हुई तो आने वाले वर्षों में धरती का खौलते कुंड में परिवर्तित होना तय है. अमेरिकी वैज्ञानिकों की मानें तो वैश्विक औसत तापमान पिछले सवा सौ सालों में अपने उच्चतम स्तर पर है. औद्योगीकरण की शुरुआत से लेकर अब तक तापमान में 1.25 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो चुकी है. आंकड़ों के मुताबिक 45 वर्षों से हर दशक में तापमान में 0.18 डिग्री सेल्सियस का इजाफा हुआ है. आइपीसीसी के आकलन के मुताबिक 21 सवीं सदी में पृथ्वी के सतह के औसत तापमान में 1.1 से 2.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की आशंका है. अमेरिकी वैज्ञानिकों ने वायु में मौजूद ऑक्सीजन और कार्बन उत्सर्जन के अनुपात पर एक शोध में पाया है कि बढ़ते तापमान के कारण वातावरण से ऑक्सीजन की मात्रा तेजी से कम हो रही है. पिछले आठ सालों में वातारवरण से ऑक्सीजन काफी रफ्तार से घटी है. वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी का तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है, उस पर काबू नहीं पाया गया तो अगली सदी में तापमान 60 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है. वैज्ञानिकों के मुताबिक अगर पृथ्वी के तापमान में मात्र 3.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होती है तो आर्कटिक के साथ-साथ अण्टाकर्टिका के विशाल हिमखण्ड पिघल जाएंगे. देखा भी जा रहा है कि बढ़ते तापमान के कारण उत्तरी व दक्षिणी ध्रुव की बर्फ चिंताजनक रूप से पिघल रही है. वर्ष 2007 की इंटरगवर्नमेंटल पैनल की रिपोर्ट के मुताबिक बढ़ते तापमान के कारण दुनिया भर के करीब 30 पर्वतीय ग्लेशियरों की मोटाई अब आधे मीटर से कम रह गयी है. हिमालय क्षेत्र में पिछले पांच दशकों में माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर 2 से 5 किलोमीटर सिकुड़ गए हैं. 76 फीसद ग्लेशियर चिंताजनक गति से सिकुड़ रहे हैं. कश्मीर और नेपाल के बीच गंगोत्री ग्लेशियर भी तेजी से सिकुड़ रहा है. अनुमानित भूमंडलीय तापमान से जीवों का भौगोलिक वितरण भी प्रभावित हो सकता है. कई जातियां धीरे-धीरे ध्रुवीय दिशा या उच्च पर्वतों की ओर विस्थापित हो जाएंगी. बढ़ते तापमान पर नियंत्रण के लिए भारत एवं वैश्विक समुदाय को कमर कसनी होगी. पर्यावरणविदों की मानें तो बढ़ते तापमान के लिए मुख्यतः ग्रीन हाउस गैस, वनों की कटाई और जीवाश्म ईंधन का दहन है. तापमान में कमी तभी आएगी जब वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में कमी होगी. आंकड़ों पर गौर करें तो 2000 से 2010 तक वैश्विक कार्बन उत्सर्जन की दर प्रतिवर्ष 3 प्रतिशत रही, जबकि भारत के कार्बन उत्सर्जन में यह वृद्धि 5 प्रतिशत रही. कार्बन उत्सर्जन के लिए सर्वाधिक रूप से कोयला जिम्मेदार है. भारत की बात करें तो उसकी कुल आबादी का एक बड़ा हिस्सा आज भी कोयले पर निर्भर है. अच्छी बात यह है कि भारत ने गत वर्ष पहले पेरिस जलवायु समझौते को अंगीकार करने के बाद क्योटो प्रोटाकाल के दूसरे लक्ष्य को अंगीकार करने की मंजूरी दे दी है. उल्लेखनीय है कि उद्योगों से निकलने वाली ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए 11 दिसंबर, 1997 को जापान के क्योटो शहर में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में 192 देशों के बीच यह संधि हुई. 16 फरवरी, 2005 को यह प्रभावी हुई. विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को लक्ष्य पूरा करने के लिए आर्थिक और तकनीकी मदद उपलब्ध कराना भी इसका हिस्सा है. संधि का पहला लक्ष्य 2008-12 के लिए तय हुआ था. इसमें औद्योगिक अर्थव्यवस्था वाले 52 देशों ने चार ग्रीन हाउस गैसों (कार्बन डाई आक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड और सल्फर हेक्साफ्लोराइड) का उत्सर्जन 1990 की तुलना में 5 प्रतिशत तक घटाने का लक्ष्य रखा था.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सेवा, कृतज्ञता और क्षमा

एक राजा था. उसने 10 खूंखार जंगली कुत्ते पाल रखे थे. जिनका इस्तेमाल वह लोगों को उनके द्वारा की गयी गलतियों पर मौत की सजा देने के लिए करता था. एक बार कुछ ऐसा हुआ कि राजा के एक पुराने मंत्री से कोई गलती हो गयी. क्रोधित होकर राजा ने उसे शिकारी कुत्तों के आगे फिकवाने का आदेश दे डाला. सजा दिए जाने से पूर्व राजा ने मंत्री से उसकी आखिरी इच्छा पूछी. "राजन ! मैंने आज्ञाकारी सेवक के रूप में आपकी 10 सालों से सेवा की है...मैं सजा पाने से पहले आपसे 10 दिनों की मोहलत चाहता हूं." - मंत्री ने राजा से निवेदन किया. राजा ने उसकी बात मान ली. दस दिन बाद राजा के सैनिक मंत्री को पकड़ कर लाते हैं और राजा का इशारा पाते ही उसे खूंखार कुत्तों के सामने फेंक देते हैं. परंतु यह क्या कुत्ते मंत्री पर टूट पड़ने की बजाए, अपनी पूँछ हिला-हिला कर मंत्री के ऊपर कूदने लगते हैं और प्यार से उसके पैर चाटने लगते हैं. राजा आश्चर्य से यह सब देख रहा था. उसने मन ही मन सोचा कि आखिर इन खूंखार कुत्तों को क्या हो गया है? वे इस तरह व्यवहार क्यों कर रहे हैं? आखिरकार राजा से रहा नहीं गया. उसने मंत्री से पूछा, ₹ये क्या हो रहा है, ये कुत्ते तुम्हें काटने की बजाए, तुम्हारे साथ खेल क्यों रहे हैं?₹ ₹राजन ! मैंने आपसे जो दस दिनों की मोहलत ली थी, उस अवधि का एक-एक क्षण मैंने इन बेजुबानों की सेवा में लगा दिया. मैं रोज इन कुत्तों को नहलाता, खाना खिलाता, सुश्रुषा करता तथा हर तरह से उनका ध्यान रखता. ये कुत्ते खूंखार और जंगली होकर भी मेरे दस दिन की सेवा नहीं भूला पा रहे हैं. परंतु खेद है कि आप, प्रजा के पालक हो कर भी, मेरी दस वर्षों की स्वामीभक्ति भूल गए और मेरी एक छोटी सी त्रुटि पर इतनी बड़ी सजा सुना दी!" राजा को अपनी भूल का एहसास हो चुका था, उसने तत्काल मंत्री को आज़ाद करने का आदेश दिया और आगे से ऐसी गलती नहीं करने की सौगंध ली. मित्रों, कई बार इस राजा की तरह हम भी किसी की बरसों की अच्छाई को उसके एक पल की बुराई के आगे भूला देते हैं. यह कहानी हमें समतावान और क्षमाशील होने की सीख देती है. ये हमें सबक देती है कि हम किसी की हज़ार अच्छाइयों को उसकी एक बुराई के सामने छोटा न होने दें.

कितनी संभावना शेष है विपक्ष के लिए

• सियासत

राम पुनियानी

हाल में संपन्न राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिज़ोरम के विधानसभा चुनावों में कई कारणों से पूरे देश की भारी दिलचस्पी थी. भाजपा पिछले दस सालों से केंद्र में सत्ता में है और उसने जो नीतियां लागू की हैं, उनका देश पर भयावह प्रभाव पड़ा है. चाहे वह नोटबंदी हो, जीएसटी हो या रातोंरात लागू किया गया कोरोना लॉकडाउन – सबसे आम जनता की खासी फजीहत हुई. देश में सरकारें और ज्यादा तानाशाह होती जा रही हैं और व्यक्तिगत स्वतंत्राओं पर तरह-तरह की रोकें लगाई जा रही हैं. हंगर इंडेक्स में देश की गिरती हुई स्थिति और लोगों की बढ़ती परेशानियां बहुत कुछ बता रही हैं. भाजपा सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को कश्मीर से हटा दिया है. हमें बताया गया था कि इससे अतिवाद कम होगा. मगर ऐसा कुछ हुआ नहीं. देश भर में मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर हमले जारी हैं और अलग-अलग स्थानों पर ईसाइयों के खिलाफ भी हिंसा हो रही है. इस पृष्ठभूमि में विपक्षी पार्टियों ने इंडिया गठबंधन का गठन किया. ऐसा कहा जा रहा था कि यह गठबंधन हमारे संविधान में निहित 'आइडिया ऑफ़ इंडिया' को संरक्षित रखने का प्रयास करेगा. सन 2024 के लोकसभा चुनाव के सिलसिले में इस गठबंधन से बहुत उम्मीदें थीं. मगर ऐसा लगता है कि विधानसभा चुनावों के नतीजों ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया है. कांग्रेस के राज्य-स्तरीय नेतृत्वों ने मनमानी करते हुए गठबंधन के अन्य दलों की उपेक्षा की. इससे दूसरी पार्टियां काफी नाराज़ हो गईं और गठबंधन के और मज़बूत होने की राह बाधित हो गयी. कांग्रेस केवल तेलंगाना में जीत हासिल कर सकी और हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में उसे हार का सामना करना पड़ा. ये नतीजे चौंकाने वाले हैं, क्योंकि अधिकांश एग्जिट पोल्स ने भविष्यवाणी की थी कि इन राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन कहीं बेहतर रहेगा. इसलिए, कांग्रेस की हार एक पहेली बन गयी है. यह सही है कि यदि कांग्रेस का अन्य राष्ट्रीय एवं छोटे दलों के साथ गठबंधन होता तो उसका प्रदर्शन बेहतर होता. फिर भी, इन राज्यों में उसकी हार का तर्कसंगत स्पष्टीकरण नहीं दिया जा सकता. लोकसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति बनाते समय इस पहलू पर इंडिया गठबंधन के सदस्यों को ध्यान देना होगा. इन परिणामों का एक पक्ष यह भी है कि अधिकांश दक्षिण भारत भाजपा मुक्त हो गया है. कुछ टिप्पणीकारों का तर्क है कि भाजपा की हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति के प्रति समर्थन मुख्यतः हिन्दी-भाषी राज्यों या काऊ बेल्ट तक सीमित है. कांग्रेस और अन्य दलों को इस तथ्य की ओर भी ध्यान देना चाहिए कि उसके तमाम दावों के बावजूद भाजपा की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है. यदि हम इन पांच राज्यों में डाले गए कुल वोटों की बात करें तो कांग्रेस को 4.92 करोड़ वोट मिले हैं, जबकि भाजपा को 4.81 करोड वोट ही हासिल हुए हैं. इसके अलावा मिजोरम, जहां अभी तक एनडीए गठबंधन की सरकार थी, भी उसके हाथ से निकल गया है. कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटने के बारे में भी कयास लगाए जा रहे हैं. यह कार्यकर्ताओं की त्वरित प्रतिक्रिया हो सकती है, लेकिन समय बीतने के साथ पार्टी कार्यकर्ता, तेलंगाना की जीत और प्रतिद्वंद्वी भाजपा की तुलना में अच्छे खासे अधिक वोट हासिल करने को लेकर दुबारा जोश में आ सकते हैं. समय के साथ निराशा का भाव समाप्त हो जाएगा, क्योंकि नेतृत्व स्थिति का सामना करने का हर संभव प्रयास कर रहा है. 'भारत जोड़ो यात्रा' इस दिशा में एक बड़ा कदम थी. पर्दे के पीछे कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे कार्यों और जोश पुनर्जीवित होने से पार्टी के उत्साह पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशा की जा सकती है. महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि क्या वे सभी दल, जो इंडिया गठबंधन में शामिल थे, एक बार फिर गठबंधन के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे? चुनाव के नतीजों से इंडिया गठबंधन को धक्का लगा है. इन तीन बड़े राज्यों में कांग्रेस की हार से कांग्रेस नेतृत्व चिंतन करेगा और उन गलतियों को सुधारने का प्रयास करेगा, जिनके चलते गठबंधन के अन्य सदस्य नाराज हैं. विपक्षी दल यह अच्छी तरह जानते हैं कि वे अलग-अलग रहकर भाजपा की विशालकाय चुनावी मशीनरी का मुकाबला नहीं कर सकते. भाजपा के पास मानव संसाधन और धन प्रचुर मात्रा में हैं और उसमें दादागिरी करने की भी बहुत क्षमता है. मीडिया भी केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी के चरणों में नतमस्तक है. अभी ऐसा लग सकता है कि विभिन्न विपक्षी दल अलग-अलग दिशा में भाग रहे हैं.

> कांग्रेस के राज्य–स्तरीय नेतृत्वों ने मनमानी करते हुए गठबंधन के अन्य दलों की उपेक्षा की. इससे दूसरी पार्टियां काफी नाराज़ हो गईं और गठबंधन के और मज़बूत होने की राह बाधित हो गयी. कांग्रेस केवल तेलंगाना में जीत हासिल कर सकी और हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में उसे हार का सामना करना पड़ा. ये नतीजे चौंकाने वाले हैं.

सौर प्रणाली के बाहर एक ग्रह पर कार्बन ऑक्साइड

• सौर प्रणाली

दयानिधि

खगोलविदों ने 700 प्रकाश वर्ष दूर शनि के आकार के ग्रह के वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ 2) खोजी है. यह पहली बार है, जब सौर मंडल से परे किसी ग्रह में गैस का स्पष्ट पता लगा है. जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप द्वारा की गई खोज इस बात का सुराग देती है कि ग्रह कैसे बने. परिणाम यह भी दिखाते हैं कि वेब कितनी जल्दी मीथेन और अमोनिया जैसी अन्य गैसों की पहचान कर सकता है, जो ग्रह में जीवन के लिए रहने की क्षमता की ओर इशारा दे सकता है. कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के निक्कू मधुसूदन कहते हैं कि वेब एक्सोप्लैनेट वायुमंडलीय विज्ञान के इस नए युग की शुरुआत कर रहा है. यहां बताते चलें कि एक्सोप्लैनेट का मतलब एक ग्रह जो सौर मंडल के बाहर एक तारे की परिक्रमा करता है. वेब टेलीस्कोप प्रकाश की अवरक्त तरंग दैर्ध्य के प्रति संवेदनशील है, जो ज्यादातर पृथ्वी के वायुमंडल द्वारा अवरुद्ध हैं. इसने ब्रह्मांड के सबसे दूर के सितारों और आकाशगंगाओं को देखने की क्षमता के साथ खगोलविदों को पहले ही चकाचौंध कर दिया है, लेकिन आकाशगंगा में घर के बहुत करीब दुनिया का अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं के लिए अवरक्त संवेदनशीलता भी महत्वपूर्ण है. जब एक एक्सोप्लैनेट की कक्षा इसे अपने तारे के सामने ले जाती है, तो कुछ तारों का प्रकाश ग्रह के वायुमंडल से होकर गुजरता है और इसकी संरचना के उंगलियों के निशान होते हैं. वायुमंडलीय गैसें प्रकाश की विशिष्ट तरंग दैर्ध्य को अवशोषित करती हैं, जो चमक के रूप में दिखाई देती हैं जब तारों की चमक एक स्पेक्ट्रम में फैल जाती है. वेब ने नेपच्यून के आकार के छोटे ग्रहों और पृथ्वी के आकार के समान चट्टानी ग्रहों में कई और गैसें उजागर हो सकती हैं, हालांकि यह जीवन के अस्तित्व की पुष्टि करने में सक्षम होने की संभावना नहीं है. अपने पहले एक्सोप्लैनेट अवलोकनों के लिए, खगोलविदों ने गर्म गैस विशाल डब्ल्यूएएसपी -39 बी को लक्षित किया, जो हर 4 दिनों में बुध की तुलना में कक्षा में तारे की परिक्रमा करता है. पहला आंकड़ा 10 जुलाई को लिया गया और कुछ दिनों बाद टीम ने उन पर काम शुरू किया. शिकागो विश्वविद्यालय के वेब टीम के सदस्य जैकब बीन कहते हैं, तारे के पार एकल पारगमन के आधार पर अधूरे आंकड़े में भी, सीओ 2 का वर्णक्रमीय डिप एक गले में अंगूठे की तरह चिपक जाता है. वे कहते हैं कि पहले भी गैस की कुछ संभावित पहचान हुई है, लेकिन उनमें से कोई भी जांच के दायरे में नहीं आया. बीन कहते हैं, ₹वेब का स्पेक्ट्रम₹ सही आकार और सही स्थिति में था. सीओ 2 अभी बाहर निकली. हबल और स्पिट्जर ने पहले डब्ल्यूएएसपी-39 बी के वातावरण में जल वाष्प, सोडियम और पोटेशियम पाया है. वेब ने अब सीओ 2, साथ ही एक और गैस जुड़ गई है, जिसका वर्णक्रमीय हस्ताक्षर शुरू में एक रहस्य था. बाद के अवलोकनों से पता चला कि यह क्या है, लेकिन बीन इसके बारे में तब तक कुछ नहीं कहेंगे जब तक कि परिणाम की समीक्षा न की जाए. मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोनॉमी की टीम की सदस्य लौरा क्रेडबर्ग कहती हैं, आने वाले महीनों में टीम ग्रह के पूर्ण स्पेक्ट्रम को ऑप्टिकल से मिडइन्फ्रारेड तक प्रकाशित करेगी और इसके वायुमंडल की पूरी रासायनिक सूची बनाएगी. सीओ 2 का पता लगाना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ग्रह की ₹धातु₹ के लिए एक सुराग है इसके बनावट में हीलियम से भारी तत्वों का अनुपात है. बिग बैंग में उत्पन्न हाइड्रोजन और हीलियम ब्रह्मांड में सभी दृश्य पदार्थों के लिए प्रारंभिक सामग्री हैं, लेकिन बाद में कुछ तारों को भी भारी बना दिया था.

शोधकर्ताओं का मानना है कि विशाल ग्रहों के निर्माण के लिए भारी तत्वों की अच्छी आपूर्ति महत्वपूर्ण है. जब ग्रह एक नए तारे के चारों ओर सामग्री की एक डिस्क से बनते हैं तो भारी तत्व ठोस कंकड़ बनाते हैं जो एक ठोस कोर में एक साथ चमकते हैं जो अंततः अपने स्वयं के गुरुत्वाकर्षण के साथ गैसों को खींचने और गैस के विशालकाय में विकसित होने के लिए पर्याप्त होता है. डब्ल्यूएएसपी-39 बी के सीओ 2 सिग्नल से, टीम का अनुमान है कि ग्रह की धात्विकता लगभग शनि से मेल खाती है. मजे की बात यह है कि डब्ल्यूएएसपी-39 बी का द्रव्यमान शनि के समान ही है. बीन कहते हैं, ग्रह कुछ समानताएं साझा करते हैं, भले ही उनकी अलग-अलग कक्षाएं हों. क्या हम इन दो वस्तुओं के लिए एक सामान्य कहानी खोज सकते हैं?.

> वेब ने नेपच्यून के आकार के छोटे ग्रहों और पृथ्वी के आकार के समान चट्टानी ग्रहों में कई और गैसें उजागर हो सकती हैं, हालांकि यह जीवन के अस्तित्व की पुष्टि करने में सक्षम होने की संभावना नहीं है. अपने पहले एक्सोप्लैनेट अवलोकनों के लिए, खगोलविदों ने गर्म गैस विशाल डब्ल्यूएएसपी –39 बी को लक्षित किया.

मीडिया में अन्यत्र

विपक्ष को समुचित अवसर नहीं

संसद का मौजूदा शीतकालीन सत्र इतिहास में एक असाधारण बैठक के रूप में याद किया जाएगा. इस सत्र में रिकॉर्ड संख्या में सदस्यों को निलंबित किया गया. बीते कुछ दिनों में दोनों सदनों से कुल 143 सदस्यों को निलंबित किया गया. यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है. बीते वर्षों में संसदीय बहस का स्तर लगातार गिरा है और सत्ताधारी तथा विपक्षी दलों के बीच गतिरोध का ताजा मुद्दा है. संसद की सुरक्षा में सेंध, जो संयोग से उसी दिन लगी जिस दिन 2001 में संसद की पुरानी इमारत पर हुए हमलों की 22वीं बरसी थी. इस घटना में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया और संबंधित सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं. विपक्ष इस विषय पर केंद्रीय गृहमंत्री के वक्तव्य और चर्चा की मांग कर रहा है. इस बात में कोई संदेह नहीं है कि संसद की सुरक्षा में सेंध गंभीर मसला है और यह कई प्रश्न उत्पन्न करता है. ऐसे में विपक्ष का इस मामले को उठाना सही है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में एक समाचार चैनल के साथ बातचीत में इस विषय पर बात की. इस मामले की जांच के लिए समिति का गठन किया गया है, जो जांच के बाद जल्दी ही अपनी रिपोर्ट लोक सभा अध्यक्ष को सौंपेगी. इस बारे में विपक्ष की दलील में दम है कि जब संसद का सत्र चल रहा हो तो उक्त वक्तव्य को सदन में पेश किया जाना चाहिए, यह परंपरा रही है. अगर केवल इतना कर दिया जाता तो गतिरोध समाप्त हो जाता और संसद अपना काम सहज रूप से कर सकती थी. रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष इस पर कदम उठाएंगे, लेकिन इस घटना ने कुछ ऐसे व्यापक प्रश्नों को जन्म दिया है, जिनका जवाब केवल सरकार ही दे सकती है. भारतीय जनता पार्टी जो अब सत्ताधारी दल है, 2014 के पहले जब विपक्ष में थी तब उसने भी ऐसा ही किया था. उदाहरण के लिए 2012 में भारतीय जनता पार्टी के नेता दिवंगत अरुण जेटली को यह कहते हुए उद्धृत किया गया था कि ऐसे अवसर भी आते हैं जब बाधाएं देश को अधिक लाभ पहुंचाती हैं. ऐसे में बुनियादी मुद्दा यह है कि विपक्ष को अक्सर सार्वजनिक महत्त्व के मुद्दों को संसद में उठाने के लिए उचित अवसर नहीं मिल पाता है. इसका खमियाजा पूरी संसदीय प्रक्रिया को भुगतना पड़ता है. उदाहरण के लिए चालू वर्ष की बात करें तो पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक लोकसभा में बजट सत्र में केवल 33 फीसदी काम हुआ. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

फण/फन

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित यह कविता बचपन से ही पढ़ता रहा हूं- झूमें जहर चरण के नीचे मैं उमंग में गाऊं. तान, तान फण व्याल! कि तुझ पर मैं बांसुरी बजाऊं. संदर्भ है, ग्वाल बाल के संग बालक श्रीकृष्ण यमुना के किनारे गेंद खेल रहे हैं. अचानक उनकी गेंद यमुना में चली जाती है. श्रीकृष्ण गेंद को निकालने के लिए यमुना में छलांग लगा देते हैं, लेकिन उनकी गेंद कलिया नाग के पास है. जब वे गेंद मांगते हैं तो वह फुफकार उठता है. तब श्रीकृष्ण उछल कर उसके फण पर खड़े हो जाते हैं और कहते हैं-तान तान फण व्याल.इस कविता में फण शब्द का प्रयोग हुआ है. फण मतलब सांप का सिर उस समय फण कहलाता है, जब सांप अपनी गरदन के दोनों ओर की नलियों में वायु भर कर छाते के आकार का बना लेता है. गौरतलब है कि हर सांप फण नहीं बना पाता. यह केवल नाग या फणिक सांप के लिए ही संभव हो पाता है. रस्सी का फंदा, नाव का उपरि अगला भाग तथा नाव में ऊपर के तख्ते की वह जगह भी फण कहलाती है, जो सामने मुंह के पास होती है. फण से बहुत सारे शब्द बनते हैं और संदर्भों के अनुसार उनके अर्थ भी बदलते रहते हैं. इससे मिलता-जुलता शब्द है फन. अंतर तो स्पष्ट है. फण का अंतिम अक्षर 'ण' है, जबकि फन का 'न'. इसी प्रकार दोनों के अर्थ कुछ हद तक मिलते हैं तो कोई और अर्थ भी धारण कर लेते हैं. हिंदी शब्द सागर के अनुसार फण संस्कृत मूल का तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, वहीं फन हिंदी का तद्भव भी है और अरबी मूल का भी.हिंदी तद्भव वाले फन का मतलब वही होता है, जो फण का होता है, लेकिन अरबी मूल के फन का मतलब है गुणी, खूबी, विद्या, दस्तकारी, बाजीगरी, इंद्रजाल, छलने का ढंग. उर्दू में कलाकार को फनकार कहते हैं.

जुमले और जुमलेबाजी का तालमेल

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

ज़मीन और आसमान तक फैली हुई, कबूतरबाजी से लेकर पतंगबाजी तक, न जाने कितनी और कैसी कैसी तो बाजियां हैं. आदमी इन्हें खेलता है, लगाता है, इंतज़ार करते करते कुछ लोगों की बाज़ी आखिर आ ही जाती है, कुछ उसकी प्रतीक्षा ही करते रह जाते हैं और बाज़ी नहीं आती. कुछ दबंग लोग जहां खड़े होते हैं, वहीं से उनकी बाजी शुरू होती है. कुछ बाज़ी लगाने के लिए खड़े ही नहीं हो पाते. भाषा में सिर्फ शब्द नहीं बोले जाते. शब्दों से वाक्य बनाए जाते हैं. वाक्य ही शब्दों का अर्थ स्पष्ट करते हैं. वाक्य को अंग्रेज़ी में 'सेंटेंस' कहते हैं और उर्दू में 'जुमला'. वाक्य और सेंटेंस के साथ लोग भाषाई खेल भले खेलते हों, लेकिन 'जुमलेबाजी' सिर्फ जुमले के साथ ही हो सकती है. लोग जुमला बोल देते हैं, और भूल जाते हैं. ठीक वादों की तरह. जुमला सिर्फ जुमला भर रह जाता है, सार्थक नहीं हो पाता. जो लोग इस तरह के जुमले बोलने के आदी हो जाते हैं, जुमलेबाज़ कहलाते हैं. राजनीति में जुमलेबाजी का दबदबा है. इलेक्शन के समय इस तरह की जुमलेबाजी खूब की जाती है. लोग भ्रम में पड़ जाते हैं और अक्सर गलत लोगों को वोट दे आते हैं. वे भूल जाते है कि बोली गई बातें महज़ 'जुमले' थे. सियासत आमतौर पर जुमलों का व्यापार है. सियासत में जुमलेबाजी अपने शबाब पर होती है. राजनीति में जुमलेबाजी न हो तो मज़ा ही क्या ? लेकिन लोग सिर्फ मज़े के लिए ही जुमलेबाजी नहीं करते, जुमलेबाजी से वे अपना उल्लू सीधा करते हैं और अक्सर मनचाहा परिणाम उन्हें प्राप्त भी हो जाता है. राजनीति इसी का नाम है. जुमला जोड़ है. दो या दो से अधिक संख्याओं का कुल जमा है. गणित की कक्षाओं में बच्चे जुमला लगाना सीखते हैं. ज़िंदगी में जुमला सिर्फ जोड़ नहीं तोड़ भी होता है. जो जोड़-तोड़ की इस कला में माहिर होते हैं, वे लोग अपनी ज़िंदगी बखूबी जी लेते हैं. जुमले कई तरह के होते हैं. कुछ प्रश्नवाचक तो कुछ विस्मयादि सूचक. लेकिन जो न प्रश्न करते हैं न ही विस्मय का बोध कराते हैं, वे भी जुमले ही होते हैं. इनमें भी कुछ सार्थक होते हैं कुछ सिर्फ 'जुमले' भर होते हैं. भले निरर्थक हों अक्सर काम ये ही आते हैं. लोग जुमलों का सहारा लेकर वैतरणी पार कर लेते हैं. हर कोई जुमले नहीं बोल सकता. अंतरात्मा के मारे लोग जुमलों से परहेज़ करते हैं. वे सिर्फ वही बोलते हैं जो कर सकें. किन्तु ऐसे लोग अब गिने-चुने ही रह गए हैं. जब जुमलों से काम निकल आए तो काम की बात कौन करे ! किसी की बात को महज़ जुमला कहना बात को कमतर करना है. हर बात महज़ जुमला नहीं होती. लेकिन आक्षेप करने वाले गंभीर बात को भी जुमला बना देते हैं.

धर्म अध्यात्म

गीता जयंती (22 दिसम्बर) पर विशेष

भारतीय चिंतन परम्परा की पराकाष्ठा है- गीता

डा. हाराधन कोईरी

भारतीय साहित्य की अमूल्य निधि महाभारत है. इसके पांच रत्न हैं-विष्णुसहस्रनाम, अनुगीता, भीष्मस्तवराज, गजेन्द्रमोक्ष और भगवद्गीता. इन पंच रत्नों के कारण महाभारत को पंचमवेद कहा गया है. महाभारत के बारे में स्वयं वेदव्यास कहते हैं -" इस ग्रंथ में जो कुछ है वह अन्यत्र है, परन्तु जो कुछ इसमें नहीं है, वह अन्यत्र कहीं भी नहीं है." गीता महाभारत के पंचरत्नों में सबसे दिव्य और अलौकिक है, जो हमें भीष्म पर्व के अन्तर्गत 'श्रीमद्भगवद्गीतापर्व' नामक उपपर्व में मिलता है. इसकी कथा तेरहवें अध्याय से आरंभ होकर बयालीसवें अध्याय में सम्पन्न होती है. महाभारत में वैशयम्पायन-जनमेजय संवाद के अन्तर्गत धृतराष्ट्- संजय संवाद है और धृतराष्ट्र-संजय संवाद के अन्तर्गत श्रीकृष्ण- अर्जुन संवाद है, जिसे गीता कहते हैं. गीता अपने आप में संस्कृत साहित्य का गौरव ग्रन्थ है. ज्ञान की अमृत धारा है. आध्यात्म और भक्ति के लिए सर्वाधिक पठनीय ग्रंथ है, जिसके सान्निध्य में जाते ही एक नवीन भावानुभूति होने लगती है. गीता को महाभारत का हृदय स्थली कहा गया है, जबकि श्रीकृष्ण ने गीता को अपना हृदय कहा है- गीता मे हृदयं पार्थ. गीता का सार्वभौमिक और सार्वकालिक महत्व है. महाभारत युद्ध के आरंभ में जब पाण्डव सेनापति अर्जुन को विषाद होता है, उस विषाद के निवारण में कृष्ण ने अर्जुन को जो ज्ञान दिया वह गीता है. गीता में आध्यात्मिक जीवन का उत्कर्ष है, जिसमें, ज्ञान, कर्म और भक्ति का समन्वय किया गया है. ये तीनों एक दूसरे के पूरक हैं, मोक्ष मार्गी हैं. गीता के प्रत्येक अध्याय में योग शब्द का प्रयोग किया गया है. भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं - समत्वं योग उच्यते, योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात् जहां दृष्टि की समता और कर्म में कुशलता रहती है वह योग है.

गीता का ध्येय है - वासुदेवः सर्वम् अर्थात् भगवान ही सब कुछ हैं. इसलिए हर प्रकार से चाहे कर्मयोग, ज्ञानयोग, ध्यानयोग, संन्यासयोग या फिर भक्तियोग से श्रीकृष्ण के शरण में जाना मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि है. इसी में आत्मकल्याण और जगकल्याण निहित है. भगवान कहते हैं-

"सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज
अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः।।"

गीता में कर्म, ज्ञान और भक्ति की बात सर्वाधिक हुई है. उसमें कहा गया है कि मनुष्य कर्मयोग से जगत के लिए ज्ञानयोग से अपने लिए और भक्तियोग से श्रीकृष्ण के लिए उपयोगी हो सकते हैं. गीता में सभी दर्शनों का सार है. गीता केवल पढ़ाई नहीं कराती है बल्कि अनुभव कराती है. भेद गीता में नहीं है, बल्कि गीता के व्याख्याकारों में है. शंकर, रामानुज, मधुसूदन सरस्वती आदि ने संस्कृत में व्याख्याएं लिखी हैं. सन्त ज्ञानेश्वरी ने मराठी में लिखी हैं. इनके अतिरिक्त तिलक, अरविंद और महात्मा गांधी ने भी अपने ढंग से व्याख्याएं की हैं. इस संबंध में स्वामी रामसुखदास जी कहते हैं – "गीता में किसी मत का आग्रह नहीं है , प्रत्युत केवल जीव के कल्याण का ही आग्रह है. मतभेद गीता में नहीं, प्रत्युत टीकाकारों में है."

गीता सर्वशास्त्रमयी है. इसका स्वाध्याय कर इसके भावों को अंतःकरण में धारण कर लेने से अन्य शास्त्रों की आवश्यकता नहीं रहेगी. स्वयं भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं-

" गीता सुगीता कर्तव्या किमन्यैः शास्त्रविस्तरैः."

इतना ही नहीं महाभारत के गीता माहात्म्य में वैशयम्पायन जनमेजय से कहते हैं कि जिनके हृदय में गीता, गंगा, गायत्री और गोविन्द इन चारों का निवास है. उनका हृदय आनन्दित है. वे इस संसार के बंधनों से मुक्त हैं-

"गीता गंगा च गायत्री गोविन्देति हृदि स्थिते।
चतुर्गकार संयुक्ते पुनर्जन्म न विद्यते।।"

गीता में श्रद्धा को विशेष महत्व दिया गया है. श्रद्धा से ज्ञान और ज्ञान से परम शांति मिलती है. श्रीकृष्ण कहते हैं-

श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः।
ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति।।

इसलिए हमें श्रद्धापूर्वक गीता का स्वाध्याय कर परमार्थ की ओर बढ़ना चाहिए. इस ओर बढ़ने के लिए गीता प्रेमियों को स्वामी रामसुखदास जी कृत श्रीमद्भगवद्गीता साधक संजीवनी,जयदयाल गोयन्दका जी कृत श्रीमद्भगवद्गीता तत्वविवेचनी हिन्दी-टीका पदच्छेद, अन्वय सहित और प्रभुपाद का यथार्थ/ यथारूप गीता अवश्य पढ़नी चाहिए. भगवान कहते भी हैं कि हे ! अर्जुन तू हर प्रकार से परमात्मा के शरण में जा उसी में परम शांति मिलेगी-

"तमेव शरणं गच्छ सर्वभावेन भारत।
तत्प्रसादात्परां शान्तिं स्थानं प्राप्स्यसि शाश्वतम्।"

भगवान श्रीकृष्ण सोलह कलापूर्ण अवतार थे. गीता उनकी समग्र वाणी है. इसलिए गीता में सब कुछ है जो जिस दृष्टि से गीता के शरण में जाता है. गीता उन्हें वैसी ही दिखाई देती है-

" ये यथा मां प्रपद्यन्ते तांस्तथैव भजाम्यहम्।
मम वर्त्मानुवर्तन्ते मनुष्याः पार्थ सर्वशः।।"

गीता पढ़ाती है धर्म कर्म और प्रेम का पाठ

मोहन मंगलम

श्रीमद्भगवद्गीता धर्म, कर्म और प्रेम का पाठ पढ़ाती है. यह एक शाश्वत, अत्यन्त पवित्र और विश्वभर में प्रसिद्ध ग्रन्थ है. श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण के उन उपदेशों का वर्णन है, जो उन्होंने महाभारत के युद्ध के दौरान अर्जुन को दिए थे. गीता में 18 अध्याय और 700 श्लोक हैं, जिनमें धर्म के मार्ग का अनुसरण करते हुए कर्म करने की शिक्षा दी गई है. भक्ति का ज्ञान से और अंततः इन दोनों का नित्य-व्यवहार के कर्म के साथ सुंदर मिलाप कर मानव मात्र को निष्काम कर्म में प्रवृत्त करने वाला तथा कृति, बुद्धि, नीति और अध्यात्म की शिक्षा देने वाला है यह महान ग्रन्थ.

गीता में संपूर्ण जीवन दर्शन है. इसे पढ़ने से हमें जीवन में सही राह चुनने में मदद मिलती है. इसमें मनुष्य को अपनी हर समस्या का हल मिल सकता है. यह ग्रन्थ हमें जीवन की बुरी परिस्थितियों से कैसे निकला जाए, इसका ज्ञान भी देता है. इसका अनुसरण करने वाला व्यक्ति कभी निराश नहीं होता है. ऐसा कहा जाता है कि जब भी आप किसी दुविधा या परेशानी में हों तो श्रीमद्भगवद्गीता को पढ़ लें, इसके श्लोक आपको सही मार्ग दिखाने में सहायक होंगे.

श्रीमद्भगवद्गीता भारतीय दर्शन एवं धर्म की सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली पुस्तक है. इसकी जितनी समीक्षाएं, अर्थ एवं टीकाएं की गयी हैं, उतनी शायद ही विश्व के किसी धर्मग्रंथ की की गयी हों. श्रीमद्भगवद्गीता केवल कंठस्थ करने के लिए नहीं है, न ही यह वृद्धों के लिए है. यह तो युवावस्था में ही अध्ययन कर तथा अनुभव और ज्ञान की कसौटी पर आत्मसात कर आचरण में लाने के लिए है. इसमें मानवीय जीवन के आध्यात्मिक उत्कर्ष के सहज सरल सूत्र दिए गए हैं.

माता सर्वोपरि होती है - गुरु से भी ऊपर. गीता को मां भी कहा गया है. गीता समस्त मानव जाति के लिए माता के समान है, जो अपनी शरण में आए हुए हर पुत्र की समस्याओं का समाधान करती है. जिस प्रकार मां अपने बच्चों को प्यार-दुलार देती है और दिनोंदिन उसमें सुधार करते हुए उसे महानता के शिखर पर आरूढ़ होने का रास्ता दिखाती है, उसी तरह गीता भी इसका अध्ययन-मनन-चिन्तन करने वालों को सुशीतल शांति प्रदान करती है.

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने गीता की महत्ता के बारे में लिखा है, "मैंने कहीं पढ़ा था कि केवल सात सौ श्लोकों की मर्यादा में गीता ने समस्त शास्त्रों तथा उपनिषदों का सार उड़ेल कर रख

दिया है. गीता पढ़ सकूं, इसलिए मैंने संस्कृत भाषा सीखी. अपनी लौकिक माता से तो मैं बहुत पहले ही बिछुड़ गया; परंतु गीता मैया ने उस रिक्तता की पूर्ण पूर्ति कर दी है. आपातकाल में मैं उसी का आश्रय लेता हूँ."

श्रीमद्भगवद्गीता मनुष्यों को सद्शिक्षा देने के साथ ही नर से नारायण बनने की राह पर अग्रसर होने की प्रेरणा प्रदान करती है। गीता का ज्ञान अपने आप में इतना सक्षम है कि इसे पाने के बाद और कुछ पाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। तभी तो कहा गया है -

गीता सुगीता कर्त्तव्या किमन्यैः शास्त्रविस्तरैः।
या स्वयं पद्मनाभस्य मुखपद्माद्विनिसृतः॥

गीता सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान कर सभी दुःखों को हरने वाली कामधेनु जैसी है. गीता का जितना स्वाध्याय किया जाए, उतने ही जीवन को महान बनाने के नए-नए सूत्र हाथ लगते हैं. महान योगी, दार्शनिक और विचारक अरविन्द घोष कहते हैं, "गीता के उपदेश का प्रभाव केवल दार्शनिक अथवा विद्वज्जनों की चर्चा का विषय न होकर आचार-विचार के क्षेत्र में जीवंत तथा त्वरित अनुभव हो, ऐसा है. संसार के सर्वश्रेष्ठ शास्त्रीय ग्रंथों में गीता का एकमत से समावेश किया गया है."

मनुष्य को संपूर्ण बनाने के लिए जो भी आवश्यक तत्त्व हैं, वे सब गीता में हैं. भगवान् श्रीकृष्ण ने उस महान ज्ञान-तत्त्व रूपी दुग्ध को उपनिषद् रूपी गायों से दोहन करके निकाला है, जिसे गीतामृत कहा गया है. संत विनोबा भावे कहते थे- "हर कष्ट, हर दुःख के लिए गीताई की शरण जाओ."

वर्तमान समय में मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान की सर्वश्रेष्ठ पुस्तक श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान के अभाव की वजह से उत्पन्न अधूरे व्यक्तित्व के कारण ही तनाव, अवसाद जैसी परेशानियों से घिरा हुआ है. ऐसे में आज समाज में श्रीमद्भगवद्गीता की बहुत आवश्यकता है. श्रीमद्भगवद्गीता का मूल सिद्धांत है कि हम आत्मा हैं, मगर जन्म तथा मृत्यु के चक्र की अस्थायी अवस्था में बंधे हैं. इस अवस्था में हम मजा प्राप्त करना चाहते हैं जो कि अस्थायी है, जबकि हमें आनंद प्राप्त करना चाहिए जो कि सनातन अर्थात् स्थायी होता है. श्रीमद्भगवद्गीता हमें अस्थायी चीजों का उपयोग करके स्थायी आनंद की प्राप्ति की शिक्षा देती है. वस्तुतः श्रीमद्भगवद्गीता ऐसा ग्रन्थ है जिसमें साधक, गृहस्थ सबके लिए आध्यात्मिक-सामाजिक उन्नति के सहज, सरल सूत्र हैं. यह ऐसा सर्वकालीन ग्रन्थ है जो जीवन में पथदर्शक की भूमिका निभाता है.

श्रीमद्भगवद्गीता वर्तमान में धार्मिक से ज्यादा जीवन के प्रति अपने दार्शनिक दृष्टिकोण को लेकर भारत में ही नहीं, विदेशों में भी लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही है. गीता का निष्काम कर्म का संदेश प्रबंधन गुरुओं को भी लुभा रहा है.

ये है गीता का ज्ञान

- काम, क्रोध व लोभ – व्यक्ति के लिए नरक के द्वार खोल देते हैं. इसलिए अगर हम किसी लक्ष्य को पाना चाहते हैं तो ये तीन अवगुण हमेशा के लिए छोड़ देने चाहिए.
- इंद्रियों को वश में करने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि जिसकी इंद्रियां वश में होती हैं, उसकी ही बुद्धि स्थिर होती है और वह व्यक्ति अपने क्षेत्र में ऊंचाइयों को छूता है.
- कर्म करो, फल की चिंता मत करो. फल की इच्छा से जब कर्म करते हैं और इच्छित फल नहीं मिलता, तो दुख होता है. इसलिए सुखी जीवन के लिए निष्काम भाव से कर्म करते रहो.
- आत्म मंथन करके स्वयं को पहचानो क्योंकि जब स्वयं को पहचानोगे तभी क्षमता का आकलन कर पाओगे. जब व्यक्ति अपनी क्षमता का आकलन कर लेता है, तभी उसका उद्धार हो पाता है.
- मनुष्य को उसके द्वारा किए गए कर्मों के अनुसार ही फल प्राप्त होता है. इसलिए सदैव सत्कर्म करने चाहिए.
- क्रोध से भ्रम उत्पन्न होता है जिससे बुद्धि व्यग्र हो जाती है. सारे तर्कों का नाश हो जाता है और मनुष्य का पतन हो जाता है. इसलिए क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए.
- हमेशा सत्य के साथ खड़े रहो, भले अकेले ही क्यों न खड़ा रहना पड़े.
- अपने बीते हुए कल को त्याग देना चाहिए क्योंकि उसका प्रभाव आने वाले कल को दूषित करता है.
- जीवन के सच्चे साथी दो ही हैं – पहला, अपना किया हुआ कर्म और दूसरा परमात्मा. शेष तो सब इस जन्म में मिले हैं और यहीं बिछड़ जाएंगे.
- मृत्यु से कभी डरना नहीं चाहिए. मृत्यु का भय ही मनुष्य के वर्तमान खुशियों को खराब कर देता है.
- शरीर नश्वर है और आत्मा अमर है, इसलिए नश्वर शरीर पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए.

मोक्षदा एकादशी को अवतरित

ब्रह्मपुराण के अनुसार मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष एकादशी का बहुत बड़ा महत्व है. इसे "मोक्षदा एकादशी" भी कहते हैं. द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था. इसीलिए यह तिथि गीता जयंती के नाम से भी प्रसिद्ध है. भगवान ने अर्जुन को निमित्त बनाकर, मानव मात्र को गीता के ज्ञान द्वारा जीवनाभिमुख बनाने का चिरन्तन प्रयास किया है.

मराठी में यूं आई गीताई

संत विनोबा भावे की मां रुक्मिणी बाई कम पढ़ी-लिखी थीं. संस्कृत भाषा समझ नहीं आती थी, लेकिन मन था कि गीता-ज्ञान के लिए तरसता रहता. वे पुत्र विनोबा को विन्या कहकर पुकारती थीं. एक दिन उन्होंने अपनी कठिनाई पुत्र के समक्ष रख दी — "विन्या, संस्कृत की गीता समझ में नहीं आती." विनोबा जब अगली बार बाजार गए तो गीता के तीन-चार मराठी अनुवाद खरीद लाए, लेकिन उनमें भी अनुवादक ने अपना पांडित्य प्रदर्शन किया था. ऐसे बोझिल और उबाऊ अनुवाद अपनी अल्पशिक्षित मां के हाथ में थमाते हुए वे स्वयं दु:खी थे.

"तो तू नहीं क्यों नहीं करता नया अनुवाद." मां ने जैसे चुनौती पेश की. उस समय विनोबा की अवस्था मात्र 21 वर्ष थी, पर मां को बेटे की क्षमता पर पूरा विश्वास था. मां की इच्छा उनके लिए सर्वोपरि थी. धीरे-धीरे विनोबा का आत्मविश्वास बढ़ता गया. गीता पहले भी उन्हें भाती थी. अब तो जैसे हर आती-जाती सांस गीता का पाठ करने लगी. उसी साल 7 अक्टूबर को उन्होंने गीता का मराठी में अनुवाद करने के निमित्त कलम उठाई. उसके बाद तो रोज अनुवाद करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गया. सन् 1931 में अनुवाद कर्म पूरा हुआ. पुस्तक का नाम रखा गया- गीता+आई = गीताई. महाराष्ट्र में 'आई' का अभिप्राय मां है. यानी मां की स्मृति, उसके नेह से जुड़ी-रची गीता. पुत्र की कृति को देखने के लिए मां रुक्मिणी बाई तो जीवित नहीं थीं, मगर उनकी याद और अभिलाषा से जुड़ी 'गीताई' महाराष्ट्र के घर-घर में माताओं और बहनों के कंठ-स्वर में ढलने लगी. जो महिलाएं संस्कृत नहीं जानती थीं, जिन्हें अपनी भाषा का भी आधा-अधूरा ज्ञान था, उनके लिए सहज-सरल भाषा में रची गई 'गीताई', गीता की आध्यात्मिकता में डूबने के लिए वरदान बन गई. उनकी अध्यात्म चेतना का आभूषण बन गई. गांधीजी ने सुना तो अनुवाद कर्म की भूरि-भूरि प्रशंसा की.

कारागृह में प्रकट हुआ 'गीता रहस्य'

बाल गंगाधर तिलक ने 16 साल की उम्र में अपने मरणासन्न पिता को मराठी में गीता सुनाई थी. तभी से उनके हृदय में गीता के प्रति गहरा लगाव हो गया था. धीरे-धीरे जब समझ बढ़ी, तो गीता में वर्णित रहस्य खुलने लगे. उन्हें महसूस हुआ कि गीता की तमाम टीकाएं संसार से दूर ले जाने वाली यानी निवृत्ति का मार्ग दिखाने वाली थीं और तिलक का मन यह मानने को तैयार ही नहीं था. वे सोचते थे कि मोहग्रस्त अर्जुन को युद्ध के लिए तैयार करने वाली गीता निरे मोक्ष की बात कैसे कर सकती है!

भारतमाता गुलामी की बेड़ियों में कैद कराह रही थी. तिलक को अपने धुआंधार राजनीतिक जीवन की व्यस्तता की वजह से समय मिल नहीं पाता था, लेकिन जब भी वे जेल में होते, तो गीता उनके जेहन में चली आती. 1910 के नवम्बर की शुरुआत ही हुई थी. तिलक तब के बर्मा की मांडले जेल में कैद थे. वहीं एक सुबह उन्होंने महसूस किया कि बरसों से जिस गीता पर लिखना चाहते थे, वह समय आ गया है और जेल में उन्होंने 'गीता रहस्य' को महज पांच महीने में पेंसिल से ही लिख डाला. तिलक ने 'गीता रहस्य' लिखी ही इसलिए थी कि वे मान नहीं पा रहे थे कि गीता जैसा ग्रन्थ केवल मोक्ष की ओर ले जाता है. वह तो कर्म को केंद्र में लाना चाहते थे. वही शायद उस समय की मांग थी. जब देश गुलाम हो, तब आप अपने लोगों से मोक्ष की बात नहीं कर सकते. उन्हें तो कर्म में लगाना होता है और तिलक ने एक थके हुए गुलाम समाज को जगाने के लिए 'गीता रहस्य' को संजीवनी बनाकर प्रस्तुत किया. इसमें उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के कर्म योग की वृहद व्याख्या की. मनुष्य को उसके वास्तविक कर्तव्यों का बोध कराते हुए कहा, "मूल गीता निवृत्ति प्रधान नहीं है. वह तो कर्म प्रधान है."

प्रमुख भाष्य और टीकाएं

- गीताभाष्य : आदि शंकराचार्य
- गीताभाष्य : रामानुज
- गूढ़ार्थदीपिका टीका : मधुसूदन सरस्वती
- सुबोधिनी टीका : श्रीधर स्वामी
- ज्ञानेश्वरी : संत ज्ञानेश्वर
- गीता रहस्य : बालगंगाधर तिलक
- अनासक्ति योग : महात्मा गांधी
- एसेज ऑन गीता : अरविन्द घोष
- ईश्वरार्जुन संवाद : परमहंस योगानन्द
- गीता-प्रवचन : विनोबा भावे
- गीता तत्व विवेचनी टीका : जयदयाल गोयन्दका
- गीता साधक संजीवनी : स्वामी रामसुखदास

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

दारोगा का मधुबनी में हुआ अंतिम संस्कार

मधुबनी। मधुबनी में दारोगा खामस चौधरी का अंतिम संस्कार किया गया. बेगूसराय में शराब माफियाओं ने ड्यूटी पर तैनात बिहार पुलिस के एएसआई खामस चौधरी की कार से कुचल कर हत्या कर दी थी. चौधरी मूल रूप से मधुबनी जिले के रहिका थाना क्षेत्र के माड़र गांव निवासी थे. इस घटना में दो होमगार्ड के जवान भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं, जिनका इलाज चल रहा है. मामला मंगलवार की रात का है. बेगूसराय के पुलिस लाइन में दारोगा खामस चौधरी को अंतिम विदाई दी गई, उसके बाद उनके शव को बुधवार की रात रहिका थाना अंतर्गत मारर गांव भेजा गया.

3 दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे भागवत

पटना। आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत गुरुवार को तीन दिनों के बिहार दौरे पटना पहुंचे. यहां से वे सीधे भागलपुर जाएंगे. उनके बिहार आगमन पर राजधानी पटना से भागलपुर तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं. भागवत रात्रि विश्राम भागलपुर में ही करेंगे. कार्यक्रम के बारे में आरएसएस दक्षिण बिहार के प्रांत प्रचार प्रमुख अभिषेक कुमार ने बताया कि सरसंघचालक आज भागलपुर के कुप्पा घाट स्थित महर्षि मेंही आश्रम में उपस्थित रहेंगे. वे छह घंटे तक साधु-संन्यासियों के साथ समय बितायेंगे. वर्तमान आचार्य हरिनंदन बाबा से मिलने संघ प्रमुख आश्रम पहुंचेंगे.

इंडिया गठबंधन में सब कुछ ठीक है : लालू

पटना। दिल्ली में इंडिया गठबंधन दलों की हुई बैठक के बाद राजद सुप्रीमो लालू यादव पटना लौट गए हैं. मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर कोई पेंच नहीं है. जल्द ही सबकुछ क्लीयर हो जाएगा. वहीं, नीतीश कुमार की नाराजगी के सवाल पर उन्होंने कहा कि ये सब मीडिया की उपज है. मीडिया भाजपा के हाथों बिकी हुई है और गलत खबरें चलाते रहती हैं. लालू ने कहा कि दिल्ली में इंडिया गठबंधन दलों की बैठक शांतिपूर्वक और अच्छे माहौल में हुई है. नीतीश की नाराजगी की खबरों में कोई दम नहीं है.

विवाद सुलझाने व पंचायत करने जीजा गए थे साली की ससुराल

संपत्ति विवाद सुलझाने गए युवक की जीभ काटी, भर्ती

संवाददाता। वैशाली

वैशाली में साली के लिए पंचायत करने गये बहनोई को साली के ससुराल वालों ने जमकर पिटाई की और फिर उसकी जीभ काट ली. घटना चांदपुरा ओपी क्षेत्र के चैनपुर नन्हकार गांव की है. पीड़ित बिदुपुर थाना क्षेत्र के बिष्णुपुर राजखंड निवासी विनोद राय हैं. पीड़ित विनोद राय ने इस मामले में चार लोगों को नामजद और दो अज्ञात व्यक्तियों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है. बिदुपुर थाना क्षेत्र के बिष्णुपुर राजखंड निवासी

विनोद राय ने मामला दर्ज कराया, जिसमें कहा गया है कि उसकी शाली राधा देवी की शादी चांदपुरा ओपी क्षेत्र के जहांगीरपुर निवासी महेश राय के पुत्र रवि राज कुमार के साथ हुई थी. शादी के डेढ़ साल बाद रवि राज कुमार की गंभीर बीमारी से मौत हो गई. तब तक राधा एक बच्ची की मां हो चुकी थी. रवि राज कुमार की मौत के बाद राधा देवी के ससुराल वाले उसे अक्सर तंग-तबाह करने लगे. तब राधा देवी को परिजनों ने मायके बुला लिया.

ससुराल पक्ष के लोग सहमत नहीं थे

परिजनों का कहना है कि विनोद अपने कुछ शुभचिंतकों के साथ चैनपुर नन्हकार निवासी अशोक राय के घर पर पंचायत करने गये. इनका कहना था कि राधा और उसकी बेटी के भविष्य के लिए उसकी संपत्ति में हिस्सा दिया जाय लेकिन इस बात पर राधा के ससुराल पक्ष के लोग सहमत नहीं थे. पंचायत के दौरान महेश राय, दिनेश राय और प्रवीण कुमार हंगामा करते हुए विनोद राय के साथ गली गलौज करने लगे. जब विनोद ने गाली का विरोध किया जमीन पर पटककर विनोद राय की जीभ काट दी.

पुलिस बोली-पारिवारिक विवाद है : घटना के संबंध में महनार एएसपी प्रत्यूष कुमार का कहना है कि ऐसा कोई गंभीर मामला नहीं है. पारिवारिक विवाद में पंचायती हो रहा था. इसी दौरान मारपीट हो गई. जीभ पर जख्म है. पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल हो रही है.

आओ जानें

बिहार में पुरुषों की साक्षरता दर ज्यादा

- बिहार की साक्षरता % कितना है - 63.82%
- बिहार की पुरुष साक्षरता % कितना है -73.39%
- बिहार की महिला साक्षरता % कितना है -53.33%
- साक्षरता दर के मामले में राज्य का स्थान -28 वां स्थान
- सबसे अधिक साक्षरता वाला जिला कौनसा है -रोहतास
- सबसे कम साक्षरता वाला जिला कौनसा है - पूर्णिया
- सबसे अधिक पुरुष साक्षरता वाला जिला - रोहतास
- सबसे अधिक महिला साक्षरता वाला जिला - रोहतास
- सबसे कम पुरुष साक्षरता वाला जिला - पूर्णिया
- सबसे कम महिला साक्षरता वाला जिला - सहरसा

झारखंड के रजरप्पा से लौट रहे थे सभी युवक

नवादा में सड़क दुर्घटना में 3 युवक की मौत, 2 घायल, भर्ती

संवाददाता। नवादा

नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के स्टेट हाईवे (एसएच-70) पर गुरुवार सुबह सड़क दुर्घटना में तीन युवक की मौत हो गई तथा दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. गंभीर रूप से घायल युवकों को बेहतर इलाज के लिए पटना भेजा गया है. पुलिस के मुताबिक स्कॉर्पियो की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक वाहन को संभाल नहीं पाया और स्कॉर्पियो सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई. जिससे पेड़ उखड़ गए और तीन युवक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. मृतक में नवादा जिले के सिरदला थेन के नरौली निवासी चंदन कुमार पिता संजय सिंह, नरहट थेन के खनवा निवासी विवेक कुमार पिता स्वर्गीय संजय सिंह और रोशन कुमार पिता मनोज सिंह शामिल है. घायलों में खनवा निवासी गोपाल कुमार पिता मंटू सिंह, प्रिंस कुमार पिता जितेंद्र कुमार शामिल है. सभी घायलों को डायल 112 की टीम द्वारा अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया. थाना प्रभारी पवन कुमार दलबल के साथ अनुमंडल अस्पताल पहुंचकर सभी घायलों का हाल-चाल जाना और शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा भेज दिया. घटना की सूचना मृतक और घायलों के परिवार को दे दी गई है.

थाना अध्यक्ष ने बताया कि पांच युवक स्कॉर्पियो से झारखंड के रजरप्पा से लौटकर नवादा जिले के खनवा गांव जा रहे थे. स्कॉर्पियो असंतुलित हो गई. जिस कारण तेज रफ्तार से जा रहे स्कॉर्पियो पेड़ में टकरा गई. टक्कर इतनी भयानक थी कि जोर की आवाज हुई. ग्रामीणों ने पुलिस के डायल 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को बुलाया. सभी पुलिस कर्मियों के सहयोग से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया.

ऑटो-मैजिक की टक्कर में एक की मौत, 7 घायल

पूर्णिया : पूर्णिया में ऑटो और मैजिक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं 7 लोग बुरी तरह से घायल हो गये. घटना पूर्णिया के डगरूआ थाना क्षेत्र के राजवेली विश्वासपुर के पास घटी है. सभी घायलों का इलाज पूर्णिया के मेडिकल कॉलेज में चल रहा है. बताया गया कि ऑटो बेलगाछी से सवारी लेकर पूर्णिया आ रही थी. मृतक की पहचान बेलगछी पोस्ट ऑफिस में पोस्टमास्टर के रूप में कार्यरत धीरेंद्र राम के रूप में हुई है. घटना के बाद परिवार का रो रोकर बुरा हाल है. घटना की सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया. वहीं दोनों गाड़ियों को भी अपने कब्जे में लेकर थाना ले गई. पुलिस ने अस्पताल में घायलों का हालचाल भी जाना. घटना की जानकारी देते हुए मृतक के पुत्र उपेंद्र राम ने बताया कि उसके पिता अपने घर से ऑटो पर सवार होकर डाक लेने के लिए गुलाबबाग जा रहे थे. जैसे ही ऑटो राजवेली विश्वास पुर के समीप पहुंची, तो तेज रफ्तार से आ रही मैजिक गाड़ी की ऑटो से टक्कर हो गई और यह दर्दनाक हादसा हुआ.

साग तोड़ने के विवाद में लड़की को पीटा, मौत

कैमूर। साग तोड़ने कोलेकर नाबालिग की हत्या कर दी गई. घटना चैनपुर थाना क्षेत्र के हाटा नगर पंचायत की है. जहां खेत में साग तोड़ने की सजा देते हुए आठवीं क्लास की एक छात्रा को आरोपी पिता और पुत्र ने बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया. इस घटना के बाद ग्रामीणों में काफी आक्रोश हैं. घटना के बाद से लगातार छात्रा के परिजनों को मुआवजा देने और आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की जा रही है. वहीं घटना के संबंध में मृतक छात्रा के पिता जितेंद्र राम ने बताया कि नंदना गांव के सिवान में थोड़ी बहुत जमीन है. जहां शाम के समय सुंदरी छोटी बहन के साथ गई थी.

2 प्रोफेसर -7 शिक्षकेत्तर के वेतन पर लगी रोक

पटना। बिहार में दो प्रोफेसर और 7 शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के वेतन पर रोक लगा दी गई है. शिक्षा विभाग की उच्च शिक्षा निदेशक रेखा कुमारी की ओर से बुधवार को आदेश जारी करते हुए ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अमरेश शांडिल्य और वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गुरु चरण सिंह के वेतन और पेंशन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है. इस आदेश में कहा गया है कि समाचार पत्र में खबर चली है कि विभागीय निर्देशों का फुटाब के बैनर तले दोनों प्रोफेसर ने विरोध किया है. निदेशक रेखा कुमारी ने पत्र के माध्यम से कहा है कि दोनों प्रोफेसर्स का आचरण गैर पेशेवर है.

दलाई लामा से मिले सीएम नीतीश

महाबोधि मंदिर में की पूजा-अर्चना

गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को बोधगया के तिब्बतियन मॉनेस्ट्री पहुंच कर बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा से मुलाकात की. उनसे बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आप जब भी यहां आते हैं तो हम आपसे मिलने आते हैं और आपका आशीर्वाद लेते हैं. सभी धर्मों के प्रति हमलोगों का सम्मान है. बौद्ध धर्म के प्रति भी हमलोगों का सम्मान है. मुख्यमंत्री ने दलाई लामा को वैशाली में बनने वाले बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया. मुख्यमंत्री के आग्रह को दलाई लामा ने स्वीकार किया. इससे पहले मुख्यमंत्री ने दलाई लामा से मुलाकात के दौरान उन्हें पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर उनका स्वागत किया और उन्हें नमन कर उनका आशीर्वाद लिया. दलाई लामा ने मुख्यमंत्री को दीर्घायु एवं स्वस्थ रहने का आशीर्वाद दिया और मुख्यमंत्री ने भी दलाई लामा के स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की कामना की.

कारोबार

अनिल अग्रवाल को सीईओ किया नियुक्त

नयी दिल्ली। टीटागढ़ रेल सिस्टम लिमिटेड के निदेशक मंडल ने कंपनी में फ्रेट रेल सिस्टम के उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में अनिल कुमार अग्रवाल की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है. टीटागढ़ रेल सिस्टम लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी अग्रवाल को नई जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय बुधवार को किया गया. कंपनी ने कहा, मुख्य वित्त अधिकारी अनिल अग्रवाल को 'फ्रेट रेल सिस्टम' के उप प्रबंध निदेशक के रूप में जिम्मेदारी देना होगा.

कल्याणी के मुख्य वित्त अधिकारी का इस्तीफा

नयी दिल्ली। कल्याणी स्टील्स के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) बाल मुकुंद माहेश्वरी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. माहेश्वरी ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि वह अपने करियर को दूसरी दिशा में ले जाना चाहते हैं. कल्याणी स्टील्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि माहेश्वरी एक अप्रैल, 2024 दिन सोमवार को कारोबारी समय समाप्त होने के बाद कंपनी की सेवा में नहीं रहेंगे. लगभग तीन अरब डॉलर के कल्याणी समूह है.

आईनॉक्स इंडिया के शेयर में 44% की उछाल

नयी दिल्ली। क्रायोजेनिक टैंक बनाने वाली आईनॉक्स इंडिया के शेयर निर्गम मूल्य 660 रुपये से 44 प्रतिशत उछाल के साथ बृहस्पतिवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए. बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 41.38% चढ़कर 933.15 रुपये पर शुरुआत की. बाद में 48.31% के उछाल के साथ 978.90 रुपये पर पहुंच गए.एनएसई पर शेयर 43.88% की तेजी के साथ 949.65 रुपये पर सूचीबद्ध हुए. कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरुआती कारोबार में 8,522.24 करोड़ रुपये रहा. आईनॉक्स इंडिया के 1,459.32 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम को आखिरी दिन गत सोमवार को 61.28 गुना अभिदान मिला था.

क्रैश टेस्ट में टाटा हैरियर और सफारी दोनों को 5-स्टार रेटिंग मिली

एनसीएपी के पहले क्रैश टेस्ट के नतीजे घोषित

भाषा। नयी दिल्ली

मिले स्कोर

- बैरियर टेस्ट में 16 में से 16 स्कोर हासिल किए
- 15 दिसंबर से दोनों का क्रैश टेस्ट हो रहा था

टेस्ट के तरीके

टेस्ट के लिए इंसान जैसी 4 से 5 डमी को कार में बैठाया जाता है. बैक सीट पर बच्चे की डमी होती है, जो चाइल्ड आईएसओएफआईएक्स एंकर सीट पर फिक्स की जाती है. गाड़ी को फिक्स्ड स्पीड पर ऑफसेट डिफॉर्मेबल बैरियर (हार्ड ऑब्जेक्ट) से टकराकर देखा जाता है कि गाड़ी और डमी को कितना नुकसान पहुंचा है. इसे तीन तरीके से किया जाता है. इसमें फ्रंटल इम्पैक्ट टेस्ट में कार को 64 केएमपीएच की रफ्तार पर बैरियर से टकराया जाता है. फिर साइड इम्पैक्ट टेस्ट में गाड़ी को 50 केएमपीएच की स्पीड पर बैरियर से टकराया जाता है. फिर पोल साइड इम्पैक्ट टेस्ट में कार को फिक्स स्पीड पर पोल से टकराकर देखा जाएगा. पहले दो टेस्ट में कार के 3 स्टार रेटिंग हासिल करने पर तीसरा टेस्ट किया जाएगा.

लंबे इंतजार के बाद देश में कारों का क्रैश टेस्ट शुरू हो गया. इसके तहत बुधवार को भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत एनसीएपी या बीएनसीएपी) ने पहले क्रैश टेस्ट के नतीजे घोषित कर दिए. इसमें टाटा हैरियर और सफारी दोनों को 5-स्टार रेटिंग मिली है. भारतीय एजेंसी 15 दिसंबर से दोनों कारों का क्रैश टेस्ट कर रही थी. हैरियर और सफारी दोनों ने एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (एओपी) के लिए 32 में से 30.08 पॉइंट और चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (सीओपी) के लिए 49 में से 44.54 पॉइंट हासिल किए. जबकि एसयूवी ने साइड मूवेबल डिफॉर्मेबल बैरियर टेस्ट में 16 में से 16 स्कोर हासिल किए. वहीं फ्रंट ऑफसेट डिफॉर्मेबल बैरियर टेस्ट में चेस्ट एरिया की सेफ्टी के लिए कम स्कोर किया और 16 में से 14.08 स्कोर मिले. केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के एमडी शैलेश चंद्रा को बीएनसीएपी सर्टिफिकेट सौंपा. खास बात ये रही कि इन दोनों एसयूवी को ग्लोबल एनसीएपी के क्रैश टेस्ट में 5-स्टार रेटिंग मिली थी.

पहले एक अक्टूबर से कारों का क्रैश टेस्ट शुरू होना था, लेकिन फेस्टिव सीजन के कारण अब तक इसकी शुरुआत नहीं हो पाई थी. केंद्रीय सड़क-परिवहन राज्यमंत्री नितिन गडकरी ने इसी साल 22 अगस्त को दिल्ली में हुए इवेंट में बीएनसीएपी को लॉन्च किया था. इसके बाद 18 सितंबर को पुणे के चाकन स्थित केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान (सीआईआईटीआई) में कमांड और कंट्रोल सेंटर की ओपनिंग की थी. इस एजेंसी को भारतीय परिस्थितियों के अनुसार तय नॉर्म्स पर कारों का क्रैश टेस्ट कर उन्हें सेफ्टी रेटिंग देने के लिए तैयार किया गया है. गडकरी ने कहा था कि बीएनसीएपी के तहत देश में व्हीकल की टेस्टिंग कॉस्ट करीब 60 लाख रुपए होगी, जबकि ग्लोबल लेवल पर यह कॉस्ट 2.5 करोड़ रुपए है. यानी अब देशी एजेंसी से टेस्टिंग कराने पर कंपनियों का 75% कम खर्च होगा.

इस टेस्ट में कारों को 0 से 5 स्टार तक की रेटिंग दी जाती है. 0 स्टार का मतलब अनसेफ और 5 स्टार का मतलब पूरी तरफ सेफ माना जाता है. अब तक ऑटोमेकर कंपनियों ने कारों के करीब 3 दर्जन से ज्यादा मॉडलों को टेस्ट के लिए रजिस्टर करा लिया है. क्रैश टेस्ट के पहले बैच में टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, हुंडई और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियां भाग लेंगी. इनमें टाटा मोटर्स अपने मॉडलों को रजिस्टर कराने वाली पहली कंपनी है. दूसरी ओर रेनो, स्कोडा और फॉक्सवैगन जैसी यूरोपीय कंपनियों ने अभी तक अपनी कारों का रजिस्ट्रेशन करने का निर्णय नहीं लिया है.

बताया जाता है कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय कार के मार्केट फीडबैक और एनालिसिस के आधार पर भारत एनकैप के प्रोटोकॉल के तहत आने वाले किसी भी मॉडल को टेस्ट किए जाने की सिफारिश भी कर सकता है. इसके अलावा भारत सरकार चाहे तो भारत एनकैप से पब्लिक सेफ्टी के हित में किसी कार के किसी स्पेशल वैरिएंट का टेस्ट करने को भी कह सकती है.

कृषि श्रमिकों के लिए महंगाई दर नवंबर में बढ़कर 7.37%

एजेंसी। नयी दिल्ली

चावल, गेहूं का आटा, दाल जैसे खाने का समान महंगा होने से कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में बढ़कर 7.37 प्रतिशत हो गई. वहीं ग्रामीण श्रमिकों के लिए यह 7.13 प्रतिशत रही. अक्टूबर में कृषि श्रमिकों की खुदरा मुद्रास्फीति 7.08 प्रतिशत और ग्रामीण श्रमिकों की खुदरा मुद्रास्फीति 6.92 प्रतिशत थी. श्रम मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी बयान के अनुसार, कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खाद्य मुद्रास्फीति नवंबर में क्रमशः 9.38 प्रतिशत और 9.14 प्रतिशत रही, जबकि अक्टूबर, 2023 में यह क्रमशः 8.42 प्रतिशत तथा 8.18 प्रतिशत थी. कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खाद्य मुद्रास्फीति नवंबर, 2022 में क्रमशः 6.19 प्रतिशत और 6.05 प्रतिशत दर्ज की गई थी. बयान के अनुसार, सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल (ग्रामीण श्रमिक) पर आधारित मुद्रास्फीति की दर इस साल नवंबर में क्रमशः 7.37 प्रतिशत और 7.13 प्रतिशत रही. अक्टूबर, 2023 में यह क्रमशः 7.08 प्रतिशत और 6.92 प्रतिशत थी. इस साल नवंबर में कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 12 अंक बढ़कर 1,253 अंक हो गया, जबकि ग्रामीण श्रमिकों के लिए यह 11 अंक बढ़कर 1,262 अंक रहा. इस साल अक्टूबर में दोनों सूचकांक क्रमशः 1,241 अंक और 1,251 अंक थे. कृषि श्रमिकों और ग्रामीण श्रमिकों के सामान्य सूचकांक में वृद्धि में प्रमुख योगदान क्रमशः 10.85 और 10.50 अंक की सीमा तक खाद्य पदार्थों का रहा.

चिंता | अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने चेताया, राज्य सरकारों की कुल कर्ज में हिस्सेदारी 50.18 लाख करोड़

भारत पर 205 लाख करोड़ का कर्ज, सरकार बोली-चिंता नहीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

एक रिपोर्ट के अनुसार देश का कुल कर्ज चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में बढ़कर 2.47 लाख करोड़ डॉलर (205 लाख करोड़ रुपये) पर पहुंच गया है. पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार इससे पूर्व पिछले वित्तीय वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल कर्ज 2.34 लाख करोड़ डॉलर (लगभग 200 लाख करोड़ रुपये) था. इंडिया बॉन्ड्स डॉट कॉम के सह-संस्थापक विशाल गोयनका ने भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के हवाले से केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के कर्ज पर फोकस किया है. कहा है कि केंद्र सरकार का कर्ज सितंबर तिमाही में 161.1 लाख करोड़ रुपये रहा है.

कुल कर्ज में हिस्सेदारी 50.18 लाख करोड़

राज्य सरकारों की कुल कर्ज में हिस्सेदारी 50.18 लाख करोड़ रुपये है. इंडिया बॉन्ड्स डॉट कॉम के अनुसार रिपोर्ट आरबीआई, सीसीएल और सेबी से जुटाये गये आंकड़ों के आधार पर तैयार की गयी है. रिपोर्ट कहती है कि केंद्र सरकार पर 161.1 लाख करोड़ रुपये यानी कुल कर्ज का सर्वाधिक 46.04 फीसदी है.

ज्यादातर कर्ज रुपये में है

आईएमएफ में भारत के कार्यकारी निदेशक केवी सुब्रमण्यन ने एक बयान में कहा कि आईएमएफ का यह दावा अतिशयोक्ति जैसा है कि मध्यम अवधि में कर्ज जीडीपी के 100 फीसदी से अधिक पहुंचने का खतरा है. उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में शामिल लंबी अवधि में कर्ज चुकाने की क्षमता पर जोखिम के बारे में भी यही कहा जा सकता है. सरकारी कर्ज पर जोखिम बहुत कम है क्योंकि ज्यादातर कर्ज रुपया में है.

आईएमएफ ने कर्ज को लेकर भारत को चेताया

भारत को लॉन्ग टर्म में कर्ज चुकाने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. खबर है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कर्ज को लेकर भारत का ध्यान खींचा है. आईएमएफ ने कहा है कि केंद्र और राज्यों को मिलाकर भारत का सामान्य सरकारी कर्ज मध्यम अवधि में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 100 फीसदी से ऊपर पहुंच सकता है. आईएमएफ का मानना है कि ऐसे में भारत को लॉन्ग टर्म में कर्ज चुकाने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. हालांकि, आईएमएफ की इस रिपोर्ट पर केंद्र सरकार ने असहमति जताई की है. भारत सरकार का मानना है कि सरकारी कर्ज से जोखिम काफी कम है, क्योंकि ज्यादातर कर्ज भारतीय मुद्रा (रुपये) में है.

गुजरात का हीरा क्षेत्र चमका

नए बोर्स से कारोबार दो लाख करोड़ पहुंचने की उम्मीद

एजेंसी। अहमदाबाद (गुजरात)

गुजरात के सूरत में दुनिया के 10 कच्चे हीरों में से आठ का करीब आठ लाख कर्मचारियों द्वारा प्रसंस्करण किया जाता है. राज्य की अर्थव्यवस्था में हीरा उद्योग का बहुत बड़ा योगदान है. अब वाइब्रेंट गुजरात समिट और नए विशाल 'सूरत डायमंड बोर्स' परिसर से इसके और बढ़ने की उम्मीद है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत रविवार को यहां विशाल 'सूरत डायमंड बोर्स' परिसर का उद्घाटन करने के बाद इसे नए भारत की ताकत और संकल्प का प्रतीक बताया था. उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, नए 'सूरत डायमंड बोर्स' परिसर के साथ राज्य के हीरा क्षेत्र का योगदान और बढ़ने वाला है क्योंकि कारोबार के सालाना दो लाख करोड़ रुपये तक बढ़ने का अनुमान है. उन्होंने कहा कि उद्योग अन्य 1.5 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करने और रत्न तथा आभूषण के लिए केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी निर्यात लक्ष्य को हासिल करने में मदद योगदान देने को तैयार है. विशेषज्ञों ने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट से रत्न तथा आभूषण क्षेत्र के विकास में मदद मिलेगी. यह राज्य की अर्थव्यवस्था में चमक लाएगा और केंद्र सरकार इसे दोहरे अंकों में बढ़ाने का लक्ष्य रखेगी. वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' का 10वां संस्करण 10 से 12 जनवरी को गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

घटक दलों की बैठक में धरना देने का निर्णय

बोकारो। बोकारो परिसदन में गुरुवार को इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों की संयुक्त बैठक में शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत बोकारो समाहरणालय पर धरना देने का निर्णय लिया गया. संसद से विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ केंद्रीय नेतृत्व द्वारा देश भर में विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया गया है. बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष उमेश गुप्ता ने की. बैठक में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्कलुसिव अलायंस में शामिल विभिन्न दलों के वक्ताओं ने कहा कि केंद्रसरकार ने तानाशाही रवैया अपना रखा है.

मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना को लेकर बैठक

बोकारो। बोकारो जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर ने जिला परिवहन कार्यालय कक्ष में गुरुवार को मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना, 2022 से संबंधित बैठक आयोजित की गई. मौके पर टाटा मोटर एवं अय्यार कंपनियों के प्रतिनिधि सहित विभिन्न बस मालिक एवं लाभुक उपस्थित थे. मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना 2022 के कार्यान्वन हेतु ग्रामीण क्षेत्र के मार्गों का चयन पर विचार विमर्श किया गया. डीटीओ वंदना शेजवलकर ने कहा कि राज्य के ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रो में सड़क परिवहन आवागमन व्यवस्था को बेहतर बनाने पर सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है.

निरसा-गोविंदपुर जलापूर्ति योजना को मिली स्वीकृति

निरसा। निरसा-गोविंदपुर जलापूर्ति योजना को दोबारा स्वीकृति मिल गई है. गुरुवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के धनबाद जिला अध्यक्ष उमेश गोस्वामी ने निरसा गोविंदपुर जलापूर्ति योजना को दोबारा स्वीकृति मिलने पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव मनीष रंजन अमोंग एवं अभियंता प्रमुख रघुनंदन शर्मा से नेपाल हाउस रांची में मिलकर उन्हें बधाई दी. साथ ही पेयजल एवं स्वच्छता पर मंडल धनबाद में कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता की नियुक्ति की मांग की.

मुख्यमंत्री फसल राहत योजना को लेकर बैठक

नावाडीह। नावाडीह प्रखंड के सभागार कक्ष में गुरुवार को मुख्यमंत्री फसल राहत योजना को लेकर सीओ की अध्यक्षता में पंचायत सेवक कर्मचारी जन सेवक व कृषक मित्रों की बैठक हुई. बैठक में कई पंचायत सेवक और रोजगार सेवक उपस्थित नहीं. बैठक में सीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि खरीफ फसल के लिए किसान मुख्यमंत्री राहत योजना में अपना नामांकन 30 नवंबर से पूर्व प्रज्ञा केंद्र के माध्यम से फसल की छती पूर्ति के लिए आवेदन किया है. जिसकी अभी तक प्रखंड में इसका सत्यापन शून्य के बराबर है.

नंदलाल दास की पुण्यतिथि पर बांटे गए 110 शॉल

जमशेदपुर। कदमा स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क के संस्थापक एवं समाजसेवी स्व. नंदलाल दास की पांचवीं पुण्यतिथि गुरुवार को पार्क में समारोह पूर्वक मनाई गई. इस अवसर के 110 जरूरतमंदों के बीच शॉल का वितरण किया गया. डॉ भीमराव अम्बेडकर पार्क संचालन समिति, अंबेडकर विचार मंच और डॉ अंबेडकर एससी-एसटी ओबीसी माइनॉरिटी वेलफेयर कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी दिनेश चंद्र गुप्ता उर्फ टप्पू भैया, विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष ब्रह्मदेव शर्मा, पूर्व डीएसपी राजेंद्र राय व पूर्व खनन अधिकारी दिलीप तांती मौजूद थे.

फुड सेफ्टी ऑडिट टीम ने की जांच, लगायी फटकार

धनबाद। पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर मुख्यालय से धनबाद आई फुड सेफ्टी ऑडिट टीम ने गुरुवार को धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर बने स्टॉल, रेस्टोरेंट और भोजनालय में खानपान और सफाई की जांच की. स्टॉल पर साफ-सफाई तो ठीक-ठाक थी, लेकिन रेस्टोरेंट और भोजनालय में गंदगी देख फुड सेफ्टी ऑडिट टीम ने संचालक को जमकर फटकार लगाई और कहा कि यही हाल रहा तो लाइसेंस तो रद्द होगा ही ब्लैकलिस्टेड भी कर देंगे. रेलवे सूत्रों के अनुसार हर साल की भांति इस साल भी हाजीपुर मुख्यालय से पांच सदस्यीय फुड सेफ्टी ऑडिट टीम धनबाद पहुंची, जिसमें महिला भी शामिल थी.

सड़क सुरक्षा नियमों का अनुपालन कराए जाने को लेकर बर्मन हाईवे ने चलाया जागरूकता कार्यक्रम

हमें ट्रैफिक रूल को अपनाना चाहिए: ओम प्रकाश

संवाददाता । लोहरदगा

बर्मन हाईवे द्वारा लोहरदगा जिला में सड़क सुरक्षा नियमों का अनुपालन कराए जाने को लेकर जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया. इस दौरान बिना हेलमेट पहने, सीट बेल्ट, ड्रंक एंड ड्राइव, रफ ड्राइविंग, ट्रिपल राइड, वाहनों के बीच कम दूरी रखना, स्पीड ड्राइविंग आदि कारणों से लोहरदगा की सड़कों पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं से हो रहे मौत, घायलों पर शहर के सामाजिक, राजनीतिक, अधिवक्ता व प्रबुद्ध लोग सड़क पर उतरे.

उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट पहनने, ड्रंक एंड रफ ड्राइविंग न करने आदि की नसीहत दी. वहीं ट्रैफिक रूल का पंपलेट देकर समझने का प्रयास किया गया. इधर बर्मन हाईवे बीएस कॉलेज के निकट द्वारा आहूत इस कार्यक्रम में जो वाहन चालक बगैर हेलमेट, बगैर सीट बेल्ट लगाए एवं तेज गति चालकों को गुलाब का फूल व माला पहनाकर सड़क सुरक्षा के कायदे बताए गए. वहीं हेलमेट पहनने व सीट बेल्ट लगाए लोगों को कैडब्रीज व ट्रॉफी देकर प्रोत्साहित भी किया गया. पंपलेट में यातायात नियमों में बरतें सख्ती तभी मिलेगी दुर्घटनाओं से मुक्ति, वन मिस्टेक गेम ओवर, स्पीड थ्रिल बट कील, गाड़ी चलाएं शौक से शोक से नहीं आदि लिखे थे. मौके पर समाजसेवी सह भाजपा नेता ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि एक एक्सीडेंट से पूरा परिवार तबाह हो जाता है, हमें ट्रैफिक रूल को अपनाना चाहिए. इस दौरान सड़क सुरक्षा समिति सदस्य संजय बर्म्मन ने कहा कि 78 प्रतिशत मौत बगैर हेलमेट पहनने के कारण खासकर युवाओं की संख्या एवं शराब सेवन बड़ा कारण है. साथ ही अभिभावक भी जिम्मेवार हैं जो बच्चों की जिद के कारण भारी वाहन तो खरीद देते हैं पर सुरक्षा का ज्ञान नहीं देते. अधिवक्ता देवाशीष कार व अनुप राय ने कहा कि सड़क सुरक्षा अब एक बड़ी समस्या बनती जा रही है. उन्होंने कहा कि इसे लेकर सभी राजनीतिक, सामाजिक आदि संगठनों को इसपर चिंता करनी चाहिए

किया प्रोत्साहित

- सामाजिक, राजनीतिक व प्रबुद्ध लोग सड़क पर उतरे
- वाहन चालकों से हेलमेट पहनने की नसीहत दी

आओ जानें

झारखंड से जुड़े रोचक तथ्य

- झारखंड रेलमार्ग से भी अच्छी तरह पूरे देश से जुड़ा हुआ है और कई रेले प्रतिदिन चलती है.
- झारखंड की राजधानी रांची व उपराजधानी दुमका है इस राज्य में 24 जिले हैं.
- झारखंड की राजकीय भाषा हिंदी है इसके अलावा यहां नागपुरी बंगाली बिहारी आदि बोली जाती है.
- राज्य में लोकसभा की 14 और राज्यसभा में 6 सीटें हैं.
- राज्य में सड़कों की कुल लंबाई 4311 किलोमीटर है.
- राज्य का राजकीय पशु हाथी है.
- यहां की राजकीय पक्षी कोयल है.
- राज्य का राजकीय फूल पलाश है.
- झारखंड की सीमाएं उत्तर में बिहार, पश्चिम में उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ है.
- राज्य की अर्थव्यवस्था में पर्यटको की अहम भूमिका है

विधानसभा घेराव करने पहुंचे थे पंचायत स्वयंसेवक, कई घायल

पंचायत सेवकों पर लाठीचार्ज

संवाददाता । रांची

बैरिकेडिंग तोड़ विस तक पहुंचने की कर रहे थे कोशिश, हो गयी भिड़ंत

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन गुरुवार को विधानसभा से कुछ दूरी पर मांगों को लेकर विभिन्न संगठनों ने प्रदर्शन किया. यहां तक कि बैरिकेडिंग के पास आकर हंगामा भी शुरू कर दिया. वे पुलिस का घेरा तोड़ कर विधानसभा का घेराव करने के लिए आगे बढ़ना चाह रहे थे, जिन्हें रोकने के लिए वहां पर बड़ी संख्या में सुरक्षाबल के जवान भी मुस्तैद थे. आग्रह नहीं मानने पर जवानों ने उनको खदेड़ना शुरू किया. उन पर लाठियां भांजी, जिसमें कई लोग घायल हो गये.

पहले खदेड़ा फिर चलाए वाटर कैनन : जानकारी के मुताबिक झारखंड विधानसभा से कुछ दूरी पर कूटे में धरनास्थल है. यहां अपनी मांगों को लेकर विभिन्न संगठन प्रदर्शन कर रहे थे. पंचायत स्वयं सेवक भी यहीं धरने पर बैठे हुए थे. गुरुवार को उनका विधानसभा घेराव कार्यक्रम था. इसी क्रम में सभी पंचायत स्वयंसेवक बैरिकेडिंग के पास आकर हंगामा शुरू कर दिया. वे पुलिस का घेरा तोड़ कर विधानसभा का घेराव करने के लिए आगे बढ़ना चाह रहे थे. वे विधानसभा तक नहीं पहुंच पाएं, इसके लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाबल के जवानों को तैनात किया गया था. जब वे आगे बढ़ने से नहीं रुके तो पहले सुरक्षाबलों ने हल्का बल प्रयोग कर पहले उन्हें खदेड़ा. जब वे नहीं माने तो उनपर वाटर कैनन चलाया. फिर लाठियां भांजी.

बड़ी संख्या में महिलाएं भी थीं

विधानसभा घेराव में पुरुषों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी थीं. जब संघ के लोग बैरिकेडिंग को भी तोड़ कर आगे बढ़ने लगे, तो इस पर जवाबी कार्रवाई करते हुए सुरक्षाबल के जवानों ने संघ के सदस्यों पर लाठियां बरसाते हुए उन्हें रोकने की कोशिश की. इस बीच सुरक्षा बल के जवानों और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की और नोंक-झोंक हुई. इस धक्का-मुक्की और बल प्रयोग के दौरान कई पंचायत स्वयं सवेक घायल भी हुए हैं.

168 दिन से धरने पर हैं पंचायत सेवक

उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ का झारखंड प्रदेश के तत्वावधान में 168 दिनों से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी है. पांच सूत्री मांगों को लेकर स्वयंसेवक बीती 8 जुलाई से ही अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन राजभवन के पास कर रहे हैं.

---

34 करोड़ की उत्पादों के लगे 80 स्टॉल

संवाददाता । धनबाद

कोयला नगर के नेहरू कांप्लेक्स में दो दिवसीय प्रदर्शनी में 34 करोड़ की उत्पादों के 80 स्टॉल लगे है. जहां 250 से अधिक उद्यमी के साथ-साथ कई खरीदार जुटे थे. गुरुवार को बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया. सूत्रों के अनुसार भारत सरकार एमएसएमई मंत्रालय के झारखंड राज्य स्थित एमएसएमई-विकास कार्यालय रांची के अधीनस्थ कार्यालय शाखा एमएसएमई-विकास कार्यालय एवं भारत कोकिंग कोल लिमिटेड धनबाद के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय वेंडर डेवलपमेंट कार्यक्रम-सह-औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है. मुख्य अतिथि समीरन दत्ता कहा कि बीसीसीएल द्वारा पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है. कोल इंडिया ने वित्त वर्ष के लिए जेम से खरीद का निर्धारित लक्ष्य 30,000 करोड़ रुपए के स्थान अब तक लगभग 34,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रोक्योरमेंट किया है. उन्होंने एमएसएमई इकाइयों को गुणवत्ता विकास, प्रतिस्पर्धात्मक लागत, ट्रस्ट बिल्डिंग एवं आफ्टर सेल सर्विस इत्यादि पर ध्यान देने की सलाह दी. उन्होंने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को बीसीसीएल की तरफ से हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया. एमएसएमई-डीएफओ रांची और शाखा एमएसएमई-डीएफओ धनबाद को ऐसे कार्यक्रम के आयोजन के लिए धनबाद का चयन करने के लिए धन्यवाद दिया है.

खास बातें

- 250 से अधिक उद्यमी प्रदर्शनी में पहुंचे
- बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता ने किया उद्घाटन

सैकड़ों गरीबों के बीच कंबल का वितरण

बेंगाबाद (गिरिडीह)। बेंगाबाद प्रखंड के तेलोनारी पंचायत एवं चपुआडीह पंचायत में गुरुवार को गरीब व जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया. इस क्रम में तेलोनारी पंचायत भवन में कैंप लगाकर 130 लाभुकों के बीच स्थानीय मुखिया प्रियंका कुमारी के द्वारा कंबल का वितरण किया गया. वहीं चपुआडीह पंचायत के मुखिया मो शमीम ने पंचायत के डुमरजोर, मुंढेरी सहित अन्य गांवों का दौरा कर असहाय एवं गरीब लाभुकों को कंबल उपलब्ध कराया. मुखिया मो शमीम ने बताया कि पंचायत अंतर्गत 70 लाभुकों को कंबल दिया गया है. अन्य जरूरतमंदों को दो दिनों के अंदर कंबल दिया जाएगा.

न्यूज अपडेट

35 अभ्यर्थियों का लिया गया साक्षात्कार

बोकारो। बोकारो जिले के विभिन्न कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में रिक्त पड़ें अकाउंटेंट कम कंप्यूटर ऑपरेटर, विभिन्न भाषा एवं शारिरिक शिक्षिकाओं के पदों के लिए गुरुवार को 35 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया. समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में साक्षात्कार डीसी कुलदीप चौधरी, डीडीसी कीर्तीश्री, अपर नगर आयुक्त सौरव कुमार भुवानिया, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खान, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता ने लिया. साक्षात्कार में शामिल महिला अभ्यर्थियों से क्रमवार डीसी कुलदीप चौधरी समेत अन्य पदाधिकारियों ने उनके शैक्षणिक, प्रशिक्षण एवं कार्य अनुभव के संबंध में विस्तार से जानकारी ली. वहीं, डीईओ, डीएसई ने संबंधित विषयों से संबंधित प्रश्न पूछा. साक्षात्कार में कुल 35 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया.

निशान यात्रा में उमड़े भक्त, गूंजे श्याम बाबा के जयकारे

जमशेदपुर। सोनारी श्री श्याम सेवा संघ द्वारा गुरुवार को 21वां श्याम महोत्सव धूमधाम से मनाया गया. यह धार्मिक कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष अशोक दीवान के नेतृत्व में दो चरणों में संपन्न हुआ. प्रथम चरण में दोपहर 01.30 बजे से सोनारी रांम मंदिर से विभिन्न मार्ग होते हुए जूनियर कारमेल स्कूल के पीछे मैदान (महोत्सव स्थल) तक लगभग चार किलोमिटर निशान शोभा यात्रा निकली गयी. जिसमें 751 श्याम प्रेमी निशान लिये बाबा श्याम का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे. स्थानीय कलाकार महावीर अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत किये गये भजन ल्याया थारो श्याम जी सूरजगढ़ निशान..., डोरी खैच के राखिजे यो है सूरजगढ़ निशान... पर भक्त नचते गाते चलते रहे. निशान शोभा यात्रा में वरिष्ठ भाजपा नेता अभय सिंह ने भी शामिल होकर बाबा श्याम का आशीर्वाद लिया.

मेंस यूनियन ने कार्मिक अधिकारी से की भेंट

जमशेदपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल ने संयोजक एमके सिंह के नेतृत्व में वरीय मंडल विधुत अभियंता परिचालन एवं वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी से चक्रधरपुर में गुरुवार को भेंट की. इस दौरान बैठक कर झारसुगुड़ा तथा टाटानगर के रनिंग स्टाफ की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया. इन सभी मुद्दों को ध्यान पूर्वक सुनने के बाद सभी समस्याओं को दूर करने का अश्वासन अधिकारियों ने दिया. वहीं वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी के यहां टाटानगर विधुत शेड के रोस्टर में परिवर्तन सम्बंधित आदेश जारी किया गया था.

टाटा स्टील को फाइव स्टार रेटिंग श्रेणी में 9 पुरस्कार मिले

संवाददात । धनबाद

टाटा स्टील को कोयला खनन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए फाइव स्टार रेटिंग श्रेणी में नौ अवाड्र्स से सम्मानित किया गया है. टाटा स्टील की झरिया स्थित चार कोलियरियों सहित वेस्ट बोकारो ओपनकास्ट माइंस को ये प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं. वर्ष 2019-20, 2020-21 और 2021-22 की वार्षिक रेटिंग में टाटा स्टील की खदानों को लगातार 5 स्टार रेटिंग मिली है. बुधवार को दिल्ली के विज्ञान भवन आयोजित समारोह में पुरस्कार दिए गए. कोयला, खान और संसदीय मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी से टाटा स्टील झरिया डिवीजन के जेनरल मैनेजर संजय राजोरिया सहित कंपनी के अन्य अधिकारियों ने पुरस्कार ग्रहण किया. टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (रॉ मैटेरियल्स) डीबी सुंदरा रामम ने कहा कि कंपनी अपनी कोयला खदानों के लिए ये प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करके गौरवान्वित महसूस कर रही है.

जयप्रकाश उद्यान घाट में एनडीआरएफ ने किया मॉकड्रिल

आदित्यपुर। जिला दंडाधिकारी सह डीसी रवि शंकर शुक्ला के निर्देश पर गुरुवार को जयप्रकाश उद्यान घाट पर एनडीआरएफ की टीम ने वेट एवं ड्राय रेस्क्यू मॉक ड्रील का आयोजन किया. इस मौके पर एसओ के नेतृत्व में 14 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम ने मॉक ड्रील के माध्यम से पानी में डूब रहे लोगों को कैसे बचाया जाता है . एनडीआरएफ के जवान ड्रीप ड्राईव कैसे करते हैं .डूबे हुए व्यक्ति को पानी से कैसे बाहर निकालते हैं. बाहर निकालकर कैसे व्यक्ति के शरीर से पानी बाहर निकाला जाता है . जिससे उसकी जान बचाई जा सके. इसके अलावे मॉकड्रील के दौरान आपदा, बाढ़ या पानी में डूबने की स्थिति में संसाधनों के अभाव में बांस व नारियल का उपयोग कर कैसे जान बचायी जा सकती है का मॉक ड्रिल किया, साथ ही मॉकड्रील के दौरान आपदा की स्थिति में कैसे प्रबंधन करना है.

चांदगो में टंकी के बिना बेकार पड़ी हैं अर्द्धनिर्मित जलमीनार

संवाददात । पेशरार (लोहरदगा)

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल लोहरदगा की ओर से निर्मित की गई जलमीनार विभागीय लापरवाही से खुद प्यासा साबित हो रहा है. यहां पर ग्राम पंचायत रोरद अंतर्गत ग्राम चांदगो सहित कई अन्य गांवों में पेयजल विभाग की ओर से जनता को स्वच्छ पीने का पानी मिले इसे लेकर जगह-जगह पर जलमीनार का निर्माण करा तो दिया गया है, लेकिन आधे से अधिक जलमीनार निर्मित समय से ही बेकार पड़े हैं.

इस पर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग की कोई दिलचस्पी नहीं है. आलम यह है कि लोग पेयजल के लिए इधर-उधर भागदौड़ कर रहे हैं. सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह है कि चांदगो में ही बनाया गया नवनिर्मित जलमीनार का टंकी गायब है. गांव वालों के अनुसार नवनिर्मित जलमीनार को पूर्ण करा दिए जाने की बात कही जाती है और जलमीनार में टंकी तक लगाया नहीं गया है. इससे यही प्रतीत होता है कि सरकारी राशि को किस तरह से बंदरबांट किया गया है. बहरहाल रोरद पंचायत क्षेत्र में दर्जनों जलमीनार जनहित में निर्मित करा दिया गया है. लेकिन आधे से अधिक जलमीनार निर्माण के समय से ही बेकार साबित हो रहा है.

आयोजन चिन्मय युवा महोत्व की शुरुआत चिन्मय बोकारो विद्यालय में कल से

5 राज्यों के 250 से अधिक युवा होंगे महोत्सव में शामिल

संवाददाता । बोकारो

चिन्मय युवा केंद्र (चिक) व चिन्मय मिशन बोकारो द्वारा चिन्मय विद्यालय बोकारो में शनिवार से विशाल चिन्मय युवा महोत्सव की शुरुआत होगी. जिसमें भारत के पूर्वी राज्यों के पांच राज्य असम, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार एवं झारखंड के 14 विभिन्न विद्यालयों के 250 बच्चे भाग लेंगे.

विभिन्न विद्यालय में विद्या भारती चिन्मय विद्यालय जमशेदपुर, चिन्मय विद्यालय राउरकेला, डॉसी रॉय इंजीनियरिंग कॉलेज दुर्गापुर, दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो , राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल बोकारो, चिन्मय विद्यालय बिष्टुपुर , चिन्मय विद्यालय गुवाहाटी, चिन्मय विद्यालय बोकारो के विद्यार्थी शामिल हैं. बोकारो चिन्मय मिशन के अध्यक्ष सीसीएमटी एजुकेशन सेल के पूर्वी भारत के निदेशक विश्वरूप मुखोपाध्याय ने कहा कि यह कैंप झारखंड सहित पूर्वी भारत के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा.

इसमें भाग लेने वाले सभी युवा चारित्रिक नैतिक एवं बौद्धिक विकास पर ध्यान देंगे. विशेष तकनीक सीखेंगे. ताकि उनका शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, चारित्रिक एवं आध्यात्मिक विकास होता रहे और वह एक योग्य मानव संसाधन बनकर समाज, राष्ट्र एवं मानवता के विकास में संरचनात्मक योगदान देते रहें. राधाकृष्णन पिल्लई इस शिविर के मुख्य प्रशिक्षक होंगे. विश्व विख्यात लेखक एवं कॉरपोरेट प्रशिक्षक राधाकृष्णन द्वारा युवाओं को नेतृत्व कला एवं आर्थिक क्षेत्र में विकास, राष्ट्र के आर्थिक, सामरिक एवं कूटनीतिक क्षेत्र कैसे सफल हो इसकी मुख्य रूप से चर्चा करेंगे. स्वामी अव्ययानंद सरस्वती आचार्य चिन्मय मिशन केंद्र सिंगापुर इस शिविर के निदेशक होंगे. शिविर को और भी व्यावहारिक दृष्टि से सफल बनाने के लिए स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, आचार्या सुरेश शर्मा, विकास परिधारिया भी प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करेंगे.

खास बातें

- राधाकृष्णन पिल्लई होंगे शिविर के मुख्य प्रशिक्षक
- 14 विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी लेंगे महोत्सव में हिस्सा
- झारखंड के भी कई विद्यालयों के बच्चे लेंगे महोत्सव में हिस्सा

पेज 1 का शेष

फिर बनाएंगे सरकार

अग्निवीर योजना की पोल खोल रही है पूर्व सेनाध्यक्ष की किताब : सोरेन ने केंद्र पर हमला करते हुए कहा कि हमारे हिस्से का 1.36 हजार करोड़ रुपए दबाए बैठा है. प्रधानमंत्री आवास का पैसा नहीं दिया. मनरेगा के हिस्से का पैसा काट दिया. लाखों राशन कार्ड धारियों को राशन बंद कर दिया. अगर हमारा बकाया पैसा मिल जाता तो हमारे राज्य का पिछड़ापन दूर हो सकता था. उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने 500 रुपए में गैस सिलिंडर देने का वादा किया, तो भाजपा ने कहा कि हम 450 रुपए में देंगे. मगर अब जब सरकार बनी गयी तो कहते हैं कि नहीं दे सकते हैं. देश की सेना में गांव के लोग अधिक जाते थे. मगर अग्निवीर के तहत काफी कम सैलरी में 4 साल की नौकरी दी जा रही है. इस योजना की पोल खुद पूर्व सेनाध्यक्ष अपनी किताब में कर रहे हैं. मोदी गांरटी की बात करते हैं, मगर यही लोग किसानों के हित के खिलाफ नया किसान कानून लाने जा रहे थे. किसानों के विरोध के कारण केंद्र सरकार वापस हुई. अब जंगलों में निजी कंपनियों को घुसाने की फिराक में हैं.

झारखंड में स्कॉलरशिप में हुआ...

राज्य सरकार समय पर करे पेंशन भुगतान : एजी ने कहा है कि राज्य सरकार को समय पर पेंशन भुगतान करना चाहिए. अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना पर कहा कि अधिकारियों के खिलाफ राज्य सरकार कार्रवाई कर सकती है. ई कल्याण का आइटी ऑडिट कराने की भी बात कही है, जिससे खामियों को दूर किया जा सके. भारत सरकार के ई-एप्लिकेशन का एनइएसपी पोर्टल पर ट्रांसफर किया जाए.

पेंशन योजना में डाटा बेस ही तैयार नहीं : एजी ने बताया कि पेंशन योजना के लिए लाभार्थियों का पूरा डाटा बेस ही तैयार नहीं है. विभाग के पास भी लाभार्थियों का पूरा डाटा नहीं है. इसकी जांच के लिए 29 फीसदी नमूने लिए गए, जिसमें अफसरों ने पेंशन देने में 864 दिनों तक पेंशन देने में देरी की. इस योजना में 2017 से 2021 का सोशल ऑडिट नहीं कराया गया.

फ्रांसीसी फुटबॉल लीग

एमबाप्पे ने अपने 25वें जन्मदिन को बनाया यादगार, पीएसजी जीता

भाषा । पेरिस

02 गोल दागे एमबाप्पे ने

3-1 से जीता पीएसजी

काइलियन एमबाप्पे के लिए उनका 25वां जन्मदिन यादगार बन गया. फ्रांस के इस स्टार फुटबॉलर ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की तरफ से फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में दो गोल करके अपनी टीम को मेट्ज पर 3-1 से जीत दिलाई. यही नहीं उनके छोटे भाई 16 वर्षीय एथन एमबाप्पे ने इस मैच से लीग वन में पदार्पण किया. वह बुधवार को खेले गए मैच में इंजरी टाइम में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे, जो काइलियन एमबाप्पे के लिए जन्मदिन पर बोनस जैसा था. काइलियन एमबाप्पे के लीग में अब 18 गोल हो गए हैं और वह गोल करने वाले खिलाड़ियों में शीर्ष पर काबिज हैं. उन्होंने इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 21 गोल किए हैं. मोनाको से 2017 में पीएसजी से जुड़ने के बाद वह इस क्लब की तरफ से 282 मैच में 233 गोल कर चुके हैं. काइलियन एमबाप्पे का इस सत्र के बाद पीएसजी के साथ अनुबंध समाप्त हो जाएगा और उन्होंने अभी तक ऐसे कोई संकेत नहीं दिए हैं कि वह अनुबंध आगे बढ़ाएंगे या किसी अन्य क्लब से जुड़ेंगे.

ला लिगा

बार्सिलोना ने फिर से जीत की राह पकड़ी

मैड्रिड । बार्सिलोना की टीम अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करने में नाकाम रही लेकिन इसके बावजूद उसने अंतिम स्थान की टीम अल्मेरिया को 3–2 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में फिर से जीत की राह पकड़ी. बार्सिलोना इससे पहले पिछले तीन मैच में जीत दर्ज नहीं कर पाया था और वह जीत की राह पर लौटने के लिए बेताब था. इस जीत से बार्सिलोना के 18 मैच में 38 अंक हो गए हैं. वह गिरोना (44) और रीयाल मैड्रिड (42) के बाद तीसरे स्थान पर है. उसने हालांकि इन दोनों टीम से एक मैच अधिक खेला है. अन्य मैचों में पांचवें स्थान पर काबिज एथलेटिक बिलबाओ ने अपने घरेलू मैदान पर नौवें स्थान की टीम लास पालमास को 1–0 से जबकि विलारीयाल ने सेल्टा विगो को 3–2 से हराया.

ब्रीफ खबरें

अजहर ने एनसीए निदेशक पद के लिए आवेदन किया

कराची । पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान अजहर अली ने लाहौर स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के निदेशक पद के लिए आवेदन किया है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एनसीए के निदेशक पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे और विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार अजहर ने न सिर्फ आवेदन किया है. सूत्रों ने कहा कि पीसीबी भी इससे खुश है कि अजहर ने इस पद में दिलचस्पी दिखाई है क्योंकि उनकी क्रिकेट और शैक्षिक पृष्ठभूमि अच्छी है.

मियामी के लिए छह मैच नहीं खेल पाएंगे मेस्सी

न्यूयॉर्क । अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ व्यस्त होने के कारण मेजर लीग सॉकर की टीम इंटर मियामी की तरफ से कम से कम छह मैचों में नहीं खेल पाएंगे. मेसी का यह इंटर मियामी में पहला पूर्ण सत्र होगा. मियामी अमेरिका की शीर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता मेजर लीग सॉकर में अपने अभियान की शुरुआत 21 फरवरी को रियल साल्ट लेक के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर करेगा.

एसए-20 लीग में कमेंट्री शास्त्री करेंगे

नयी दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच और मशहूर कमेंटेटर रवि शास्त्री को 10 जनवरी से शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका टी-20 लीग (एसए-20) के लिए कमेंट्री पैनल में शामिल किया गया है. आयोजकों के अनुसार शास्त्री के अलावा इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड, केविन पीटरसन और मार्क बूचर, दक्षिण अफ्रीका के एबी डी विलियर्स, शॉन पोलाक और क्रिस मॉरिस भी कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं.

प्रणवी ने हासिल किया पूर्ण इलईटी कार्ड

मराकेश (मोरक्को) । भारतीय महिला गोल्फर प्रणवी उर्स ने क्वालीफाइंग स्कूल गोल्फ टूर्नामेंट के अंतिम चरण में संयुक्त 31वें स्थान पर रहकर 2024 के लिए लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) का पूर्ण कार्ड हासिल किया. प्रणवी ने फ्रंट नाइन पर शानदार प्रदर्शन किया और बैक नाइन पर कुछ परेशानियों से जूझते हुए वह अंतिम दौर में तीन अंडर 70 का कार्ड खेलने में सफल रहीं जिससे उनका कुल स्कोर 12 अंडर 351 रहा.

डब्ल्यूएफआई चुनाव : कई बार लंबित होने के बाद संपन्न हुआ चुनाव

बृजभूषण के विश्वासी संजय बने अध्यक्ष

भाषा । नयी दिल्ली

संजय सिंह गुरुवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के नए अध्यक्ष बने जब कई बार लंबित हुए चुनावों में उनके पैनल ने अधिकांश पद पर आसान जीत दर्ज की जिससे निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के हाथों में अप्रत्यक्ष रूप से महासंघ का नियंत्रण आ गया. उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय को 40 जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी अनिता श्योराण को सात मत मिले. राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता अनिता का पैनल हालांकि महासचिव पद अपने नाम करने में सफल रहा जब प्रेम चंद लोचब ने दर्शन लाल को हराया.

चुनावों के नतीजों से शीर्ष पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक को यह अहसास होगा कि बृजभूषण के खिलाफ उनका विरोध-प्रदर्शन व्यर्थ हो गया है क्योंकि बदलाव के लिए आक्रामक होकर अभियान चलाने के बावजूद उन्हें कुश्ती जगत का समर्थन नहीं मिला. सांसद बृजभूषण का एक करीबी अब अध्यक्ष है. इन शीर्ष पहलवानों ने बृजभूषण पर कथित रूप से जूनियर पहलवानों सहित महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था. इनका विरोध हालांकि उस दिन विफल हो गया जब उन्होंने 28 मई को नए संसद भवन की ओर मार्च करने की योजना बनाई और दिल्ली पुलिस ने दंगा करने के लिए सभी प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर से हटा दिया.

जुलाई में शुरू हुई थी चुनाव प्रक्रिया

चुनाव प्रक्रिया जुलाई में शुरू हो गई थी लेकिन अदालत में विभिन्न मामलों के कारण इसमें देरी हुई. उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक को रद्द कर दिया था.

झारखंड के रजनीश बने कार्यकारी सदस्य

गुरुवार को डब्लूएफआई के कुल 15 पदों पर चुनाव हुए. अध्यक्ष पद के अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष के 4 पदों, महासचिव, कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव के 2 पदों और 5 कार्यकारी सदस्यों का चुनाव हुआ. झारखंड के रजनीश कुमार कार्यकारी सदस्य चुने गये है.

उभरती हुई महिला पहलवानों को भी झेलना पड़ेगा शोषण. –विनेश फोगाट

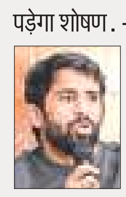

सरकार अपनी इस बात पर कायम नहीं रही कि बृजभूषण का कोई भी वफादार चुनाव नहीं लड़ेगा. – बजरंग पूनिया

पहलवानों ने जताया विरोध

ओलंपिक पदक विजेता साक्षी ने संन्यास की घोषणा की

टेबल पर अपने जूते रखकर संन्यास की घोषणा करतीं साक्षी.

रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने गुरुवार को बृज भूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह की भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष पद के चुनाव में जीत का विरोध करते हुए कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा की. डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण के करीबी संजय गुरुवार को यहां हुए चुनाव में डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बने और उनके पैनल ने 15 में से 13 पद पर जीत हासिल की. टेबल पर अपने जूते रखकर साक्षी ने नाटकीय अंदाज में संन्यास की घोषणा की. साक्षी की आंखों में आंसू थे, उन्होंने कहा कि हमने दिल से लड़ाई लड़ी लेकिन बृजभूषण जैसा आदमी, उसका बिजनेस साझीदार और करीबी सहयोगी डब्ल्यूएफआई का अध्यक्ष चुना गया है तो मैं कुश्ती छोड़ती हूं. राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता 31 वर्षीय साक्षी ने कहा कि हम एक महिला अध्यक्ष चाहते थे लेकिन ऐसा नहीं हुआ.

आओ जानें

डब्ल्यूएफआई चुनाव में किस पद के लिए किसका चयन

- अध्यक्ष - संजय कुमार सिंहयूपी
- वरिष्ठ उपाध्यक्ष- देवेन्द्र-असम
- उपाध्यक्ष- असित कुमार साहा–पश्चिम बंगाल, जय प्रकाश- दिल्ली, करतार सिंह-पंजाब, एन. फोनी–मणिपुर
- प्रधान सचिव- प्रेम चंद लोचब-गुजरात
- संयुक्त सचिव- बेलिपडी गुणरंजन शेट्टी–कर्नाटक, आरके पुरूषोत्तम–आंध्र प्रदेश
- कोषाध्यक्ष- सत्यपाल सिंह देसवाल–उत्तराखण्ड
- कार्यकारी सदस्य- एम लोगानाथन.–तमिलनाडु, नेविकुओली खात्सी–नागालैंड, प्रशांत राय–छत्तीसगढ, रजनीश कुमार–झारखंड, उम्मेद सिंह–राजस्थान

सॉफ्ट क्रिकेट राष्ट्रीय प्रतियोगिता

एमजीएम स्कूल के 3 खिलाड़ी प्रतियोगिता के लिए चयनित

संवाददाता । बोकारो

बोकारो के एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के तीन खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय सॉफ्ट क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए हुआ है. इनका चयन झारखंड सॉफ्ट क्रिकेट संघ के द्वारा 8 दिसंबर को कोडरमा में आयोजित ओपन ट्रायल के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है. इस प्रतियोगिता का आयोजन मथुरा में 27 से लेकर 29 दिसंबर तक किया जाएगा. चयनित खिलाड़ियों में बालिका वर्ग अंडर-19 में दसवीं की छात्रा एंडरी तथा बालक वर्ग अंडर-19 में आर्यन कुमार देव और अस्तित्व भारद्वाज शामिल हैं. स्कूल के खेलकूद प्रशिक्षक राजीव सिंह ने बताया कि जिन बच्चों का प्रदर्शन सॉफ्ट क्रिकेट राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर होगा, वह भूटान में होने वाले एशियाई सॉफ्ट क्रिकेट के लिए चयनित होंगे. इस मौके पर स्कूल के प्राचार्य रेजी सी वर्गिस ने कहा कि इन बच्चों का राष्ट्रीय सॉफ्ट क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए चयन होना ही स्कूल एवं बोकारो के लिए बहुत ही गर्व की बात है. हमें पूरी उम्मीद है कि यह बच्चे प्रतियोगिता में भाग लेकर स्कूल और पूरे झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा करेंगे. मौके झारखंड सॉफ्ट क्रिकेट के सचिव मित्तल कुमार तथा स्कूल के उप प्राचार्य राखी बनर्जी के साथ-साथ हेड मिस्ट्रेस एनसी वर्गिस तथा खेल शिक्षकों में ओम प्रकाश तिवारी, ने छात्रों को शुभकामनाएं दी.

रांची विवि कॉलेज स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता

एसएस मेमोरियल और मारवाड़ी कॉलेज की टीम सेमीफाइनल में

संवाददाता । रांची

बीएस कॉलेज लोहरदगा में खेली जा रही रांची विवि कॉलेज स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में गुरुवार को क्वाटर फाइनल मुकाबले एसएस मेमोरियल और मारवाड़ी कॉलेज अपने अपने मैच जीत कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया. बीएस कॉलेज लोहरदगा और गोस्सनर कॉलेज पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं. सेमीफाइनल में बीएस कॉलेज और गोस्सनर कॉलेज की बीच मैच होगा. वही दूसे सेमीफाइनल में मारवाड़ी कॉलेज और एसएस मेमोरियल कॉलेज के बीच मुकाबला खेला जाएगा. सेमीफाइनल की विजेता टीमों के बीच फाइनल मुकाबला 23 दिसंबर को खेला जाएगा. दिन का पहला क्वाटर फाइनल मुकाबला एसएस मेमोरियल कॉलेज और डोरंडा कॉलेज के बीच खेला गया, जिसमें डोरंडा कॉलेज ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 22.3 ओवर में 94 रन बनाए. जवाब में एसएस मेमोरियल की टीम ने 13.5 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया. दूसरे क्वाटर फाइनल मुकाबले में आरएलएसवाई कॉलेज ने मारवाड़ी कॉलेज के खिलाफ टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 27.3 ओवर में 104 रनों का स्कोर बनाया. जवाब में मारवाड़ी कॉलेज ने 12.4 ओवर में केवल 2 विकेट खोकर 105 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया.

सेमीफाइनल मैच

- बीएस कॉलेज का मुकाबला गोस्सनर कॉलेज से होगा
- मारवाड़ी कॉलेज का मुकाबला एसएस मेमोरियल से होगा

स्टोक्स व आर्चर के लिए टीम में जगह रहेगी: मोट

तारोबा (त्रिनिदाद एवं टोबैगो) । इंग्लैंड की सफेद गेंद की प्रारूप की टीम के कोच मैथ्यू मोट ने कहा कि स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की मैच जिताने की काबिलियत को देखते हुए उनका 2024 टी-20 विश्व कप के लिए टीम में होना निहायत जरूरी है इसलिये चोट से जूझ रहे इन दोनों खिलाड़ियों के लिए टीम में जगह बनी रहेगी. स्टोक्स के घुटने का नवंबर में ऑपरेशन हुआ था और उनके अगले साल जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की कप्तानी के लिए फिट होने की उम्मीद है. वहीं आर्चर कोहनी की चोट के कारण मार्च से इंग्लैंड के लिए नहीं खेले हैं. इन दोनों के फिटनेस हासिल करने के बाद टी-20 विश्व कप टीम में जगह बनाने की उम्मीद.

महिला क्रिकेट : भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया

पूजा व स्नेह के सामने ऑस्ट्रेलिया पस्त

भाषा । मुंबई

तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकार और ऑफ स्पिनर स्नेह राणा ने गुरुवार को यहां एकमात्र महिला क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन पिच से मिल रही असमान उछाल का पूरा फायदा उठाया जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 219 रन पर ढेर कर दिया. भारत ने इसके जवाब में दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 98 रन बना लिए हैं. सलामी बल्लेबाजों स्मृति मंधाना (49 गेंद में नाबाद 43, आठ चौके) और शेफाली वर्मा (59 गेंद में 40 रन, आठ चौके) ने पहले विकेट के लिए 90 रन जोड़कर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई.

भारत अब ऑस्ट्रेलिया से 121 रन पीछे है जबकि उसके नौ विकेट शेष हैं. दिन के खेल के दौरान भारत के दबदबे की शुरुआत पूजा (53 रन पर चार विकेट) ने की जिन्होंने स्नेह (56 रन पर तीन विकेट) और दीप्ति शर्मा (45 रन पर दो विकेट) के साथ मिलकर ताहलिया मैकग्रा (50 रन, 56 गेंद, आठ चौके) के अर्धशतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की पारी में 77. 4 ओवर में समेट दिया. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और टीम ने पहले ओवर में ही सलामी बल्लेबाज फोएबे लिचफील्ड (00) का विकेट गंवा दिया जो बेथ मूनी के साथ गलतफहमी का शिकार होकर रन आउट हुईं.

चार गेंद बाद पूजा की शानदार गेंद पर एलिस पैरी (04) बोल्ड हो गईं जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो ओवर में सात रन पर दो विकेट हो गया. ताहलिया ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर अपनाकर भारत को दबाव में डालने की कोशिश की. उन्होंने अपने पांचवें टेस्ट में आठ चौकों की मदद से तीसरा अर्धशतक पूरा किया. उन्हें 24 और 45 रन के निजी स्कोर पर दो जीवनदान भी मिले. मूनी के साथ तीसरे विकेट की 80 रन की साझेदारी के दौरान अधिकांश रन ताहलिया के बल्ले से निकले और वह बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रहीं थी. ऑस्ट्रेलिया की उप कप्तान हालांकि अर्धशतक पूरा करने के तुरंत बाद स्नेह की गेंद पर मिड विकेट पर राजेश्वरी गायकवाड़ को कैच दे बैठीं. भारत के तेज गेंदबाजी और स्पिन मिश्रित आक्रमण के खिलाफ जूझने के बावजूद मूनी क्रीज पर डटी रहीं.

खास बातें

- ऑस्ट्रेलियाई की टीम पहली पारी में 219 रन पर सिमटी
- जवाबी पारी में एक विकेट पर भारत ने बनाए 98 रन

04 विकेट चटकाए पूजा ने

03 विकेट चटकाए स्नेह ने

किस्मत चमकी | पिछले साल तक माली का काम करते थे ऑस्ट्रेलिया के स्पेंसर जॉनसन

नीलामी की राशि ने लायी स्पेंसर की मां के चेहरे पर मुस्कान

भाषा । मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के स्पेंसर जॉनसन पिछले साल तक 'लैंडस्केप' माली का काम कर रहे थे लेकिन दुबई में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में गुजरात टाइटंस द्वारा 10 करोड़ रुपये की बड़ी राशि में खरीदे जाने के बाद उनकी मां के चेहरे पर मुस्कान आ गयी है. ऐसा भी समय था जब लग रहा था कि जॉनसन का क्रिकेट कॅरियर खत्म हो जायेगा.

जॉनसन ने कहा कि आठ महीने पहले मेरे पास राज्य क्रिकेट का कोई करार या बिग बैश का अनुबंध भी नहीं था. मैं 'लैंडस्केप' पर पौधे लगाने का काम कर रहा था. इसलिये 18 महीने बाद निश्चित रूप से हालात बदल गये हैं. दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए 2017 में पेशेवर पदार्पण के दौरान उनके पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर हो गया था, जिसके कारण वह तीन साल तक क्रिकेट से बाहर रहे और फिर अनुबंध भी उनके हाथों से चला गया. सर्जरी और 'रिहैबिलिटेशन' के बाद 2022 में इस बायें हाथ के तेज गेंदबाज ने दक्षिण ऑस्ट्रेलिया से फिर अनुबंध किया और इस साल जनवरी में ब्रिसबेन हीट के लिए बिग बैश लीग में पदार्पण किया.

खास बातें

- घरेलू पदार्पण के दौरान चोटिल हो गए थे स्पेंसर
- चोट के कारण तीन साल तक क्रिकेट से दूर थे स्पेंसर

स्पेंसर की तेज रफ्तार ने सभी को प्रभावित किया

पिछले बिग बैश लीग सत्र में इस 28 साल के तेज गेंदबाज ने 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी को आकर्षित किया. पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा की कोचिंग वाली आईपीएल फ्रेंचाइजी ने ही उन्हें खरीदा जिससे वह गुजरात टाइटंस के राशिद खान के बाद दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गये हैं. 'द हंड्रेड' में खेलने के बाद जॉनसन पर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान गया और उन्हें ऑस्ट्रेलिया के लिये खेलने के लिए चुना गया. उन्होंने इंदौर में अगस्त में भारत के खिलाफ अपना एकमात्र वनडे खेला जिसमें उन्होंने आठ ओवर में 61 रन दिये लेकिन विकेट नहीं ले सके.

ब्रीफ खबरें

ट्रंप विद्रोही हैं और अब यह 'स्पष्ट' है: बाइडन

मिलवॉकी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में अपनी हार के बाद नतीजों को पलटने की कोशिश में विद्रोह किया था और यह अब स्पष्ट है. बाइडन ने हालांकि कोलोराडो के उच्चतम न्यायालय के उस फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं कि जिसमें कहा गया है कि 2021 में अमेरिकी कैपिटल पर हुए हमले में ट्रंप की भूमिका थी और इस कारण वह अगला राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते.

फुटओवर ब्रिज से गिर कर छात्र की मौत

नयी दिल्ली। उत्तरपूर्वी दिल्ली में वजीराबाद सड़क पर एक फुटओवर ब्रिज से गिरकर 16 वर्षीय एक स्कूली छात्र की मौत हो गयी. पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार दोपहर करीब पौने दो बजे हुई, जब कक्षा नौ का छात्र गाजियाबाद में अपने घर लौट रहा था. गंभीर रूप से घायल छात्र को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. छात्र करीब छह मीटर की ऊंचाई से नीचे गिरा जिससे उसे गंभीर चोटें आईं थीं.

दिल्ली में गोपालदास भवन में लगी आग

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के बाराखम्भा रोड पर गोपालदास भवन की 11वीं मंजिल पर गुरुवार की दोपहर आग लग गयी, जिसमें कई निजी कंपनियों के दफ्तर हैं. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं आयी है. आग लगने के बाद इमारत में मौजूद लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया था. दोपहर करीब पौने दो बजे आग लगने की सूचना मिली जिस पर नियंत्रण पाने के लिए दमकल की 15 गाड़ियों को रवाना किया गया.

किम जोंग ने फिर दी एटम बम की धमकी

सियोल (दक्षिण कोरिया)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण में शामिल सैनिकों की प्रशंसा की और कहा कि देश की यह नीति है कि दुश्मन देशों द्वारा उकसाए जाने पर परमाणु हमला करने में हिचकिचाया नहीं जाएगा. उत्तर कोरिया में पिछले वर्ष से परमाणु हथियारों के परीक्षण में तेजी आई है और देश के नेता किम जोंग उन कई बार परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की धमकी दे चुके हैं.

कोयले की खदान में दुर्घटना में 12 की मौत

बीजिंग। चीन के हेइलोंगजिआंग प्रांत में कोयले की खदान में दुर्घटना में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए, मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गयी. सरकारी 'चाइना सेंट्रल टेलीविजन' ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि यह दुर्घटना हेंगशान जिले में 'कुनयुआन कोयला खदान' में बुधवार दोपहर को हुई. दुर्घटना में घायल 13 लोगों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए जांच दल गठित किया गया है.

भारत संग साझेदारी प्रगाढ़ हुई : विदेश मंत्री

न्यूयॉर्क। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि अमेरिका ने 2023 में भारत के साथ अपनी साझेदारी प्रगाढ़ की है व क्वाड के माध्यम से जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ ही भारत से सहयोग बढ़ाया है. चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (क्वाड) में अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत शामिल हैं. ब्लिंकन ने बुधवार को वाशिंगटन में विदेश मंत्रालय में प्रेस वार्ता के दौरान यह टिप्पणी की. उन्होंने कहा, हमने भारत के साथ अपनी साझेदारी को गहरा किया है.

भूकंप पीड़ितों के लिए अब ठंड बनी चुनौती

यंग्दा (चीन)। उत्तर पश्चिम चीन के सुदूरवर्ती पर्वतीय क्षेत्र में आए भूकंप से मची तबाही के बाद अब पीड़ितों के लिए ठंड चुनौती बन गयी, जो अस्थायी शिविरों में शरण लिए हुए हैं. भूकंप से मची तबाही के मंजर के बीच एक तरफ अपनों को खोने का गम साल रहा है तो दूसरी ओर अपना जीवन फिर से कैसे पटरी पर लाएं, यह भी पीड़ितों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है.

केंद्र सरकार का फैसला : इस सप्ताह के अंत में सर्वेक्षण का काम शुरू होगा

संसद परिसर की सुरक्षा अब सीआईएसएफ करेगी

भाषा। नयी दिल्ली

सरकार ने संसद भवन परिसर में सुरक्षा में हुई चूक की हालिया घटना के मद्देनजर इसकी व्यापक सुरक्षा का जिम्मा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंपने का फैसला किया है. आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. सीआईएसएफ एक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) है जो वर्तमान में परमाणु और एयरोस्पेस डोमेन (उड़ान उद्योग संबंधी) के अंतर्गत प्रतिष्ठानों, असैन्य हवाई अड्डों और दिल्ली मेट्रो के अलावा राष्ट्रीय राजधानी में कई केंद्रीय मंत्रालयों के भवनों की सुरक्षा करता है.

सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को संसद भवन परिसर के सर्वेक्षण का निर्देश दिया ताकि व्यापक आधार पर सीआईएसएफ सुरक्षा और दमकल शाखा की नियमित तैनाती की जा सके. केंद्र सरकार के मंत्रालयों की सुरक्षा करने वाली सीआईएसएफ की सरकारी भवन सुरक्षा (जीबीएस) इकाई के विशेषज्ञ और वर्तमान संसद सुरक्षा टीम के अधिकारियों के साथ सीआईएसएफ के अग्निशमन और बचाव अधिकारी इस सप्ताह के अंत में सर्वेक्षण शुरू करेंगे.

सीआरपीएफ महानिदेशक की अध्यक्षता में समिति केंद्रीय गृह मंत्रालय को सिफारिशें देगी

सूत्रों ने बताया कि नये और पुराने दोनों संसद परिसर और उनकी संबद्ध इमारतों को सीआईएसएफ के व्यापक सुरक्षा घेरे में लाया जायेगा, जिसमें संसद सुरक्षा सेवा (पीएसएस), दिल्ली पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संसद ड्यूटी समूह (पीडीजी) के मौजूदा घटक भी मौजूद होंगे. संसद पर 13 दिसंबर को 2001 को हुए आतंकवादी हमले की बरसी के दिन एक बड़ी सुरक्षा चूक के तहत दो व्यक्ति शून्यकाल के दौरान दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गये, केन से पीला धुआं छोड़ा और नारे लगाये. आरोपियों को बाद में सांसदों ने काबू में कर लिया. लगभग उसी समय दो अन्य लोगों ने संसद परिसर के बाहर नारे लगाते हुए केन से रंगीन धुआं छोड़ा. सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह की अध्यक्षता में एक समिति संसद परिसर के समग्र सुरक्षा मुद्दों को देख रही है और वह सुधार के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को सिफारिशें देगी.

आओ जानें

किन देशों में कितने प्रतिशत वन क्षेत्र

सूरीनाम	97.4	कनाडा	38.7
गुआना	93.6	न्यूजीलैंड	37.6
फिनलैंड	73.7	स्पेन	37.2
स्वीडन	68.7	क्रोएशिया	34.7
जापान	68.4	अमिरका	33.9
दक्षिण कोरिया	64.4	मैक्सिको	33.8
स्लोवानिया	61.5	नार्वे	33.4
ब्राजील	59.4	जर्मनी	32.7
एस्टोनिया	57.0	इटली	32.3
लातिविया	54.8	स्विटजरलैंड	32.1
कोलंबिया	53.3	फ्रांस	31.5
वेनेजुएला	52.4	टर्की	28.9
इंडोनेशिया	49.1	भारत	24.3
आस्ट्रिया	47.3	नाइजीरिया	23.7
वियतनाम	46.7	चीन	23.4
थाईलैंड	38.9	ऑस्ट्रेलिया 1	7.4

कोविड : 594 नए मामले के साथ 2669 हुई मरीजों की संख्या

फिर से डराने लगा कोरोना

भाषा। नयी दिल्ली

भारत में गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 594 नए मामले दर्ज किए गए, जिससे उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 2,669 हो गयी, जो इससे एक दिन पहले 2,331 थी. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आज सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या 4.50 करोड़ (4,50,06,572) हो गयी. वहीं छह मरीजों की मौत के बाद मृतकों की संख्या 5,33,327 हो गयी, जिसमें केरल में तीन, कर्नाटक में दो और पंजाब में एक मरीज की जान चली गयी.

आंकड़ों के अनुसार, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,70,576 हो गयी है और स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है. संक्रमण से जान गंवाने की दर 1.19 फीसदी है. मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, देश में अभी तक कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत 220.67 करोड़ खुराक दी गयी है.

दिल्ली वायरस से निपटने को तैयार : दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कोरोना वायरस का नया उप-स्वरूप जेएन.1 संक्रामक है लेकिन इसके लक्षण हल्के हैं और राष्ट्रीय राजधानी सरकार इससे निपटने के लिए पूरी तरह से सतर्क और तैयार है. देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी के बीच अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली सरकार जीनोम अनुक्रमण की निगरानी बढ़ाएगी.

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय अलर्ट | **केरल में तीन मरीजों की मौत**

जम्मू के एक स्कूल में गुरुवार को कोविड फ्री 2024 को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान.

केरल में कोविड के 300 नए मामले

तिरुवनंतपुरम। केरल में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 300 नए मामले सामने आये. वहीं तीन लोगों की संक्रमण से मौत हो गयी. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी. मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, गुरुवार सुबह आठ बजे तक देशभर में कोविड-19 के कुल 358 मामले सामने आए जिसमें से 300 मामले केरल से हैं. मंत्रालय के मुताबिक राज्य में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 2,341 हो गयी है. केरल में गत 24 घंटे के दौरान कोविड-19 से तीन मरीजों की मौत हुई. इसी के साथ बीते तीन वर्षों में कोरोना वायरस संक्रमण से राज्य में मरने वालों की संख्या बढ़कर 72,059 हो गयी. स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक गत 24 घंटे के दौरान 211 मरीज संक्रमण मुक्त हुए या राज्य से बाहर गए, जिन्हें मिलाकर अबतक कुल 68,37,414 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं. राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने मंगलवार को कहा कि केरल में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के बावजूद चिंता की कोई बात नहीं है, क्योंकि राज्य संक्रमण के मामलों से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार है.

चंडीगढ़ में मास्क जरूरी राज्य बरतने लगे सतर्कता

कोरोना के नए सब वेरिएंट जेएन.1 ने दस्तक दे दी है. इस वजह से अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग नियम बना दिए गए हैं. कोरोना के नए वेरिएंट को देखते हुए चंडीगढ़ प्रशासन ने लिया बड़ा फैसला लिया है. प्रशासन ने एक बार फिर से मास्क लगाने हिदायत दी और लोगों को भीड़भाड़ वाले इलाके में मास्क पहनने की सलाह दी है. साथ ही भीड़ भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचने की हिदायत भी दी है. कर्नाटक में कोविड-19 के 20 नए मामले सामने आए हैं और इस महामारी के कारण दो और लोगों की मौत हो गयी.

---

138 साल पुराने कानून की जगह लेगा

दूरसंचार विधेयक 2023 को मंजूरी

भाषा। नयी दिल्ली

देश में 138 साल पुराने टेलीग्राफ अधिनियम को निरस्त कर नया कानून बनाने के लिए लाए गए दूरसंचार विधेयक, 2023 को संसद ने गुरुवार को मंजूरी प्रदान कर दी. राज्यसभा ने गुरुवार को इस विधेयक को चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया. लोकसभा इसे एक दिन पहले ही पारित कर चुकी है.

विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत का दूरसंचार क्षेत्र बहुत कठिनाई वाले दौर में था लेकिन पिछले साढ़े नौ वर्षों में इसे वहां से बाहर लाया गया है. उन्होंने कहा कि पहले इस क्षेत्र पर घोटालों की कालिख लगती थी, लेकिन आज यह उदीयमान क्षेत्र बना है. उन्होंने कहा कि भारत में दूरसंचार की सुविधा देने वाले टावरों की संख्या बढ़कर 25 लाख हो गई है, जो 2014 में छह लाख थी जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरसंचार क्षेत्र के प्रति विश्वास को दर्शाता है.

उन्होंने बताया कि ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ता पहले डेढ़ करोड़ थे, जो आज 85 करोड़ हो गए हैं. प्रधानमंत्री की नीतियों के कारण दुनिया में सबसे तेज गति से 5जी यहां लागू किया गया और इसके लिए जिन उपकरणों का इस्तेमाल किया गया वह भारत में बने हैं. उन्होंने कहा कि इस विधेयक में कई सुधारों को जारी रखा गया है और इसके द्वारा इस क्षेत्र में एक व्यापक परिवर्तन लाने का प्रयास किया गया है. इस विधायक में उपभोक्ताओं को केंद्र में रखकर और उनके हितों को ध्यान में रखकर कानून में प्रावधान किए गए हैं. उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति फर्जी तरीके से सिम हासिल करता है तो इसके लिए, तीन साल की सजा और 50 लाख रुपये तक का जुर्माना रखा गया है. इसी तरह के प्रावधान फोन नंबरों के अन्य दुरुपयोगों के लिए किए गए हैं. करीब 138 साल पुराने भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम की जगह लेने जा रहे दूरसंचार विधेयक 2023 में सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से किसी भी देश या व्यक्ति के टेलीकॉम सेवा से जुड़े उपकरणों को निलंबित या प्रतिबंधित करने का दिया गया है.

खास बातें

- राज्यसभा से भी नया कानून ध्वनिमत से हुआ पारित
- विधेयक पर चर्चा का जवाब मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दिया

पापुआ न्यू गिनी में ज्वालामुखी में विस्फोट भारत ने सामग्री भेजी

नयी दिल्ली। भारत ने पापुआ न्यू गिनी में ज्वालामुखी में हुए विस्फोट से प्रभावित लोगों के लिए गुरुवार को 10 लाख डॉलर मूल्य की राहत सामग्री भेजी. पापुआ न्यू गिनी में माउंट उलावुन में एक ज्वालामुखी में हुए विस्फोट से देश को बड़ा नुकसान हुआ है. इससे प्रभावित इलाके से 26,000 से अधिक लोगों को निकाला गया है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ''एक्स'' पर कहा, पापुआ न्यू गिनी में हुए ज्वालामुखी विस्फोट से प्रभावित लोगों के लिए भारत द्वारा घोषित 10 लाख डॉलर की राहत सहायता के अनुसरण में एक विशेष विमान राहत सामग्री लेकर पोर्ट मोरेस्बी के लिए रवाना हुआ.

'मिमिक्री' के बहाने सभापति संसद में जातिवाद ले आए : खड़गे

भाषा। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल उतारे जाने से जुड़े विवाद का हवाला देते हुए गुरुवार को आरोप लगाया कि धनखड़ यह मुद्दा उठाकर संसद में जातिवाद ले आए. खड़गे ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह संसद से जुड़े विषयों पर सदन के बाहर बोल रहे हैं, जिससे उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला बनता है. राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद परिसर में उनकी, तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा नकल उतारे जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए उच्च सदन में बुधवार को कहा था कि संसद परिसर में उनकी नकल उतारकर किसान समाज और उनकी जाति (जाट) का अपमान किया गया है. विपक्षी सांसदों ने दोनों सदनों से 140 सदस्यों के निलंबन पर विरोध जताते हुए गुरुवार को संसद भवन से एक मार्च भी निकाला.

दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र को दिया सुझाव

संपत्तियों को आधार से जोड़ा जाए

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र से भ्रष्टाचार, कालाधन सृजन और बेनामी लेन-देन पर अंकुश लगाने के लिए, नागरिकों की चल और अचल संपत्ति के दस्तावेज को उनके आधार से जोड़ने के अनुरोध वाली याचिका को अभ्यावेदन के रूप में स्वीकार कर उस पर विचार करने को कहा. न्यायमूर्ति राजीव शकधर और न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया की पीठ ने कहा कि ये नीतिगत फैसले हैं और अदालतें सरकार को ऐसा करने का निर्देश नहीं दे सकतीं.

अदालत ने कहा कि सरकार तीन महीने में अर्जी पर निर्णय ले. न्यायमूर्ति शकधर ने कहा, अदालतें ऐसे मामलों में कैसे पड़ सकती हैं. ये नीतिगत निर्णय हैं, अदालतें उन्हें ऐसा करने के लिए कैसे कह सकती हैं. प्रथमदृष्टया, जो बात मुझे समझ में नहीं आ रही है, वह यह है कि ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनके बारे में हमारे पास पूरी तस्वीर या आंकड़ा नहीं है, ऐसे कौन से विभिन्न पहलू हैं, जो सामने आ सकते हैं..सबसे अच्छा यह है कि उन्हें इसे एक अभ्यावेदन के रूप में मानकर विचार करने दिया जाए. अदालत अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर सुनवाई कर रही थी.

उन्होंने अपनी याचिका में कहा है कि यह राज्य का कर्तव्य है कि वह भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए उचित कदम उठाए और अवैध तरीकों से अर्जित की गयी 'बेनामी' संपत्तियों को जब्त कर यह सख्त संदेश दे कि सरकार भ्रष्टाचार और काले धन के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है.

पीएम मोदी ने जगन मोहन रेड्डी को जन्मदिन पर बधाई दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं और उनके लंबे व स्वस्थ जीवन की कामना की. वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष रेड्डी गुरुवार को 51 साल के हो गए. मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं. ईश्वर से उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं. जगन मोहन रेड्डी कांग्रेस के दिवंगत नेता और संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे वाईएस राजशेखर रेड्डी के बेटे हैं. उन्होंने 2011 में अपने पिता के निधन के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ मतभेद के बाद अपनी पार्टी बना ली थी.

आयी 'डंकी'...छायी खुशी...

किंग खान शाहरुख खान की नयी फिल्म डंकी रिलीज हो गयी है. फिल्म को लेकर उनके फैंस काफी खुश हैं. कोलकाता में गुरुवार को बैंड-बाजे के साथ फैंस थियेटर पहुंचे और अबीर-गुलाल उड़ाए. लोगों के बीच मिठाई भी बांटी गयी. - फोटो : पीटीआई

विमर्श **कर्नाटक में सीटों के तालमेल की अटकलें तेज, चुनाव को लेकर बनी रणनीति**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले देवेगौड़ा, कुमारस्वामी

भाषा। नयी दिल्ली

आगामी लोकसभा चुनाव में जनता दल (सेक्युलर) और भाजपा के बीच कर्नाटक में सीटों के तालमेल को लेकर बातचीत की अटकलों के बीच पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. संसद भवन स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई इस मुलाकात के दौरान कुमारस्वामी के भतीजे और जद (एस) के हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना सहित पार्टी के कुछ अन्य नेता मौजूद थे. प्रधानमंत्री मोदी ने खुद ही इस मुलाकात की तस्वीरें 'एक्स' पर साझा की और कहा, पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा जी, कुमारस्वामी जी और एचडी रेवन्ना से मिलकर हमेशा खुशी होती है. देश की प्रगति में देवेगौड़ा जी के अनुकरणीय योगदान को भारत बहुत महत्व देता है. विविध नीतिगत मामलों पर उनके विचार व्यावहारिक और भविष्योन्मुखी होते हैं.

कुमारस्वामी बुधवार को इन अटकलों के बीच नयी दिल्ली पहुंचे कि वह लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक में सीट बंटवारे पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ बातचीत कर सकते हैं. प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद कुमारस्वामी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. इस दौरान, हमने वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और प्रधानमंत्री के सामने कर्नाटक के किसानों से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा, इसके अतिरिक्त, खोपरा की खरीद के संबंध में प्रधानमंत्री से एक अनुरोध किया गया, जिस पर प्रधानमंत्री ने बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया दी. इसी साल सितंबर महीने में पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी की नयी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ हुई मुलाकात के बाद जद (एस) भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गया था. दोनों दलों के नेता तब से कहते आ रहे हैं कि लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर अभी बातचीत नहीं हुई है.

कुमारस्वामी ने दिल्ली रवाना होने से पहले बुधवार को कहा था कि वह निजी काम से दिल्ली जा रहे हैं.

खास बातें

- मुलाकात में क्या बातें हुईं, इसका खुलासा नहीं हुआ
- अटकलें लगाई जा रही कि सीट बंटवारे पर सहमति हो चुकी है

ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए केजरीवाल

समन राजनीति से प्रेरित व गैर कानूनी है : केजरीवाल

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईडी के समन पर अपना जवाब भेजा है. केजरीवाल ने समन को गैर कानूनी और राजनीति से प्रेरित बताया है. आम आदमी पार्टी (आप) के सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. दिल्ली के सीएम केजरीवाल को ईडी ने गुरुवार को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह बुधवार को 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र के लिए चले गये. सूत्रों ने मुख्यमंत्री के जवाब का हवाला देते हुए कहा, केजरीवाल ने ताजा समन को राजनीति से प्रेरित और गैर कानूनी बताया है. अपने जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन पारदर्शिता और ईमानदारी से गुजारा है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है. वह किसी भी कानूनी समन को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं. केजरीवाल को मंगलवार को विपश्यना सत्र के लिए रवाना होना था, लेकिन इंडिया की बैठक में व्यस्त होने से वह ऐसा नहीं कर सके.

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी. इसके लिए तैयारी अब अंतिम चरण में है. प्राण-प्रतिष्ठा पर भव्य समारोह होगा. देश-विदेश से विशिष्ट लोग इसमें शामिल होंगे. उस दिन पूरे देश में पूजा-अर्चना होगी और दीप जलाये जाने की अपील की गयी है.

अवध में पधार रहे हैं श्रीराम...

गुरुवार को अयोध्या में मंदिर पहुंचे सीएम योगी, तैयारियों का जायजा लिया

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा

ठीक एक महीने के बाद यानि 22 जनवरी 2024 को अवध नगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा होगी. लगभग 500 साल के लंबे इंतजार और कड़ी लड़ाई के बाद अंततः श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का अभिषेक समारोह आयोजित होने जा रहा है. यह सनातन प्रेमियों के लिए उत्साह का पल होगा. पूरे देश में काफी समय से इसको लेकर खुशी और भक्ति का माहौल है. यह अवसर एक त्योहार के समान होगा. 22 जनवरी को राम मंदिर के अभिषेक व प्राण प्रतिष्ठा के बाद 24 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंदिर का उद्घाटन किया जाएगा. फिर 23 जनवरी से सभी भक्तगण मंदिर में रामलला के दर्शन कर पाएंगे.

प्राण प्रतिष्ठा समिति में आवास व्यवस्था से जुड़े एक पदाधिकारी ने बताया कि 80 से अधिक देशों में आरएसएस का कार्यालय है. इसमें 50 देशों से 50 प्रतिनिधि ही यहां आएंगे. कौन यहां आएगा इनका पूरा जिम्मा विदेशों के ही पदाधिकारियों पर छोड़ा गया है. इन सभी को आमंत्रण भेजा जा चुका है. ईमेल में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की जानकारी दी जा चुकी है. प्राण प्रतिष्ठा आयोजन में विदेश के विशिष्टजन भाग लेंगे. आरएसएस, श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने इन सभी को रिसीव करने की पूरी योजना बना ली है. इसके लिए प्रदेश की राजधानी लखनऊ को बेस कैंप बनाया गया है.

योगी ने लिया जायजा : गुरुवार को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राममंदिर में चल रही तैयारियों का जायजा लिया.

इतिहास/मान्यता

इंद्रलोक के समान थी अयोध्या नगरी

महर्षि वाल्मीकि ने रामायण में अयोध्या नगरी की शोभा की तुलना करते हुए इसे दूसरा इंद्रलोक कहा. अवध नगरी अयोध्या मंदिरों का शहर रहा है. कहा जाता है कि अयोध्या नगरी को भगवान श्रीराम के पूर्वज विवस्वान (सूर्य) पुत्र वैवस्वत मनु द्वारा बसाया गया था. इसलिए अयोध्या नगरी में सूर्यवंशी राजाओं का राज महाभारत काल तक रहा. अयोध्या नगरी के दशरथ महल में ही प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ. धन्य-धान्य और रत्न-आभूषणों से भरी इस नगरी की अतुलनीय छटा और खूबसूरत इमारतों का वर्णन वाल्मीकि रामायण में भी मिलता है. लेकिन भगवान श्रीराम के जल समाधि लेने के बाद अयोध्या कुछ समय के लिए उजाड़ हो गयी थी. कहा जाता है कि, रामजी के पुत्र कुश ने फिर से अयोध्या का पुनर्निर्माण कराया और इसके बाद सूर्यवंश की अगली 44 पीढ़ियों तक इसका अस्तित्व चरम पर रहा. इसके बाद महाभारत काल में हुए युद्ध के बाद भी अयोध्या फिर से उजाड़ हो गयी. पौराणिक कथा-कहानियों के अनुसार प्राचीन काल में भगवान श्री राम के जल समाधि लेने के बाद और महाभारत युद्ध के बाद अयोध्या के उजाड़ होने और फिर से बसने का वर्णन मिलता है. लेकिन श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या और यहां बने श्रीराम मंदिर को एक नहीं बल्कि कई बार आक्रमणों का सामना करना पड़ा. अयोध्या को नष्ट करने के लिए मुगलों द्वारा कई अभियान भी चलाए गए, मंदिर में बाबरी ढांचा खड़ा किया, भव्य मंदिर तोड़ मस्जिद बनवायी गयी, लेकिन प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि कभी नष्ट न हो सकी. वैसे तो अयोध्या नगरी का इतिहास त्रेतायुग से भी पुराना है.

श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या का इतिहास

अयोध्या राम जन्म भूमि देश के सबसे लंबे चलने वाले केस में एक है. राम जन्मभूमि का इतिहास बहुत पुराना है. 1528 से लेकर 2023 तक श्रीराम जन्म भूमि के पूरे 495 वर्षों के इतिहास में कई मोड़ आए. इसमें 9 नवंबर 2019 का दिन बेहद खास रहा, जब 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया.

- **1528:** मुगल बादशाह बाबर के सिपहसालार मीर बाकी ने विवादित जगह पर मस्जिद का निर्माण कराया. इस स्थान को लेकर हिंदू समुदाय के लोगों द्वारा यह दावा किया कि, यहां भगवान राम की जन्मभूमि है और इस स्थान पर एक प्राचीन मंदिर भी था. हिंदू पक्ष के लोगों ने, मस्जिद में बने तीन गुंबदों में एक गुंबद के नीचे भगवान राम का जन्मस्थान बताया.
- **1853-1949:** श्रीराम जन्म भूमि पर जहां मस्जिद का निर्माण किया गया, वहां के आसपास के कई स्थानों पर पहली बार 1853 में दंगे हुए. इसके बाद 1859 में अंग्रेजी प्रशासन ने विवादित स्थान के पास बाड़ लगा दी और मुसलमानों को ढांचे के अंदर वहीं हिंदुओं को बाहर चबूतरे के पास पूजा करने की इजाजत दे दी.
- **1949:** अयोध्या श्रीराम जन्म भूमि का असली विवाद 23 सितंबर 1949 को तब हुआ, जब मस्जिद में भगवान राम की मूर्तियां मिलीं. इसे लेकर हिन्दू समुदाय के लोग कहने लगे कि, यहां साक्षात भगवान राम प्रकट हुए हैं. वहीं मुस्लिम समुदाय के लोगों ने आरोप लगाया कि, किसी ने चुपके से यहां मूर्तियां रखीं. ऐसे में यूपी सरकार ने तुरंत मूर्तियों को वहां से हटाने के आदेश दिए. लेकिन जिला मैजिस्ट्रेट (डीएम) केके नायर ने धार्मिक भावना को ठेस पहुंचने और दंगों भड़कने के डर से इस आदेश में असमर्थता जताई. इस तरह से सरकार द्वारा इसे विवादित ढांचा मानकर ताला लगा दिया गया.
- **1950:** फैजाबाद के सिविल कोर्ट में दो अर्जी दाखिल हुई. इसमें एक तो विवादित भूमि पर रामलला की पूजा की इजाजत और दूसरी मूर्ति रखे जाने की इजाजत पर थी.
- **1961:** यूपी सुन्नी वक्फ बोर्ड ने एक अर्जी दाखिल की और विवादित भूमि पर पजेशन और मूर्तियों को हटाने की मांग की.
- **1984:** 1 फरवरी 1986 में यूसी पांडे की याचिका पर फैजाबाद के जिला जज केएम पांडे ने हिंदुओं को पूजा करने की इजाजत दे दी और ढांचे पर लगे ताले को हटाने का आदेश दिया.
- **1992:** यह दंगा ऐतिहासिक रहा. 6 दिसंबर 1992 को वीएचपी और शिवसेना समेत कई हिंदू संगठन के लाखों कार्यकर्ताओं ने विवादित ढांचे को गिरा दिया. इससे देशभर में सांप्रदायिक दंगे हुए और हजारों की तादाद में लोग मारे गए.
- **2002:** गोधरा ट्रेन जोकि हिंदू कार्यकर्ताओं को लेकर जा रही थी, उसमें आग लगा दी गई और करीब 58 लोग मारे गए. इसे लेकर गुजरात में भी दंगे की आग भड़क गयी और दो हजार से अधिक लोग इस दंगे में मारे गए.
- **2010:** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसले पर विवादित भूमि को सुन्नी वक्फ बोर्ड, रामलला विराजमान और निर्मोही अखाड़ा के बीच तीन बराबर हिस्सों में बांटने का आदेश दिया.
- **2011:** अयोध्या विवाद पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी.
- **2017:** सुप्रीम कोर्ट ने आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट का आह्वान किया और भाजपा के कई नेताओं पर आपराधिक साजिश आरोप बहाल किए गए.
- **2019:** 8 मार्च 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने मामले को मध्यस्थता के लिए भेजा और 8 सप्ताह के भीतर कार्यवाही को खत्म करने के आदेश दिए. इसके बाद 1 अगस्त को मध्यस्थता पैनल ने रिपोर्ट पेश की और 2 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट मध्यस्थता पैनल मामले में समाधान निकालने कामयाब नहीं रहें. इस बीच सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या मामले को लेकर प्रतिदिन सुनाई होने लगी और 16 अगस्त 2019 को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रखा गया.
- **2019, 09 नवंबर:** सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की बेंच ने श्रीराम जन्म भूमि के पक्ष में फैसला सुनाया. वहीं 2.77 एकड़ विवादित भूमि हिंदू पक्ष को मिली और मस्जिद के लिए अलग से 5 एकड़ जमीन मुस्लिम पक्ष को मुहैया कराने का आदेश दिया गया.
- **2020:** 25 मार्च 2020 को पूरे 28 साल बाद रामलला टेंट से निकलकर फाइबर मंदिर में शिफ्ट हुए और इसके बाद 5 अगस्त को भूमि पूजन किया गया.
- **2023:** अब एक बार फिर से श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो चुका है. 22 जनवरी 2024 को रामलला के भव्य मंदिर का अभिषेक होगा. इस तरह से सालों साल चले इस विवाद का अंत होगा और रामलला की पूजा-आराधना की जाएगी.

राम मंदिर

विवाद, विध्वंस, निर्माण और उद्घाटन...

1528
बाबर के सिपहसालार मीर बाकी ने विवादित स्थान पर मस्जिद बनवायी

1853
विवादित परिसर मंदिर में बने होने की बात पर हिंसा भड़की

1858
विवादित परिसर पर पूजा-अर्चना के लिए प्राथमिकी हुई

1885
पहली बार विवादित मामला अदालत की दहलीज पर पहुंचा

1934
विवादित ढांचे का कुछ हिस्सा गिराया गया राया गया

1989
मंदिर का शिलान्यास हुआ और पहली ईंट रखी गयी

महत्वपूर्ण तारीख

- प्राण प्रतिष्ठा
  22 जनवरी 2024
- सबके लिए दर्शन
  23 जनवरी 2024
- मुख्य प्रतिमा की ऊंचाई
  51 इंच

ससुराल में खुशी

मिथिला से पाग, पान और मखाने का नजराना पहुंचेगा

भाषा। अयोध्या (उप्र)

अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में भगवान श्री राम की ससुराल यानी बिहार के मिथिला से पाग, पान और मखाना पहुंचाया जाएगा. इन उपहारों की व्यवस्था पटना का प्रसिद्ध महावीर मंदिर करेगा. महावीर मंदिर के सचिव पूर्व आईपीएस किशोर कुणाल ने गुरुवार को 'पीटीआई-भाषा' को यह जानकारी देने के साथ ही बताया कि 15 जनवरी से एक महीने तक अयोध्या में महावीर मंदिर द्वारा भक्तों के लिए एक भव्य लंगर भी चलाया जाएगा. शास्त्रों के अनुसार, राम की पत्नी माता सीता मिथिला की थीं. कुणाल ने बताया, उद्घाटन समारोह के लिए देशभर से अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए राम रसोई 15 जनवरी से 15 फरवरी तक सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक चलेगी. उन्होंने दावा किया कि उच्चतम न्यायालय में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद की सुनवाई के दौरान राम मंदिर के पक्ष में अहम साक्ष्य उपलब्ध कराने में महावीर मंदिर ने अहम भूमिका निभाई.

दिया गया न्योता

सोनिया गांधी, अधीर रंजन खड़गे को भी मिला निमंत्रण

एजेंसी। अयोध्या

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने को लेकर विपक्षी नेताओं को भी निमंत्रण भेजे जाने की खबर है. समारोह में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी न्योता दिये जाने की सूचना है. खड़गे ने कार्यक्रम का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है. लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी भी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित हैं. खबर तो यह भी आयी है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी न्योता भेजा जा रहा है, हालांकि, मनमोहन सिंह अस्वस्थ हैं. पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा भी उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें राम मंदिर का न्योता भेजा गया है.

सूत्रों के अनुसार राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंगलवार को मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और उन्हें निमंत्रण दिया. उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सोनिया गांधी को भी न्योता दिया है.

मिलेगी सुविधा

मंदिर आने वाले बुजुर्गों को नहीं चलना पड़ेगा पैदल

भाषा। अयोध्या

राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर आमंत्रित बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालुओं को भव्य परिसर में ज्यादा पैदल चलने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि मंदिर निर्माण ट्रस्ट उनके लिए ई-वाहनों का संचालन कराएगा. मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर निर्माण ट्रस्ट राम जन्मभूमि पर आने वाले बुजुर्ग आगंतुकों के लिए विशेष व्यवस्था करेगा. वरिष्ठ नागरिकों को भव्य परिसर में ज्यादा पैदल चलने की जरूरत नहीं होगी. उन्होंने बताया कि राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ-साथ बीमार लोगों के लिए भी ई-वाहनों का संचालन किया जाएगा. ट्रस्ट जल्द ही दर्जनों छोटे ई-वाहन खरीदेगा. ये ई-वाहन 12 यात्रियों की क्षमता वाले बैटरी चालित 'गोल्फ कार्ट' होंगे. मिश्रा ने बताया कि इस सुविधा का लाभ लेने के लिए वरिष्ठ नागरिक राम मंदिर प्रवेश द्वार के स्वागत कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं. उन्हें ई-वाहनों में बैठाकर गर्भगृह के निकटतम बिंदु तक ले जाया जाएगा और उसी गाड़ी में वापस लाया जाएगा.

कॅरियर-काउंसिलिंग

बीटेक प्लास्टिक इंजीनियरिंग करने के बाद युवा बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश प्रसाद। एजुकेशन रिपोर्टर

प्लास्टिक इंजीनियरिंग में बीटेक 4 साल की अवधि का बैचलर्स कोर्स है. इस कोर्स को प्लास्टिक इंजीनियरिंग के विशेष कॉन्सेप्ट्स को व्यक्त करने के लिए डिजाइन किया गया है. इसमें प्लास्टिक प्रोसेसिंग, प्लास्टिक और सिंथेटिक मटेरियल मैन्युफैक्चरिंग, प्लास्टिक स्टोरेज साइंस, सिंथेटिक मटेरियल डेवलपमेंट आदि जैसे विषय शामिल हैं. कोर्स के अंतर्गत, छात्रों को प्रमुख निर्माण स्थलों में साइट ट्रेनिंग के लिए भी ले जाया जाता है और मोल्डिंग विधियों और मिश्रण तैयार करने और गुणवत्ता का उपयोग करने पर प्रशिक्षण दिया जाता है.

बीटेक प्लास्टिक इंजीनियरिंग को क्यों चुनें

- जैसा कि आप जानते हैं, लगभग सभी सामान किसी न किसी तरह से प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जाता है, इसलिए प्लास्टिक एक्सपर्ट्स की आवश्यकता काफी अधिका है.
- सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में, प्लास्टिक टेक्नोलॉजिस्ट और एक्सपर्ट्स की बहुत मांग है.
- आमतौर पर, यह कोर्स गवर्नमेंट कॉलेजों द्वारा प्रदान किया जाता है, इसलिए अन्य स्ट्रीम की तुलना में प्लेसमेंट के अवसर अच्छे हैं.
- प्लास्टिक इंजीनियरिंग में बीटेक करने वाले छात्रों के लिए पॉलीमर टेक्नोलॉजी, ऑयल और नेचुरल गैस, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, पेट्रोकेमिकल, थर्मल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिसिटी, टेलीकम्युनिकेशन आदि के क्षेत्रों में अच्छा स्कोप है.

प्लास्टिक इंजीनियरिंग के लिए विदेशी विश्वविद्यालय

- हार्वर्ड यूनिवर्सिटी
- ऑकलैंड विश्वविद्यालय
- मैनचेस्टर विश्वविद्यालय
- लौघ्बोरौघ विश्वविद्यालय
- मैसाचुसेट्स लोवेल विश्वविद्यालय
- शेफील्ड विश्वविद्यालय
- वाइकाटो विश्वविद्यालय
- पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी
- स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी
- इम्पीरियल कॉलेज लंदन
- यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा

भारतीय विश्वविद्यालय

- एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा
- आईआईटी
- लखनऊ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, लखनऊ
- इंडस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ऊना
- रूंगटा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, भिलाई
- मेडी-कैप्स विश्वविद्यालय, इंदौर
- विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर
- दिल्ली यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली

विदेश में आवेदन प्रक्रिया

- आपकी आवेदन प्रक्रिया का फर्स्ट स्टेप सही कोर्स और यूनिवर्सिटी का चुनाव करना है.
- कोर्स और यूनिवर्सिटी के चुनाव के बाद उस कोर्स के लिए उस यूनिवर्सिटी की पात्रता मानदंड के बारे में रिसर्च करें.
- आवश्यक टेस्ट स्कोर और दस्तावेज एकत्र करें.
- यूनिवर्सिटी की साइट पर जाकर एप्लीकेशन फॉर्म भरें या फिर आप लेवेर्ज इडीयू एक्सपर्ट्स की भी सहायता ले सकते हैं.
- ऑफर की प्रतीक्षा करें और सिलेक्ट होने पर इंटरव्यू की तैयारी करें.
- इंटरव्यू राउंड क्लियर होने के बाद आवश्यक ट्यूशन शुल्क का भुगतान करें और स्कॉलरशिप, छात्रवीजा, एजुकेशन लोन और छात्रावास के लिए आवेदन करें.

आवश्यक दस्तावेज

- आधिकारिक शैक्षणिक ट्रांसक्रिप्ट
- स्कैन किए हुए पासपोर्ट की कॉपी
- आईईएलटीएस या टीओईएफएल आवश्यक टेस्ट स्कोर
- निबंध (यदि आवश्यक हो)
- पोर्टफोलियो (यदि आवश्यक हो)
- अपडेट किया गया सीवी/रिज्यूमे
- -एक पासपोर्ट और छात्र वीजा
- बैंक विवरण

भारतीय विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया

1. सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
2. यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
3. फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
4. अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
5. इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
6. यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

आवश्यक दस्तावेज

- आपकी दसवीं या बारहवीं की परीक्षा की मार्कशीट और पास सर्टिफिकेट
- जन्म तिथि का प्रूफ
- विद्यालय छोड़ने का सर्टिफिकेट
- ट्रांसफर सर्टिफिकेट
- डोमिसाइल सर्टिफिकेट/रेजिडेंशियल प्रूफ या सर्टिफिकेट
- प्रॉवीजनल सर्टिफिकेट
- करैक्टर सर्टिफिकेट
-

बीटेक प्लास्टिक इंजीनियरिंग के बाद अन्य कोर्स

- **एमटेक :** यदि कोई शिक्षा के उसी क्षेत्र में आगे अध्ययन करना चाहता है, तो पहला कोर्स एमटेक प्लास्टिक इंजीनियरिंग है. यह दो साल का कोर्स है और पात्रता मानदंड यह है कि आपके पास प्लास्टिक इंजीनियरिंग में बीई या बीटेक की डिग्री होना अनिवार्य है. यह सबसे लोकप्रिय मास्टर्स इंजीनियरिंग कोर्सेज में से एक है.
- **एमबीए :** बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग ग्रैजुएट्स पीजीडीएम या एमबीए कोर्स का चयन करते हैं. प्रवेश राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिए जाते हैं. पसंद की विशेषज्ञता में एमबीए के साथ बीटेक की डिग्री होना बेहद फायदेमंद है और कई आर्गेनाइजेशन एक्टिव रूप से ऐसे उम्मीदवारों की तलाश करते हैं.

बीटेक प्लास्टिक इंजीनियरिंग के बाद प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं युवा

विद्यार्थियों के पास बीटेक प्लास्टिक इंजीनियरिंग करने के बाद एक अन्य विकल्प भी है. वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं. सरकारी क्षेत्र के संगठनों में नौकरी के अवसरों के लिए होने वाली परीक्षाएं सबसे लोकप्रिय हैं.

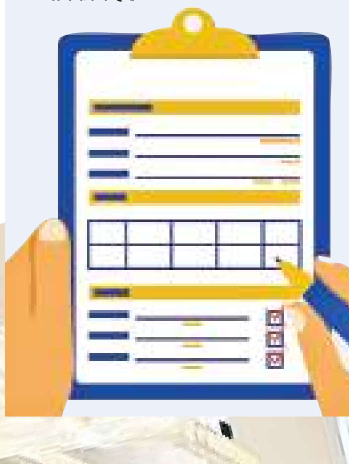

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में शिवा साई पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा, रांची- 83522 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)